Page 11

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

मूल्य ₹ 2.00

कृष्ण पक्ष, मघा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • गुरूवार • 16 अक्टूबर 2025 • वर्ष 27 • अंक 306 • पृष्ठ 12

खेल

87 रन बनाना काफी नहीं, पूर्व चयरकर्ता ने साई सुदर्शन को दिया गंभीर संदेश

देश

बनारस में लाल मिर्च, बुंदेलखंड में मूंगफली, बाराबंकी से आजमगढ़ तक केले का कलस्टर...

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,18,150	₹ 1,90,000

आज का इतिहास

1948 : भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री और भरतनाट्यम की नृत्यांगना हेमा मालिनी का जन्म हुआ।

1968 : भारतवंशी हरगोविन्द खुराना को दवा और शरीर विज्ञान के लिए चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

न्यूज बाइट्स

फास्टैग वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं की संख्या दो महीने में 25 लाख के पार

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजमार्गों के टोल प्लाजा पर आवागमन को आसान बनाने के लिए वार्षिक शुल्क के साथ फास्टैग उपयोगकर्ताओं की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है और दो महीने में यह संख्या 25 लाख के पार पहुंच गयी है। आधिकारिक सूचना के अनुसार देश भर में पिछले 60 दिन में ऐसे फास्टैग से लगभग 5.67 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है और पच्चीस लाख उपयोगकर्ताओं के कारण यह ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल हुआ है। यह योजना 15 अगस्त को लॉन्च की गयी थी। फास्टैग वार्षिक पास राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को एक सहज और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करता है और यह राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर मान्य है।

साइबर हमलों के समुद्री क्षेत्र पर प्रभाव पर संगोष्ठी आयोजित करेगी नौसेना

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय नौसेना गुरूवार को यहां 'साइबर हमलों का समुद्री क्षेत्र पर प्रभाव और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर उसका प्रभाव' शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन करेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में उभरते साइबर खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए प्रमुख हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है।

राजेश सिंह मोहिउद्दीनगर से 17 को करेंगे नामांकन

समस्तीपुर (नि.सं.)। समस्तीपुर जिले के महिउद्दीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक राजेश कुमार सिंह 17 अक्तूबर को एनडीए उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करेंगे। पटोरी के निर्वाची पदाधिकारी कार्यालय में वह नामांकन करें। इस दौरान एनडीए के कई वरिष्ठ नेतागण वहां मौजूद रहेंगे। मालूम हो कि 2020 के चुनाव में उन्होंने इस सीट से राजद विधायक एज्या यादव को हराया था।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए राज्य में सत्तारुढ़ गठबंधन के दल जनता दल यूनाइटेड ने प्रत्याशियों पहली सूची की जारी

57 उम्मीदवारों के नाम घोषित

बिहार विधानसभा चुनाव 2025

जनता दल (यूनाइटेड)

> 2025 के चुनाव में एनडीए का साफ कहना है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व और चेहरे पर ही विधानसभा का चुनाव लड़ा जाएगा। शुरुआत में एनडीए में नीतीश को लेकर थोड़ी असमंजस की स्थिति थी, लेकिन अब फिर बीजेपी के बड़े नेताओं ने नीतीश के चेहरे पर मुहर लगा दी।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए जेडीयू ने बुधवार को अपने 57 कैंडिडेट्स की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में जेडीयू ने 3 बाहुबलियों को टिकट दिया है। मोकामा से अनंत सिंह, एकमा से धुमल सिंह, कुचाएकोट से अमरेंद्र पांडेय को उतरा है। लिस्ट में एक भी मुस्लिम नाम नहीं है। 10 अनुसूचित जातियों के कैंडिडेट्स को उतारा है। लिस्ट में 6 मंत्री भी हैं। 4 महिलाओं को भी टिकट मिला है। इसके अलावा चिराग के दावे वाली 5 सीटों सोनबरसा, अलौली, राजगीर, एकमा और मोरबा पर भी जेडीयू ने कैंडिडेट उतारे हैं। पहली लिस्ट में 18 विधायकों को रिपीट किया गया है। 2 विधायकों का टिकट कटा है। सकरा से आदित्य कुमार और बरबीघा से सुदर्शन कुमार।

नीतीश कुमार ने सम्राट चौधरी के लिए अपनी सिटिंग सीट छोड़ दी है। पिछली बार तारापुर जेडीयू के खाते में थी। इस बार यहां से बीजेपी कोटे से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी लड़ेंगे। वहीं परबत्ता सीट भी जेडीयू ने गठबंधन के लिए छोड़ी है। 2020 में परबत्ता जदयू के खाते में थी। 2020 में सबसे कम 12 वोटों से चुनाव जीते कृष्ण मुरारी शरण ऊर्फ प्रेम मुखिया को फिर से हिलसा से टिकट दिया गया है। 2025 के विधानसभा चुनाव में जेडीयू 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राज्य पहले फेज के लिए 6 नवंबर को 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे।

उम्मीदवारों की सूची

01. आलमनगर- नरेंद्र नारायण यादव
02. बिहारीगंज- निरंजन कुमार मेहता
03. सिंहेश्वर- रमेश ऋषिदेव
04. मधेपुरा- कविता साहा
05. सोनबरसा- रत्नेश सादा
06. महिषी- गुंजेश्वर साह
07. कुशेश्वरस्थान - अतिरेक कुमार
08. बेनीपुर-विनय कुमार चौधरी
09. दरभंगा ग्रामीण- ईश्वर मंडल
10. बहादुरपुर- मदन सहनी
11. गायघाट - कोमल सिंह
12. मीनापुर- अजय कुशवाहा
13. सकरा- आदित्य कुमार
14. कांटी- अजय कुमार
15. कुचायकोट- अमरेंद्र कुमार पांडेय
16. भोरे- सुनील कुमार
17. हथुआ- रामसेवक सिंह
18. बरौली- मंजीत सिंह
19. जीरादेई- भीष्म कुशवाहा
20. रघुनाथपुर- विकास कुमार उर्फ जीशू सिंह
21. बड़हरिया- इंद्रदेव पटेल
22. महाराजगंज- हेम नारायण साह
23. एकमा- धुमल सिंह
24. मांझी- रणधीर सिंह
25. परसा- छोटे लाल राय
26. वैशाली- सिद्धार्थ पटेल
27. राजापाकर- महेंद्र राम
28. महनार- उमेश सिंह कुशवाहा
29. कल्याणपुर- महेश्वर हजारी
30. वारिसनगर- मांजरीक मृणाल
31. समस्तीपुर- अश्वमेघ देवी
32. मोरवा- विद्यासागर सिंह निषाद
33. सरायरंजन- विजय कुमार चौधरी
34. विभूतिपुर- रवीना कुशवाहा
35. हसनपुर- राज कुमार राय
36. चेरिया बरियारपुर- अभिषेक कुमार
37. मटिहानी- राजकुमार सिंह
38. अलौली- रामचंद्र सदा
39.खगड़िया - बल्लू मंडल
40. बेलदौर- पन्ना लाल पटेल
41. जमालपुर- नचिकेता मंडल
42. सूर्यगढ़ा- रामानंद मंडल
43. शेखपुर- रणधीर कुमार सोनी
44. बरबीघा- कुमार पुष्पंजय
45. अस्थावां- जितेंद्र कुमार
46. राजगीर- कौशल किशोर
47. इस्लामपुर- रुहेल रंजन
48. हिलसा- कृष्ण मुरारी
49. नालंदा- श्रवण कुमार
50. हरनौत- हरिनारायण सिंह
51. मोकामा- अनंत सिंह
52. फुलवारी- श्याम रजक
53. मसौढ़ी- अरुण मांझी
54. संदेश- राधा चरण साह
55. जगदीशपुर- भगवान सिंह कुशवाहा
56. डुमरांव- राहुल सिंह
57. राजपुर -संतोष कुमार निराला

मंत्री विजय चौधरी के बेटे की जगह फिर उन्हें उतारा

सरायरंजन से विजय कुमार चौधरी के बेटे के चुनाव लड़ने की सूचना थी, लेकिन पार्टी ने फिर से मंत्री विजय चौधरी को ही उतारा है। मंत्री महेश्वर हजारी के टिकट कटने की चर्चा चल रही थी, लेकिन पार्टी ने फिर से भरोसा जताया है। कल्याणपुर से टिकट दिया है। पार्टी ने मंत्री श्रवण कुमार को नालंदा, मदन सहनी को बहादुरपुर, महेश्वर हजारी को कल्याणपुर और सुनील कुमार को भोरे, सोनबरसा से रत्नेश सदा को मैदान में उतारा है।

चार विधायकों का टिकट कटा

01. कुशेश्वर स्थान - अमन भूषण हजारी
02. सकरा (आ.जा.) - अशोक कुमार चौधरी
03. वारिस नगर - अशोक कुमार
04. बरबीघा - सुदर्शन

चार महिलाओं को टिकट

01. मधेपुरा - कविता शाह
02. गयाघाट - कोमल सिंह
03. समस्तीपुर - अश्वमेघ देवी
04.विभूतिपुर - रवीना कुशवाहा

तीन बाहुबलियों को मिला टिकट

01. मोकामा - अनंद सिंह
02. सारण - धुमल सिंहिं
03. गोपालगंज के कुचायकोट - अमरेन्द्र पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय

बीजेपी ने की 12 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी

लोक गायिका मैथिली ठाकुर को अलीनगर से टिकट

निज संवाददाता | पटना

बीजेपी ने बुधवार शाम बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी। इस सूची में 12 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया गया। इस लिस्ट में अलीपुर विधानसभा सीट से लोक गायिका मैथिली ठाकुर का नाम है। मैथिली के अलावा हायाघाट से रामचंद्र प्रसाद, मुजफ्फरपुर से रंजन कुमार, गोपालगंज से सुभाष सिंह, बनियापुर से केदारनाथ सिंह, छपरा से छोटी कुमारी, सोनपुर से विनय कुमार सिंह, रोसड़ से वीरेंद्र कुमार, बाढ़ से सियाराम सिंह, अगिआंव से महेश पासवान, शाहपुर से राकेश ओझा और बक्सर से पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा के नाम का ऐलान किया गया है।

» मैथिली ने हाल ही में बीजेपी के वरिष्ठ नेता और संगठन महासचिव विनोद तावड़े से मुलाकात की थी, जिसके बाद उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं। मुलाकात के बाद आजतक से बात करते हुए तब मैथिली ने कहा भी था कि बीजेपी नेताओं के साथ आधे घंटे तक बात हुई।

तेजस्वी ने राघोपुर सीट से किया नॉमिनेशन

राघोपुर (वैशाली) (नि.सं.)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव ने हाई प्रोफाइल सीट राघोपुर से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। राघोपुर से उनके सामने एनडीए के उम्मीदवार की अभी तक घोषणा नहीं हुई है। पिछली बार यानी 2020 में तेजस्वी यादव के सामने सतीश यादव थे। जिसे तेजस्वी यादव ने 2020 में चुनाव हार दिया था। उनके साथ लालू प्रसाद यादव राबड़ी देवी संजय यादव और मिसा भारती भी मौजूद हैं। बता दे की महागठबंधन या एनडीए की तरफ से संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राघोपुर सीट पर उम्मीदवार बारे में जानकारी नहीं दिया गया है। लेकिन राजद में अपने उम्मीदवारों को टिकट देकर मैदान में उतार दिया है।

डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने दाखिल किया नामांकन

- लगातार छठी बार मैदान में उतरे विजय सिन्हा, बीजेपी ने दिखाई ताकत – केंद्रीय मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक रहे साथ
- 2005 में पहली बार चुनाव जीते थे, अब तक लगातार तीन बार विधानसभा पहुंचे।

निज संवाददाता | लखीसराय

लखीसराय में बुधवार को डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने विधानसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान पूरा इलाका बीजेपी समर्थकों से पटा रहा। पार्टी ने भी अपनी पूरी ताकत झोंक दी — मंच पर मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम और केंद्रीय मंत्री तक मौजूद रहे। यह नजारा साफ बता रहा था कि पार्टी इस सीट को लेकर कितनी गंभीर है। विजय कुमार सिन्हा लखीसराय विधानसभा से लगातार जीतते आ रहे हैं। उन्होंने बुधवार को छठी बार अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी उनके साथ रहे।

नामांकन के बाद विजय सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा – जय जगद्धात्री मां बाला त्रिपुर सुंदरी, जय बाबा इन्द्रदमनेश्वर महादेव। लखीसराय की देवमयी जनता का हार्दिक अभिनंदन। आपके स्नेह, समर्थन और आशीर्वाद से लगातार छठी बार नामांकन कर रहा हूं। यह स्नेह मुझे निरंतर कर्तव्य और सेवा के पथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता है।

हैट्रिक की ओर बढ़ते विजय सिन्हा

विजय कुमार सिन्हा ने पहली बार 2005 के फरवरी चुनाव में राजद के फुलेना सिंह को 1,448 वोटों से हराकर विधानसभा में एंट्री की थी। उसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में हुए पुनः चुनाव में वह मात्र 80 वोटों से हार गए। हालांकि 2010 में उन्होंने फिर वापसी की और फुलेना सिंह को 59,620 वोटों से हराया। उसके बाद 2015 में जदयू के रामानंद मंडल को 6,556 वोटों से हराया। 2020 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अमरेश कुमार को परास्त कर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस बार वह 'हैट्रिक ऑफ विनिंग' को और मजबूत करने के इरादे से मैदान में हैं।

नीतीश सरकार के चार मंत्रियों को मिला जदयू का टिकट

पटना (नि.सं.)। शिवहर से हटाकर चेतन आनंद को इस सीट से जदयू ने दिया मौका जदयू ने आज 57 कैंडिडेट की लिस्ट जारी करने के बाद फिर कुछ कैंडिडेट को सिंबल दिया है। जिसमें सबसे नीतीश सरकार में 4 मंत्रियों को टिकट दिया गया है। इसके साथ राजद छोड़कर जदयू में शामिल हुए चेतन आनंद को भी पार्टी ने सिंबल दिया है। जिन चार मंत्रियों को जदयू का सिंबल दिया गया है, उनमें मंत्री जयंतराज को अमरपुर, जमाखान को चैनपुर, शिला मंडल को फुलपरास से टिकट दिया गया है। इसके अलावा 2020 में चकाई से निर्दलीय विधायक और पांच साल तक बिहार सरकार में मंत्री रहे सुमित सिंह को चकाई से पार्टी का टिकट दिया गया है। जदयू की पहली लिस्ट में चेतन आनंद को शिवहर से मौका नहीं दिया गया था। अब पार्टी ने उन्हें शिवहर से हटाकर औरंगबाद जिले के नबीनगर से टिकट दिया गया है। नबीनगर से खास बात यह है कि चेतन की मां भी यहां से चुनाव लड़ चुकी हैं।

75 प्रतिशत की सीमा होने के दावे को किया खारिज, ईपीएफओ से निकाल पाएंगे पूरा पैसा

- शादी, घर आदि के लिए अब हर एक साल के अंतराल पर पैसे निकाले जा सकते हैं; पहले यह सीमा 5-7 वर्ष थी।

एजेंसी | नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी अपनी भविष्य निधि से 100 प्रतिशत राशि निकाल पाएंगे और साथ ही उन दावों को खारिज किया, जिनमें निकासी पर 75 प्रतिशत की सीमा होने का दावा किया गया था। इस नियम के बारे में विस्तार से बताते हुए ईपीएफओ ने कहा कि नौकरी छोड़ने के तुरंत बाद कोई भी कर्मचारी 75 प्रतिशत राशि निकाल सकता है और एक साल बेरोजगार रहने के बाद पूरी राशि को निकाला जा सकता है।

ईपीएफओ ने आगे कहा कि कर्मचारी अब शादी और घर आदि के लिए एक-एक साल के अंतराल पर भविष्य निधि से पैसे निकाल सकेंगे। पहले यह सीमा 5-7 वर्ष की थी।

ईपीएफओ की ओर से कहा गया कि अभी तक 13 अलग-अलग कैटेगरी थीं और उनमें अनगिनत नियम थे, जिसके कारण लोगों के क्लेम रिजेक्ट होते हैं। अब इन सभी नियमों को आसान बनाकर एक यूनिफॉर्म प्रावधान बना दिया गया है, जिससे पैसे बिना किसी डॉक्यूमेंटेशन के आसानी से निकाले जा सकते हैं। सरकारी एजेंसी ने आगे कहा कि भविष्य निधि से बार-बार निकासी करने से सर्विस में ब्रेक आता था और बहुत सारे पेंशन के मामले इस वजह से रिजेक्ट हो जाते थे। ऐसे में फाइनल सेटलमेंट के समय पर कर्मचारी के लिए बहुत कम पैसा मिलता था। नए नियम यह सुनिश्चित करेंगे कि कर्मचारी की सर्विस नियमित बनी रहे और फाइनल पीएफ सेटमेंट के समय राशि अधिक रहे और कर्मचारी को कोई समस्या न आए। ईपीएफओ ने बताया कि नए नियमों के तहत शिक्षा या बेरोजगारी के लिए भी निकासी की सीमा को लचीला बनाया गया है और किसी विशेष स्थिति में बिना किसी सवाल या जवाब के साल में 2 बार निकासी के लिए पात्र पूरी राशि को निकाला जा सकता है।

चिराग की लोजपा-आर के 14 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 14 कैंडिडेट की लिस्ट जारी कर दी है। लोजपा-आर ने गोविंदगंज से राजू तिवारी, गरखा से सीमांत मृणाल, सिमरी बख्तियारपुर से संजय कुमार सिंह और ब्रह्मपुर से हुलास पांडेय को टिकट दिया है। लोजपा-आर एनडीए के तहत भाजपा, जदयू, आरएलएम और हम के साथ 29 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। अन्य उम्मीदवारों के नाम भी जल्द जारी होने की संभावना है।

चिराग पासवान की लोजपा-आर ने किसे कहां से टिकट दिया-गोविंदगंज-राजू तिवारी, सिमरी बख्तियारपुर-संजय कुमार सिंह, दरौली- विष्णु देव पासवान, गड़खा- सीमांत मृणाल, साहेबपुर कमाल- सुरेंद्र कुमार, बखरी-संजय कुमार, परबत्ता- बाबूलाल शौर्य, नाथनगर- मिथुन कुमार, पालीगंज-सुनील कुमार, ब्रह्मपुर- हुलास पांडे, डेहरी- राजीव रंजन सिंह, बलरामपुर-संगीता देवी, मखदुमपुर- रानी कुमारी, ओबरा- प्रकाश चंद्र।

मुख्यमंत्री आज से चुनाव प्रचार अभियान की करेंगे शुरुआत

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार से चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चुनाव प्रचार अभियान भी शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री गुरुवार को सरायरंजन और बहादुरपुर जाएंगे। जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी सरायरंजन और मदन सहनी बहादुरपुर से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। सीएम इस अवसर पर मौजूद रहेंगे। श्री झा ने अपने पोस्ट में लिखा है कि पूरा एनडीए हर लिहाज से एकजुट है। एनडीए का उद्देश्य है नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाना। बिहार के लोग भी एनडीए की डबल इंजन सरकार का फायदा देख रहे हैं और अब वे पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री बिहार की भी कमान संभाले हुए हैं और जदयू की भी कमान संभाले हुए हैं। सरकार और जदयू में हर निर्णय मुख्यमंत्री की अनुमति और सहमति के बाद ही होता है। हां, वे लोकतांत्रिक तरीके से निर्णय लेते हैं, सभी से चर्चा करते हैं, सभी का फीडबैक लेते हैं, उसके बाद ही अंतिम निर्णय लेते हैं। एनडीए को इतना प्रचंड बहुमत आने वाला है श्री झा ने कहा कि एनडीए का उद्देश्य बिहार के विकास की रफ्तार बनाए रखना है। मुख्यमंत्री ने एक करोड़ युवाओं को नौकरी या रोजगार देने का जो वादा किया है, उसे पूरा करना है। बिहार में जो कई महत्वपूर्ण सिक्स लेन हाइवे बन रहे हैं, विकास के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट पर काम हो रहे हैं, उन्हें समय से पूरा करना है। इस चुनाव में दीवार की लिखावट बिल्कुल स्पष्ट है। एनडीए को इतना प्रचंड बहुमत आने वाला है कि 2010 का रिकॉर्ड भी पीछे छूट जाएगा। विपक्ष को भी पता है कि इस बार लोगों का फीडबैक क्या है, महिलाओं और युवाओं का मूड कैसा है और रिजल्ट कैसा आने वाला है। इसलिए पूरा विपक्ष दहशत में है।

अमित शाह से मुलाकात के बाद उपेंद्र कुशवाहा की नाराजगी खत्म

निज संवाददाता | पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में बुधवार को मुलाकात के बाद रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा की नाराजगी दूर हो गई है। एनडीए में इच्छा अनुसार एक-दो सीटें न मिलने की वजह से मंगलवार देर शाम से शुरू हुई नाराजगी को दूर करने की कवायद देर रात से ही शुरू हो गई थी। सुबह गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय उन्हें लेकर दिल्ली गए, जहां उपेंद्र कुशवाहा ने गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोपहर करीब 12 बजे लगभग 45 मिनट तक चली इस बैठक के दौरान उपेंद्र ने अपने नाराजगी को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया, लेकिन संकेत मिल रहे हैं कि अब उनकी नाराजगी समाप्त हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, रालोमो को महुआ सीट के बजाय उनकी पसंद की कोई दूसरी सीट दी जाएगी। साथ ही उन्हें विधान परिषद की एक सीट भी मिलने की संभावना है। इससे पहले मीडिया से बात करते हुए उपेंद्र कुशवाहा ने कहा था कि एनडीए में कुछ मुद्दों पर विमर्श की आवश्यकता है, लेकिन बिहार में एनडीए की सरकार जरूर बनेगी। गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद उपेंद्र शाम 7.15 बजे पटना लौट आए।

डब्ल्यूएचओ की बैठक में भारत ने हर्बल दवाओं के नियमन में वैश्विक सहयोग की दोहराई प्रतिबद्धता

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत ने पारंपरिक और हर्बल दवाओं के नियमन (रेगुलेशन) में वैश्विक सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराई है। यह घोषणा इंडोनेशिया के जकार्ता में 14 से 16 अक्टूबर तक आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की "इंटरनेशनल रेगुलेटरी कोऑपरेशन फॉर हर्बल मेडिसिन्स" की 16वीं वार्षिक बैठक में की गई। इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व आयुष मंत्रालय के सलाहकार और उप महानिदेशक (कार्यवाहक) डॉ. रघु अरक्कल की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल ने किया। उन्होंने "हर्बल मेडिसिन्स की प्रभावशीलता और उपयोग" (वर्किंग ग्रुप-3) पर तैयार कार्यशाला रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें भारत के विकसित होते नियामक ढांचे और पारंपरिक चिकित्सा में साक्ष्य-आधारित नीतिगत पहलों पर प्रकाश डाला गया। बैठक के उद्घाटन सत्र में डॉ. अरक्कल ने भारत में हर्बल दवाओं की स्थिति पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने हाल के वर्षों में आयुष मंत्रालय द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों, नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की जानकारी साझा की।

द्रोपदी मुर्मु, मोदी और शाह ने डा. कलाम को जयंती पर की श्रद्धांजलि अर्पित

एजेंसी | नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम को एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और राष्ट्र को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डॉ. कलाम की कल्पना के अनुरूप मजबूत, आत्मनिर्भर और करुणामय भारत का निर्माण जारी रखेंगे। श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन।

अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

देशी-विदेशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार,दो बाइक जब्त

रजौली। बिहार झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र चितरकोली पर उत्पाद बलों ने देशी-विदेशी शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और दो बाइकों को भी जब्त किया गया।साथ ही एक विधि निरुद्ध बालक को निरुद्ध किया गया।उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि जांच चौकी एवं आसपास के क्षेत्र में उत्पाद बलों के सहयोग से शराब संबंधित गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है,जिसका नेतृत्व उत्पाद इंस्पेक्टर अमृत कुमार गुप्ता कर रहे हैं।बीते मंगलवार को गुप्त सूचना के आलोक में उत्पाद एसआई प्रवीण कुमार ने पैशन प्रो बाइक संख्या बीआर02टी6958 पर सवार रजौली के हनुमान नगर निवासी उमेश राजवंशी के पुत्र श्री कुमार को 36 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।वहीं दूसरी ओर अपाची बाइक संख्या बीआर01डीडी7280 पर सवार रहे दो लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया,दोनों युवक अपने-अपने कमर में 375 एमएल वाले एक-एक रॉयल स्टेज नामक शराब रखे हुए था।इनमें से गिरफ्तार एक युवक की पहचान नयकाडीह झिरझो गांव निवासी सोमर मांझी उर्फ विनोद भुइयां के पुत्र दुली भुइयां के रूप में हुई है।वहीं दूसरा युवक विधि निरुद्ध बालक है।उत्पाद एएसआई पंकज कुमार साव ने एक युवक को 375 एमएल के आइकॉनिक व्हिस्की और 500 एमएल वाले एक केन बियर के साथ नालंदा जिले के दीपनगर निवासी राजदेव प्रसाद के पुत्र बिक्की कुमार के रूप में हुई है।उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि जब्त शराब,बाइकों एवं गिरफ्तार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है एवं न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।वहीं दूसरी ओर विभिन्न वाहनों से शराब पीकर सफर करने वाले 23 लोगों को भी हिरासत में लिया गया है।सभी शराबियों ने बुधवार को न्यायालय में जुर्माना राशि जमा कर अपने-अपने घर चले गए।इस मौके पर उत्पाद एएसआई सुजीत कुमार व एएसआई मो. साबिर के अलावे गृहरक्षक के जवान मौजूद रहे।

ट्रेक्टर की चपेट में आने से बालिका की मौत

नारदीगंज(नवादा) थाना क्षेत्र के पसई टोला कल्याणपुर में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बालिका की मौत हो गई। मृतका की पहचान पसई टोला कल्याणपुर निवासी नंदन राजवंशी का चार वर्षीय पुत्री प्रिया कुमारी के रुप में की गई। घटना बुधवार की सुबह तकरीबन साढ़े सात की है। घटना की सूचना मिलते ही स्वजन व शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ पड़ी। काफी संख्या में लोग इकट्ठे हो गये, और घटना पर दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने में लगे रहे। इधर,सूचना पर थानाध्यक्ष राहुल अभिषेक, अपर थानाध्यक्ष आदित्य कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, और मामले की छानबीन करते हुए कानूनी प्रक्रिया के बाद शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया। ग्रामीण वृज राजवंशी, कुंदन राजवंशी,चंदन राजवंशी,सुबोध राजवंशी,मुकेश राजवंशी ने समेत अन्य लोगों ने कहा कि प्रिया कुमारी अपने घर के समीप खेल रही थी। उसी समय नदी से बालू लाने के लिए ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर जा रहा था। तभी वाहन की चपेट में प्रिया आ गई। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना होते काफी संख्या में लोग दौड़े, तब तक ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भाग गए। पीड़ित परिवार व ग्रामीणों ने आपदा प्रबंधन कोष से क्षतिपूर्ति की मांग विभागीय अधिकारियों से किया है। मृतका एक भाई और चार बहन में सबसे छोटी थी। उसके पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

जयंती पर याद किये गए पूर्व राष्ट्रपति कलाम

नारदीगंज(नवादा) पूर्व राष्ट्रपति डा.अब्दुल कलाम की जयंती श्रद्धापूर्वक पेंशनर भवन नारदीगंज में बुधवार को मनाई गई। अध्यक्षता पेंशनर समाज प्रखंड अध्यक्ष रामधनी प्रसाद ने की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पूर्व राष्ट्रपति डा.अब्दुल कलाम के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालें। मौके पर सचिव श्रीकांत सिंह,कामता प्रसाद सिंह, रामशरण सिंह,दशरथ प्रसाद,रघुनंदन प्रसाद, सियाशरण दास,रामाधीन सिंह समेत अन्य लोगों ने विचार व्यक्त किये।

लक्ष्मी पूजा को लेकर तैयारी शुरू

नारदीगंज (नवादा) दीपावली के अवसर पर मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना श्रद्धा व उत्साह के साथ करते हैं। आगामी 20 अक्टूबर 2025 को दिवाली है।नारदीगंज प्रखंड में 13 गांवों में धन की देवी मां लक्ष्मी व अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा स्थापित की जाती है। पूजा अर्चना के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजक मंडल के द्वारा की जाती है।नारदीगंज प्रखंड में ओड़ो गांव के अलावा कुझा,मसौढा, पेश डीह, ननौरा,नंदपुर टोला जगजीवन नगर,पंडपा, वलवापर, नंदपुर, पेश,हंडिया, पसई गांव व अन्य स्थान पर माता लक्ष्मी व अन्य देवी देवताओं की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। थानाध्यक्ष राहुल अभिषेक ने कहा मां लक्ष्मी जी की प्रतिमा स्थापित करने वाले सभी लाइसेंस धारियों को निर्देश दिया गया है कि शांति व भाईचारे तरीके से पूजा अर्चना व सांस्कृतिक कार्यक्रम करें। पर्व के दौरान शांति भंग करने वाले लोगों पर विधि सम्मत कार्रवाई भी की जाएगी। डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। विधि व्यवस्था के संधारण के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैदी के साथ डटे रहेंगे। इसके लिए दंडाधिकारी को भी प्रतिनियुक्त किया जाएगा।

पानी समझ तीन बच्चों ने पिया थीनर हालत गंभीर,नवादा रेफर

फोटोः-अस्पताल में इलाजरत युवक

रजौली। थाना क्षेत्र के घसियाडीह में बुधवार को एक घर के तीन बच्चों ने थीनर को पानी समझकर पी लिया।इसके बाद तीनों बच्चों की हालत गंभीर हो गई।परिजनों के सहयोग से तीनों बच्चों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल में ड्यूटी में रही चिकित्सक डॉ. निवेदिता नंदिनी ने बताई कि थीनर पिए बच्चों की पहचान घसियाडीह निवासी चंदन चौधरी के तीन वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार,चार वर्षीय पुत्री कृति कुमारी एवं आयशा कुमारी है।तीनों बच्चों का प्राथमिक इलाज किया गया,किंतु स्वास्थ्य में सुधार नहीं दिखाई दिया।इसलिए तीनों बच्चों को बेहतर इलाज हेतु नवादा सदर अस्पताल में रेफर किया गया है।वहीं अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने कहा कि परिजनों को बच्चों के प्रति काफी सजग रहने की जरूरत है।फिलहाल तीनों बच्चों का इलाज सदर अस्पताल नवादा में चल रहा है।

पुलिस बलों ने पांच अभियुक्तों को किया गिरफ्तार,भेजे गए जेल

थाना परिसर से जेल जाते गिरफ्तार लोग

रजौली। थाना क्षेत्र के हरदिया और सतगिर से पुलिस बलों ने चार वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि न्यायालय द्वारा निर्गत वारंट के आलोक में हरदिया निवासी गोविंद राजवंशी के पुत्र शंभू राजवंशी व विजय राजवंशी और शंभू राजवंशी के पुत्र पंकज कुमार एवं सतगिर गांव निवासी शिबू भुइयां के पुत्र मिठू भुइयां को पुलिस बलों के सहयोग से गिरफ्तार किया गया।वहीं थाना कांड संख्या 503/20 में ट्रक में भरे शराब की जब्ती को लेकर उत्पाद विभाग द्वारा केस दर्ज करवाया गया था।उक्त केस में फरार चल रहे एक अभियुक्त को भी पुलिस बलों द्वारा गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पंजाब के मोहाली निवासी जागेश सिंह के पुत्र ओमवीर सिंह के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी गिरफ्तार लोगों को बुधवार को अस्पताल में स्वास्थ्य जांच करवाकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

करिगांव स्थित टोल प्लाजा पर,परिजनों ने काटा बवाल, टोलकर्मी हुए फरार

स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से लोगों में आक्रोश, एनएचएआई के पीडी से की शिकायत

निज संवाददाता। रजौली

अस्पताल परिसर में इलाजरत घायल युवती व साथ में परिजन

थाना क्षेत्र में फोरलेन पर बने ओवर ब्रिज और करिगांव स्थित टोल प्लाजा के समीप स्ट्रीट लाइट नहीं जलने से अंधेरा पसरा हुआ रहता है।इस अंधेरे के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होते रहती है।सड़क दुर्घटनाओं में बाइक चालक और टोटो चालक से लेकर पशु तक गंभीर रूप से घायल हो जा रहे हैं।बीते मंगलवार की रात्रि नवादा से इलाज करवाकर वापस रजौली घर आ रहे एक बाइक पर सवार तीन लोग सामने से आ रही बाइक से टकरा गए।इस सड़क दुर्घटना में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।वही रॉन्ग साइड से बिना बाइक की हेडलाइट जलाए आ रहे दूसरे बाइक पर सवार एक पुरुष और महिला को हल्की फुल्की चोटें आई।

तीन घायलों में एक का हाथ टूटा :- सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों में महसई मोहल्ला निवासी मो. हाशिम,मो. हाशिम के पुत्र मो. अरमान और पुत्री सलीना प्रवीण शामिल है।दुर्घटना के बाद घायल परिजनों को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. श्यामनंदन प्रसाद ने घायलों का प्राथमिक इलाज किया।इलाज के क्रम में सलीना प्रवीण बार बार बेहोश हो जा रही थी।वहीं मो. हाशिम के बाएं हाथ की हथेली टूट गई थी,जिसे एक्सरे के लिए कहा गया और बाद में नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।घायल बाइक चालक मो. अरमान भी गंभीर रूप से चोटिल था।

पीड़ित परिजनों ने टोल प्लाजा पर काटा बवाल :- करिगांव स्थित टोल प्लाजा के समीप बंद पड़े स्ट्रीट लाइट के कारण हुई सड़क दुर्घटना के बाद पीड़ितों ने एनएचएआई द्वारा प्रदत एंबुलेंस सेवा की मांग की।किंतु मेडिकल पोस्ट के समीप कोई भी कर्मी मौजूद नहीं था।इसको लेकर परिजन आक्रोशित हो गए और जमकर बवाल काटा।आक्रोशित परिजनों को देखकर सभी टोलकर्मी इधर-उधर भाग खड़े हुए।

पीड़ितों ने एनएचएआई के पीडी से की शिकायत :- अस्पताल परिसर में मौजूद परिजनों ने फोरलेन पर स्ट्रीट लाइट के बंद रहने की और सड़क दुर्घटना के बाद कर्मियों की विस्तृत शिकायत एनएचएआई के पीडी सुभाष मीणा से दूरभाष पर की।वहीं एनएचएआई के पीडी द्वारा पीड़ित परिजनों को संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आश्वासन दिया गया।लोगों ने कहा कि यदि स्ट्रीट लाइट नियमित रूप से नहीं जलेगा,तो लोग बाध्य होकर आंदोलन करने को मजबूर हो जाएंगे।

घायलों के साथ मारपीट करने का किया प्रयास :- रॉन्ग साइड से रजौली की ओर से आ रहे बाइक संख्या बीआर27एच9105 पर सवार अदलबिगहा गांव निवासी लोगों ने अपने परिजनों को बुलाकर पीड़ित घायलों और उसके परिजनों के साथ भी उलझ गए।हालांकि पीड़ित परिजन अपने घायल लोगों को अस्पताल लेकर चले गए,अन्यथा दोनों पक्षों में सड़क दुर्घटना को लेकर भयंकर मारपीट हो जाती।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :- इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि सड़क दुर्घटना को लेकर पीड़ित परिजनों द्वारा लिखित आवेदन नहीं मिला है।आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों को विद्यालय में हाथ धुलाई की दी गई जानकारी संक्रमण से बचाव को लेकर किया गया जागरूक

बच्चों को हाथ धुलाती प्रधानाध्यापिका व शिक्षकगण

निज संवाददाता। रजौली

मुख्यालय स्थित मध्य विद्यालय रजौली में बुधवार को "अन्तर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका ममता रानी के नेतृत्व में सहायक शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बच्चों को हाथ धुलाई के महत्व के बारे में बताया।

प्रधानाध्यापिका ममता रानी ने कहा कि बच्चों समेत बड़ों को विभिन्न प्रकार के संक्रमण से बचने के लिए हाथ धुलाई अत्यंत आवश्यक है। साबुन से हाथ धोने से डायरिया, दस्त, पीलिया जैसे रोगों से बचा जा सकता है। वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर विद्यालय में बच्चों को उचित हाथ धुलाई की जानकारी दी गई, ताकि वे संक्रमण वाली बीमारियों से ग्रसित होने से बच सकें।इस अवसर पर छात्रों को हाथ धुलाई शपथ भी दिलाई गई। शपथ के दौरान छात्रों ने संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक जीवन में नियमित रूप से हाथ धोएंगे और अपने परिवार के सदस्यों को भी हाथ धुलाई के महत्व के बारे में बताएंगे।कार्यक्रम में सहायक शिक्षक शिक्षिकाओं में कविता झा, रजनी शर्मा, सुनील कुमार, शशांक कुमार, कुमारी कंचन माला एवं शिल्पी रानी मौजूद रहे। उन्होंने भी बच्चों को हाथ धुलाई के महत्व के बारे में बताया और उन्हें नियमित रूप से हाथ धोने के लिए प्रेरित किया।प्रधानाध्यापिका ममता रानी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करके हम बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि हाथ धुलाई एक सरल और प्रभावी तरीका है जिससे हम अपने आप को और अपने परिवार को संक्रमण वाली बीमारियों से बचा सकते हैं।

प्रखंड संसाधन केंद्र में शिक्षा सेवकों की बैठक आयोजित

बैठक में उपस्थित शिक्षा सेवक

निज संवाददाता। नरहट (नवादा)

प्रखंड संसाधन केंद्र में आज प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी निशांत प्रियदर्शी की अध्यक्षता में शिक्षा सेवकों की एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कुल 18 शिक्षा सेवक उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य बुनियादी शिक्षा को सशक्त बनाना और अनामांकित तथा कमजोर बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना था। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक शिक्षा सेवक सप्ताह में तीन दिन, दोपहर दो बजे से चार बजे तक विद्यालयों के अंतर्गत आने वाले कक्षा 1-5 तक के कमजोर बच्चों और अनामांकित बच्चों को उनके ही मोहल्ले में एक स्थान पर पढ़ाएंगे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि यदि मोहल्ला क्लास में आने वाले अनामांकित बच्चों के पास बैग, किताब, कॉपी या पेंसिल जैसी आवश्यक शैक्षणिक सामग्रियाँ नहीं हैं, तो उनकी आपूर्ति प्रखंड संसाधन केंद्र द्वारा की जाएगी। इस बैठक में पिरामल फाउंडेशन से गांधी फैलो समीक्षा पाठक, प्रोग्राम लीडर राहत हुसैन, मास्टर ट्रेनर् ताबिश एजाज और कंप्यूटर टीचर रामानंद भी उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और सभी बच्चों को बुनियादी साक्षरता और गणन कौशल प्राप्त हो सके।

करमाटांड़, झरनवां एवं रानीगदर गांव के लोगों को मतदान करना एवरेस्ट फतह से कम नहीं होगा

निज संवाददाता। नवादा

- 6-12 किलोमीटर जंगल और पहाड़ के रास्ते चलकर देना पड़ेगा तीन गांव के मतदाताओं को वोट
- बावजूद लोगों में है मतदान के प्रति जोश

कौआकोल। कहा जाता है कि भारत गांवों का देश है। भारत की आत्मा गांवों में बसती है। परंतु आजादी के दशकों बाद भी बिहार के कई गांव की हालत आज भी नहीं बदली है। ऐसा ही कुछ हाल नवादा जिला अंतर्गत गोविंदपुर विधानसभा के नक्सल प्रभावित कौआकोल प्रखण्ड के बूथ नम्बर-404 के मतदाताओं की है। यहां के लोगों को वोट डालने के लिए पहले 40-45 किलोमीटर दूर पचम्बा गांव जाकर वोट डालना पड़ता था। यही कारण उपेक्षा से नाराज ग्रामीण वोट बहिष्कार कर देते थे। परंतु बाद में प्रशासन के सूझबूझ से किसी तरह वोटिंग कार्य सम्पन्न होते थे। यूँ कहें तो वोट देने के नाम पर खानापूर्ति कर दी जाती थी। परंतु जिला निर्वाची पदाधिकारी सह नवादा डीएम रवि प्रकाश ने इस बूथ के मतदाताओं की समस्याओं को संज्ञान में लेकर बूथ का निरीक्षण किया एवं मतदान केंद्र गांव में ही बनने का आश्वासन दिया। अंततः डीएम के प्रयास के बाद प्राथमिक विद्यालय रानीगदर दनियाँ में ही मतदान केंद्र बनाया गया है। रानीगदर दनियाँ में मतदान केंद्र बन जाने से दनियाँ गांव के लोगों की परेशानी का तो समाधान हो गया,परन्तु इसी बूथ पर तीन अन्य गांव के भी मतदाताओं का वोट है। बता दें कि बूथ नम्बर 404 प्रखण्ड के अत्यंत ही संवेदनशील मतदान केंद्र है। जहां 346 पुरुष एवं 328 महिला समेत 674 मतदाता हैं। इस मतदान केंद्र पर दनियाँ समेत रानीगदर, झरनवां एवं करमाटांड़ के भी मतदाता हैं। जहां के लोगों के लिए वोट करना किसी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि जब वोट डालने को ये लोग निकलते हैं,तो उनके सामने जंगल और पहाड़ी इलाका होता है। मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए पैदल चलना अथवा बाइक से कच्ची पगडंडियों से होकर पहुंचना ही एक मात्र विकल्प है। स्थानीय ग्रामीण व करमाटांड़ गांव निवासी गोरेलाल राय,तुलसी राय,बिंदेश्वरी राय आदि ने बताया कि करीब 12 से 13 किलोमीटर की दूरी पर करमाटांड़ से दनियाँ गांव हैं। जहां इनका मतदान केंद्र बनाया गया है। ऐसे में इस गांव के लोग पैदल ही वोट देने को निकल पड़ते हैं। बुजुर्गों का मतदान केंद्र पर पहुंचना संभव ही नहीं है। वोट देकर लौटने में सुबह से शाम हो जाती है,खाने के लिए सत्तू और मकई का भुजा बांधकर निकलना पड़ता है। वहीं इसी बूथ पर मतदान करने झरनवां गांव के लोगों को जाना है। यहां के निवासी हेमचन्द राय,गोविंद राय आदि बताते हैं कि उनके गांव से मतदान केंद्र की दूरी लगभग 10 किलोमीटर है। जबकि रानीगदर गांव निवासी कृष्ण भुला,राजो भुला आदि बताते हैं कि उनके गांव के लोगों को लगभग 6 किलोमीटर दूर जाकर मतदान करना पड़ेगा। बता दें कि बूथ नम्बर 404 के अंतर्गत 674 मतदाताओं में करमाटांड़, झरनवां एवं रानीगदर इन तीनों गांवों के लगभग 450 से अधिक मतदाता हैं। इन गांवों के लोगों में मतदान करने के प्रति काफी जोश भरा हुआ है। इन इलाके के ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों बाद वे लोग निष्पक्ष मतदान में हिस्सा लेंगे।

प्रत्याशियों को विज्ञापन प्रकाशन करने के पूर्व लेनी होगी अनुमति

एम.सी.एम.सी. समिति की बैठक आयोजित, राजनीतिक विज्ञापनों के पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य-डीएम

निज संवाददाता। नवादा

नवादा बिहार विधान सभा आम निर्वाचन, 2025 के सफल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन हेतु गठित जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणीकरण एवं पर्यवेक्षण समिति (MCMC) की बैठक आज दिनांक 15 अक्टूबर 2025 को जिला पदाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश ने की। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने एम.सी.एम.सी. कोषांग के सुचारू संचालन, कार्यप्रणाली एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मीडिया की भूमिका अत्यंत संवेदनशील और प्रभावशाली होती है, इसलिए समिति द्वारा प्रकाशित या प्रसारित किसी भी प्रचार सामग्री, विज्ञापन अथवा समाचार की तथ्यात्मक सत्यता एवं आदर्श आचार संहिता के अनुरूपता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, राजनीतिक विज्ञापनों का पूर्व प्रमाणीकरण (Pre-Certification) एम.सी.एम.सी. का एक प्रमुख दायित्व है। किसी भी राजनीतिक दल, उम्मीदवार अथवा संगठन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म आदि) पर प्रसारित किए जाने वाले विज्ञापनों का पूर्व अनुमोदन अनिवार्य है। बिना पूर्व अनुमति कोई भी राजनीतिक विज्ञापन, नारा, वीडियो या संदेश प्रकाशित अथवा प्रसारित नहीं किया जा सकता।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मतदान के दिन एवं उसके एक दिन पूर्व प्रिंट मीडिया (समाचार पत्रों) में प्रकाशित किए जाने वाले राजनीतिक विज्ञापनों का भी पूर्व प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। इसके लिए संबंधित उम्मीदवारों/दलों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र A भरकर, विज्ञापन की प्रति (स्क्रिप्ट/वीडियो/पोस्टर आदि) सहित एम.सी.एम.सी. को प्रस्तुत करना होगा। समिति द्वारा समीक्षा के उपरांत अनुमति/अस्वीकृति की लिखित सूचना दी जाएगी। इसी प्रकार, समिति का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य "पेड न्यूज" की पहचान करना है। एम.सी.एम.सी. स्थानीय एवं राज्य स्तरीय मीडिया में प्रकाशित समाचारों की गहन समीक्षा कर यह सुनिश्चित करती है कि कोई समाचार विज्ञापन स्वरूप में तो प्रसारित नहीं किया गया है। ऐसे मामलों को आयोग द्वारा "पेड न्यूज" के रूप में दर्ज कर संबंधित उम्मीदवार के निर्वाचन व्यय में जोड़ा जाता है। उन्होंने आगे बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित सोशल मीडिया दिशा-निर्देशों के तहत सभी उम्मीदवारों एवं राजनीतिक दलों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी नामांकन के समय प्रस्तुत करनी होती है। एम.सी.एम.सी. का दायित्व है कि वह Facebook, X (Twitter), Instagram, YouTube आदि प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित सामग्री की सतत निगरानी करे ताकि कोई भ्रामक सूचना, घृणा फैलाने वाला कंटेंट या फर्जी प्रचार न हो। समिति को सोशल मीडिया कंपनियों के साथ आयोग द्वारा निर्धारित "Voluntary Code of Ethics" के अनुरूप समन्वय बनाए रखना होगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि एम.सी.एम.सी. द्वारा नियमित मीडिया मॉनिटरिंग एवं दैनिक रिपोर्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। समिति प्रतिदिन समाचार पत्रों, टीवी चैनलों एवं ऑनलाइन पोर्टलों की समीक्षा कर रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसमें मीडिया कवरेज की निष्पक्षता, संतुलन एवं आचार संहिता के अनुपालन का विवरण शामिल रहेगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित सूचना तत्काल जिला निर्वाचन पदाधिकारी एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, बिहार को भेजी जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि आयोग के निर्देशानुसार मीडिया सुविधा एवं समन्वय (Media Facilitation and Coordination) भी एम.सी.एम.सी. की प्रमुख जिम्मेदारी है। समिति यह सुनिश्चित करेगी कि अधिकृत मीडिया कर्मियों को आवश्यक सूचना, प्रेस पास, प्रेस बुलेटिन एवं आधिकारिक अपडेट समय पर उपलब्ध कराए जाएँ। मीडिया से साझा की जाने वाली जानकारी केवल अधिकृत स्रोतों से दी जानी चाहिए ताकि किसी भी अपुष्ट या भ्रामक सूचना से बचा जा सके।

बैठक में समिति के सदस्यगण एवं नोडल पदाधिकारी (मीडिया एवं एम.सी.एम.सी. कोषांग) उपस्थित रहे। बैठक में पूर्व प्रमाणीकरण हेतु आवेदन प्रपत्र, प्रक्रिया एवं अनुमोदन प्रणाली की भी विस्तृत जानकारी दी गई।

पांच खाद्य प्रतिष्ठानों में छापामारी कर लिया नमूना

नवादा। दीपावली पर्व के पूर्व नवादा नगर के पांच खाद्य प्रतिष्ठानों में छापेमारी की गई और नमूना संग्रह किया गया। खाद्य संरक्षा अधिकारी सह अभिहित अधिकारी मुकेश कश्यप ने छापेमारी कर खाद्य सामग्रियों का निरीक्षण किया । उन्होंने बताया कि सिविल कोर्ट के पीछे स्थित गोवर्द्धन डेयरी, पीएनबी के पीछे स्थित डब्लू होटल सह डेयरी, प्रसादबिगहा स्थित मनपसंद होटल, पुरानी पुल के समीप स्थित स्वीट पैलेस तथा भगत सिंह चौक स्थित पूजा स्वीट्स में छापेमारी की गयी और दूध, पनीर, छेना और खोवा का नमूना लिया गया। खाद्य संरक्षा अधिकारी सह अभिहित अधिकारी ने बताया कि कुल 14 संदिग्ध नमूना संग्रहित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है, जबकि जांच व नमूना संग्रह के साथ ही सभी प्रतिष्ठान संचालकों को एफएसएसआर 2011 के अनुसार साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया। नमूना जांच की रिपोर्ट और कार्रवाई हर बार होती है:- पर्व-त्योहार के पूर्व छापेमारी और नमूना संग्रह के बाद कार्रवाई हर बार अज्ञात ही रह जाती है। अनेक लोगों ने ऐसी कार्रवाई को बस औपचारिकता करार दिया। शहर के अनेक लोगों ने बताया कि जांच और छापेमारी समझ से परे है। जब कोई दंडात्मक कार्रवाई होती ही नहीं तो फिर छापामारी क्यों? नमूना जांच के बाद पकड़ी गयी गड़बड़ी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कभी की भी जाती है? मोटी रकम लेकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर डीटीओ ने किया निजी विद्यालय संचालकों के साथ बैठक

नवादा। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के सफल संचालन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी, नवादा श्री नवीन कुमार पांडेय द्वारा जिले के विभिन्न निजी विद्यालयों के संचालकों के साथ एक बैठक आहुत की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन कार्य के लिए विद्यालयों के वाहनों की उपलब्धता, स्थिति एवं उपयोगिता की समीक्षा करना था। इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने सभी विद्यालय संचालकों को निर्देशित किया कि उनके अधीन सभी वाहन पूर्णतः परिचालन योग्य, सुरक्षित एवं आवश्यक दस्तावेजों से युक्त हों। विद्यालय संचालकों को यह भी बताया गया कि निर्वाचन कार्य में सहयोग करना प्रत्येक संस्था का नागरिक कर्तव्य है। उन्हें विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान वाहनों का उपयोग किस प्रकार किया जाएगा एवं इसके लिए किन-किन औपचारिकताओं का पालन आवश्यक है। सभी विद्यालयों को निर्देश दिया गया कि वे अपने विद्यालय के वाहनों की सूची विहित प्रपत्र में उपलब्ध कराएँ, जिसमें चालक का विवरण, बैंक खाता संख्या (मुआवजा भुगतान हेतु) तथा अन्य आवश्यक सूचनाएँ सम्मिलित हों। डी०टी०ओ० ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन विद्यालयों के वाहन निर्वाचन कार्य में लगाए जाएंगे, उन्हें निर्धारित समय पर वाहन समर्पण एवं रिपोर्टिंग सुनिश्चित करनी होगी। बताया गया कि इस बार जिले में पाँच डिस्पैच सेंटर चिन्हित किए गए हैं, तथा विद्यालयों को उनके निकटतम डिस्पैच सेंटर से संबद्ध किया जाएगा। बैठक के दौरान विद्यालय संचालकों से उनके पास उपलब्ध वाहनों की संख्या, स्थिति एवं निर्वाचन कार्य में उपलब्ध कराए जाने योग्य वाहनों की जानकारी भी ली गई। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा संधारित स्कूली वाहनों की सूची सभी विद्यालयों को उपलब्ध कराते हुए उसे अद्यतन करने एवं पूर्ण विवरणी शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, ताकि निर्वाचन कार्य के उपरांत मुआवजा भुगतान में कोई विलंब न हो। बैठक में अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक एवं डिस्पैच सेंटर हेतु नामित नोडल पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छठ पर्व से पहले तालाब और घाट की सफाई शुरू

वजीरगंज। छठ पर्व की तैयारियों के तहत प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थित तालाब और छठ घाट की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस कार्य में अमर ज्योति नवयुवक संघ और डाकबंगला श्री छठ पूजा समिति के सदस्य एवं स्वच्छताकर्मी जुटे हुए हैं। समिति अध्यक्ष राजु कुमार और सदस्य विजय कुमार ने बताया कि समिति के आग्रह पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर सिंह के सहयोग से तालाब का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। इसके तहत उत्तर साईड में सीढ़ी का नवनिर्माण, पेवर ब्लॉक के साथ तालाब का सौंदर्यीकरण और परिसर की सफाई का कार्य किया जा रहा है। तालाब को सुखाकर कीचड़ और कचरा हटाया जा रहा है और उसमें स्वच्छ जल भरा जा रहा है। साथ ही छठ पूजा के दौरान प्रतिमा स्थापना और अन्य आवश्यक तैयारियों में समिति के सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आशा जताई जा रही है कि दीपावली तक सभी महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो जाएंगे और छठ घाट व्रतियों के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा।

पत्रकार के मां की श्रद्धांजलि में जरुरतमंदो के बीच किया गया कंबल वितरण

गुरुआ। गुरुआ प्रखंड के हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार अमित कुमार के माता सुगिया देवी के निधन के बाद उनके पैतृक आवास गुरारु के गेंद बिगहा गांव में शोकसभा का आयोजन किया गया इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प चढ़ाकर नमन किया। शोकसभा को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री रामेश्वर प्रसाद यादव एवं बसपा के जिला प्रभारी राघवेंद्र नारायण यादव ने बताया कि पत्रकार अमित कुमार के माता सुगिया देवी सुदूर गांव में रहकर अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा देकर समाजिक कार्यो से जुड़े हुए रहने के लिए प्रेरित करने का काम करते रहती थी इसलिए आज हमलोग को वैसे क्रांतिकारी महिला के संघर्षभरी जीवनी से प्रेरणा लेने की जरुरत है। जिला पार्षद बालेश्वर प्रसाद यादव ने भी माता सुगिया के संघर्षभरी जीवनी पर विस्तार से चर्चा किया। कार्यक्रम का अध्यक्षता पत्रकार अमित कुमार और संचालन राजद के वरिष्ठ नेता ललित यादव ने किया। शोकसभा को जिला पार्षद बालेश्वर प्रसाद यादव, किसान नेता जयनंदन शर्मा, शेरघाटी के समाजसेवी आबिद इमान, बसपा नेता मदन दास, उमेश पासवान, पत्रकार डीके यादव, दारा सिंह, साधु यादव, छात्रा रिंकी राज समेत कई लोगों ने संबोधित किया।

छठ घाट पर सफाई के दौरान डूबने से 14 वर्षीय किशोरी की मौत

गयाजी। जिले के आमस थाना क्षेत्र के पतेज गांव में बुधवार को एक 14 वर्षीय लड़की की छठ घाट पर डूबने से मौत हो गई। घटना रामपुर पंचायत के अंतर्गत हुई। मृतक किशोरी की पहचान सुप्रिया कुमारी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुप्रिया अपनी फुआ सुरभि कुमारी के साथ दीपावली के अवसर पर घर की सफाई से संबंधित कपड़े धोने छठ घाट गई थी। कपड़े धोते समय स्नान करने के दौरान सुप्रिया गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयास में सुरभि भी पानी में उतर गई। घटना की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने दोनों को पानी से बाहर निकाला। उन्हें तत्काल मदनपुर के एक निजी क्लीनिक ले जाया गया। डॉक्टरों ने सुप्रिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं सुरभि को भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। सुप्रिया के पिता सुबोध कुमार भूटान में कार्यरत हैं, जबकि उनकी मां दिल्ली में नर्सिंग का काम करती हैं। सुप्रिया अपने दादा-दादी और चाचा-चाची के साथ रहती थी। घटना की जानकारी मिलते ही आमस पुलिस के अफसर प्रवीण सक्सेना मौके पर पहुंचे और आवश्यक कागजी कार्रवाई शुरू की। हालांकि, परिजनों ने सुप्रिया का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया।

दीपावली और छठ के मद्देनजर नगर निगम में प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा

निज संवाददाता। गयाजी

नगर निगम कार्यालय में बुधवार को नगर आयुक्त कुमार अनुराग की अध्यक्षता में प्रकाश व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दीपावली और छठ महापर्व को ध्यान में रखते हुए शहर के विभिन्न इलाकों में स्ट्रीट लाइट और न्यू रोप लाइट की स्थिति का विस्तार से जायजा लिया गया। बैठक में आम नागरिकों से मिल रही शिकायतों और प्रकाश व्यवस्था में आई खामियों पर चर्चा की गई। नगर आयुक्त ने कहा कि कई इलाकों में दस दिनों से अधिक समय से स्ट्रीट लाइट और न्यू रोप लाइट बंद होने की शिकायतें मिली हैं, जबकि जिम्मेदार संवेदक और जेई समय पर मेंटेनेंस कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं।

नगर आयुक्त ने बताया कि अब स्वच्छ गया ऐप के माध्यम से नागरिक किसी भी लाइट से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत में लाइट का फोटो और जियो टैग्ड फोटो अपलोड करना अनिवार्य है। संवेदक को निर्देश है कि 24 से 48 घंटे के अंदर मरम्मत कार्य पूरा किया जाए, अन्यथा पेनाल्टी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। निगम में भी टीम तैनात की गई है, जो ऐप के माध्यम से दर्ज शिकायतों का निरंतर मॉनिटरिंग कर रही है। बैठक में माह सितंबर और अक्टूबर की समीक्षा की गई।

इसमें पाया गया कि 141 स्ट्रीट लाइट की शिकायतें दस दिनों से लंबित थीं, जिसके लिए संबंधित संवेदक पर 42,300 रुपये की पेनाल्टी लगाई गई। इसके अलावा, 93 न्यू रोप लाइट की लंबित शिकायतों पर 23,250 रुपये की पेनाल्टी तय की गई। कुल पेनाल्टी की राशि 65,550 रुपये है। नगर आयुक्त ने संवेदक को निर्देश दिए कि दो दिनों के भीतर लंबित लाइटों की मरम्मत कर दी जाए और भविष्य में समय पर कार्य किया जाए। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि दीपावली और छठ महापर्व के मद्देनजर शहर के सभी हिस्सों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में सहायक अभियंता गौरव सिन्हा, कनिष्ठ अभियंता और संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

गुरुआ विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. उपेंद्र प्रसाद को मिली बधाई, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

निज संवाददाता। शेरघाटी

गुरुआ विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. उपेंद्र प्रसाद को उम्मीदवार घोषित किए जाने की खबर से क्षेत्रभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल है। बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं और समाजसेवियों ने उन्हें अग्रिम बधाई दी और आगामी विधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीत की उम्मीद जताई। इस मौके पर बधाई देने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष (पश्चिमी) प्रेम प्रकाश उर्फ़ चिंटू सिंह, राकेश कुमार सिंह उर्फ़ पिंकू सिंह, जिला प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी विनय प्रसाद, संतोष गुप्ता, भाजपा नगर अध्यक्ष राधेश्याम सिंह, उपाध्यक्ष दीनानाथ पांडेय, वार्ड पार्षद प्रभात कुमार अशोक सिंह, अरुण चंद्रवंशी, मुरारी सिन्हा, संजय सिंह, शुभांशु सिंह और रवि सिंह सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए।

कार्यकर्ताओं ने साझा बयान में कहा कि डॉ. उपेंद्र प्रसाद एक कर्मठ, अनुभवी, दूरदर्शी और जुझारू नेता हैं। उनका नेतृत्व गुरुआ विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि डॉ. उपेंद्र प्रसाद की निष्ठा, समर्पण और जनता से जुड़ाव उन्हें क्षेत्रवासियों के बीच लोकप्रिय बनाता है और यही कारण है कि आगामी चुनाव में उनकी जीत सुनिश्चित मानी जा रही है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि डॉ. उपेंद्र प्रसाद क्षेत्र की जनता की समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि डॉ. उपेंद्र के नेतृत्व में गुरुआ विधानसभा शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और विकास के सभी क्षेत्र में आगे बढ़ेगी। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सभी लोगों से अपील की कि वे आगामी चुनाव में डॉ. उपेंद्र प्रसाद के पक्ष में एकजुट होकर मतदान करें और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह केवल पार्टी का ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का विकास सुनिश्चित करने वाला चुनाव है।

फतेहपुर प्रखंड के विरहोर टोला प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की अनुपस्थिति पर सवाल

निज संवाददाता। गयाजी

फतेहपुर प्रखंड के विरहोर टोला स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को दोपहर दो बजे स्कूल बंद पाया गया, जबकि सभी शिक्षक अनुपस्थित थे। इस मामले ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्कूल बंद होने की जानकारी मिलने पर प्रभारी ओम प्रकाश से संपर्क किया गया। उन्होंने बताया कि वह प्रखंड संसाधन केंद्र फतेहपुर गए थे ताकि अनुपस्थिति रिपोर्ट जमा कर सकें। अन्य शिक्षक प्रशिक्षण के लिए गया गए थे। इस कारण स्कूल समय से पहले बंद कर दिया गया।

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) डीके राय ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय विरहोर में तीन शिक्षकों की नियुक्ति है। किसी भी प्रभारी शिक्षक को स्कूल बंद करने का निर्देश नहीं दिया गया था। बीईओ ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी और लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा विभाग ने सभी शिक्षकों को ई-शिक्षा कोष ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश दिया है। नियम के अनुसार, दोपहर 4 बजे पठन-पाठन समाप्त होने के बाद ही शिक्षकों को हाजिरी दर्ज करनी होती है। ऐसे में दोपहर 2 बजे स्कूल बंद होने की घटना के चलते उपस्थिति में संभावित गड़बड़ी पर भी संदेह जताया गया है। शिक्षा विभाग ने इस मामले की गंभीरता से जांच करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

एमयू भौतिकी विभाग में कलाम की जयंती पर आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

निज संवाददाता। बोधगया

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर भौतिकी विभाग द्वारा आईक्यूएसी के तत्वावधान में भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रख्यात मिसाइल वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साउथ बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रोहित रंजन शाही मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। भौतिकी विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार वर्मा ने आमंत्रित वक्ता डॉ. शाही का अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में प्रो. वर्मा ने डॉ. कलाम के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके वैज्ञानिक नेतृत्व में मिसाइल और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित किया।

मुख्य वक्ता डॉ. रोहित रंजन शाही ने अपने व्याख्यान में छात्रों को डॉ. कलाम के जीवन से धैर्य और समर्पण जैसे गुण अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, "डॉ. कलाम की जीवन यात्रा हमें सिखाती है कि संसाधनों की कमी के बावजूद दृढ़ इच्छाशक्ति से हम अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।" डॉ. शाही ने "हाइ एंट्रोपी एलॉयजः एफिशिएंट एडवांस्ड मेटेरियल फॉर हाइड्रोजन प्रोडक्शन एंड स्टोरेज एप्लीकेशंस" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने हाइड्रोजन के सुरक्षित उत्पादन और भंडारण के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि यह तकनीक ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसर खोल रही है और हाइड्रोजन चालित वाहनों व हरित तकनीकों के भविष्य को गति दे रही है।

डॉ. शाही ने यह भी उल्लेख किया कि 2006 में डॉ. कलाम ने अपने उद्बोधन में हाइड्रोजन ऊर्जा को भविष्य का वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत बताया था। उन्होंने पद्मश्री प्रो. ओ. एन. श्रीवास्तव (बीएचयू) के भारत में हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में योगदान को भी याद किया, जिनके मार्गदर्शन में डॉ. शाही ने अपनी शोध पूरी की। मंच संचालन भौतिकी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. श्रद्धा प्रसाद ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. विश्वतोष मिश्र ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अंकुरवा सिंहा, डॉ. तन्मय लाहिड़ी, डॉ. शिल्पी बनर्जी, डॉ. माधव कुमार सिंह, डॉ. विमल कुमार तिवारी, डॉ. प्रीति, विभाग के छात्र-छात्राएं और गैर-शैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। गैर-शैक्षणिक कर्मियों ने आयोजन में सराहनीय योगदान दिया।

गुरूआ विधानसभा से राजद ने फिर दिया विनय कुमार यादव को टिकट, कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

निज संवाददाता। गयाजी

गुरूआ विधानसभा सीट से राजद ने मौजूदा विधायक विनय कुमार यादव को एक बार फिर से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। टिकट मिलने के बाद बुधवार को विनय यादव गया पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने फूल-मालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। शहर और कॉलोनियों में जगह-जगह समर्थकों ने नारेबाजी कर उत्साह का माहौल बनाया। लोग नारे लगा रहे थे, "लालू-तेजस्वी जिंदाबाद, विनय यादव फिर एक बार!" गयाजी मगध कालोनी स्थित अपने आवास पहुंचने पर घर की महिलाओं ने देहरी पर आरती उतारकर उनका स्वागत किया और घर में प्रवेश कराया। इस अवसर पर विनय यादव ने कहा कि लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव ने फिर से उन पर भरोसा जताया है और वे इस विश्वास पर खरा उतरने की भरपूर कोशिश करेंगे।

शिक्षा और रोजगार में किए गए कामों का जिक्रः विनय यादव ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में गुरूआ की जनता के बीच रहकर उन्होंने सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में कई काम किए हैं। उन्होंने कहा कि ये प्रयास जनता की नजरों में हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर जनता उन्हें दोबारा मौका देती है, तो वे अधूरे कार्यों को पूरा करके विकास को नई गति देंगे। विनय यादव ने यह भी बताया कि वे 16 अक्टूबर को टिकारी अनुमंडल कार्यालय में अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। नामांकन के बाद एक जनसभा भी आयोजित की जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आम जनता की मौजूदगी की उम्मीद है। गौरतलब है कि राजद ने इस बार कई मौजूदा विधायकों पर भरोसा जताया है और विनय यादव का नाम भी इसमें शामिल है। पार्टी को उम्मीद है कि गुरूआ विधानसभा में पिछली बार की तरह इस बार भी 'लालटेन' अपनी रोशनी बिखेरेगी और राजद को जीत दिलाएगी।

गया में 684 किलो गांजा जब्त, 3 गिरफ्तार

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के मद्देनजर गया जिले में सघन जांच अभियान जारी है। इसी क्रम में बिहार और उत्तर प्रदेश एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में लगभग 684 किलोग्राम चरस गांजा जब्त किया गया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई बाराचट्टी थाना क्षेत्र के पास आज सुबह की गई। पुलिस ने ट्रक से यह मादक पदार्थ बरामद किया। इसके अलावा, गांजा तस्करी में लाइनर के तौर पर इस्तेमाल हो रही एक होंडा क्रेटा कार को भी जब्त किया गया। एनसीबी पटना के अधिकारियों ने बताया कि जब्त गांजे की अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 42 लाख रुपए है।

बाराचट्टी अंचलाधिकारी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में वाहनों की वीडियोग्राफी और गहन जांच लगातार की जा रही है। पकड़े गए मादक पदार्थ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी शशांक शुभंकर के निर्देश पर गया के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों में निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए विशेष सघन अभियान चलाया जा रहा है। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और मुख्य सड़कों पर वाहनों की तलाशी ली जा रही है। इस दौरान अवैध शराब, नकदी और हथियारों की आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चुनाव आयोग के निर्देश पर गया में उड़न दस्ता टीमों का गठन किया गया है, जो संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनावी माहौल में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

गया में मतदाता जागरूकताः हस्ताक्षर अभियान से बढ़ाया जाएगा मतदान प्रतिशत

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के मद्देनजर गया में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाना और हर मतदाता को अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर मगध प्रमंडल की आयुक्त सफ़ीना ए.एन. और जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने स्वयं हस्ताक्षर कर अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और आम नागरिकों से इस मुहिम में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

हस्ताक्षर अभियान के तहत युवाओं, महिलाओं, पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं और आम जनता को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया जा रहा है। आयुक्त और जिलाधिकारी ने कहा कि "हर एक मत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की सक्रिय भागीदारी से ही संभव है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि जिले का हर पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।" "गया वोट अवश्य करेगा" के संकल्प के साथ, इस अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक मतदाता को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस पहल के जरिए प्रशासन और नागरिक समाज मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि 11 नवंबर 2025 को गया में अधिकतम मतदान प्रतिशत दर्ज हो और लोकतंत्र मजबूत बने।

गयाजी में वोटिंग उत्साह बढ़ाने का प्रयास रंगोली और मेहंदी प्रतियोगिता से जागरूकता

निज संवाददाता। गयाजी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा के साथ ही गयाजी में मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप अभियान) में तेजी आ गई है। इसी क्रम में हरिदास सेमिनरी स्कूल में स्वीप अभियान का लोगो अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मगध प्रमंडल की आयुक्त सफीना ए.एन., जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशांक शुभंकर, उप विकास आयुक्त नवीन कुमार, सहायक समाहर्ता सूरज कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया कि जिले के हर प्रखंड, पंचायत और गांव तक मतदाताओं को मतदान के महत्व और लोकतंत्र में भागीदारी के प्रति जागरूक करने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वे 11 नवंबर को अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इसका मुख्य उद्देश्य गया जिले में मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और बच्चों तथा युवाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर "पहले मतदान, फिर जलपान", "वोट है हमारा अधिकार" और "100 प्रतिशत मतदान हमारा लक्ष्य" जैसे नारे लगाकर लोगों को मतदान के लिए प्रेरित किया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पूरे जिले में मतदाता जागरूकता गतिविधियों को गति देने के लिए आईसीडीएस की सेविकाएं, सहायिकाएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, विकास मित्र, शिक्षा विभाग के छात्र-छात्राएं, स्काउट और गाइड सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। प्रत्येक प्रखंड के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) के नेतृत्व में कम मतदान वाले ग्रामीण इलाकों और सुदूर क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया जा रहा है। स्वीप अभियान के तहत गांवों और कस्बों में रंगोली, मेहंदी प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, साइकिल और मोटरसाइकिल रैली, हस्ताक्षर अभियान, क्विज, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी RO, ARO और सेक्टर पदाधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं कि वे उन बूथों पर ध्यान दें जहां पहले मतदान प्रतिशत कम रहा है, खासकर महादलित और दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में लक्षित अभियान चलाकर अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करें।

संक्षिप्त समाचार

फरार चल रहे पूर्व कांड के अप्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

दिनारा / रोहतास । भानस पुलिस ने पूर्व कांड के मामले में फरार चल रहे अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । थानाध्यक्ष विजय बैठा ने बताया कि नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत महरोड़ निवासी निशांत कुमार उर्फ विक्की कुमार उर्फ विवेक कुमार को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अप्राथमिकी अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना कांड संख्या 285/22 के आलोक में रंगदारी का मामला दर्ज था ।

पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया कुर्की,मामले में फरार चल रहे कुर्की वारंटी गिरफ्तार

दिनारा /रोहतास । भानस थाना की पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया कुर्की,मामले में फरार चल रहे कुर्की वारंटी गिरफ्तार । थानाध्यक्ष विजय बैठा ने बताया कि मजिस्ट्रेट ओंकार वैभव की मौजूदगी में थाना क्षेत्र के कनियारी निवासी विकास कुमार गुप्ता के घर की कुर्की जब्ती की गई । उन्होंने कहा कि उसी के आलोक में मौके वारदात पुलिस ने 14-15 वर्षों से फरार चल रहे कुर्की वारंटी विकास कुमार गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत था ।

डॉ. जगदीश सिंह बने गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के नए कुलपति

डेहरी (रोहतास) गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय, जमुहार सासाराम के नए कुलपति के रूप में डॉ. जगदीश सिंह की नियुक्ति की गई है। डॉ. सिंह को उनके दीर्घ शैक्षणिक अनुभव, नेतृत्व क्षमता और अनुसंधान में उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। डॉ सिंह अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कृषि वैज्ञानिक हैं और इसके पूर्व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक के पद पर कार्य कर चुके हैं । डॉ सिंह को स्टैंडफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में भी शामिल किया जा चुका है। उनके नेतृत्व में कई अनुसंधान परियोजनाएँ, राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ और शैक्षणिक नवाचार सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। अपनी नियुक्ति पर डॉ. सिंह ने कहा कि "गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय बिहार के उच्च शिक्षा जगत में एक उभरता हुआ संस्थान है। मेरा प्रयास रहेगा कि विश्वविद्यालय को अनुसंधान, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों की श्रेणी में स्थापित किया जाए।" कुलाधिपति गोपाल नारायण सिंह ने इस अवसर पर कहा कि "डॉ. जगदीश सिंह की नियुक्ति से विश्वविद्यालय को एक अनुभवी और दूरदर्शी नेतृत्व प्राप्त हुआ है। हमें विश्वास है कि उनके मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और रोजगारपरक कौशल विकास के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ छुएगा।" इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने डॉ. सिंह को शुभकामनाएँ दीं और उनके नेतृत्व में संस्थान के समग्र विकास की आशा व्यक्त की।

ट्रैक्टर ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, एक की मौत दूसरा जख्मी

बिक्रमगंज / रोहतास । बिक्रमगंज-नटवार मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के कोल्हा टोला समीप तेज रफ्तार से जा रही ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । सूत्रों के अनुसार एक ही बाइक पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा सवार व्यक्ति बुरी तरह से जख्मी हो गया । मृतक सरोज सिंह उम्र 35 वर्ष पिता केदार सिंह ग्राम मठिया (पड़रिया) थाना दिनारा बताया जाता है,जबकि इसके साथी ओम प्रकाश सिंह पिता स्वर्गीय रामनाथ सिंह ग्राम मठिया (पड़रिया) थाना दिनारा जख्मी अवस्था में सासाराम सदर अस्पताल में इलाजरत है । थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर परिजनों समक्ष कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया गया है ।

मतदान को ले बीडीओ ने गांव में चौपाल लगा लोगों को किया जागरूक

प्रतिनिधि राजपुर। मतदान प्रतिशत बढ़ाने को ले प्रखण्ड प्रशासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से मतदाता को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है.कहीं मेहंदी प्रतियोगिता तो कहीं जीवीका समुह द्वारा रैली तथा गांवों में चौपाल लगा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा रहा है. मंगलवार की रात बीडीओ रवि राज के नेतृत्व में रोतवा एवं बरांव पंचायत के करमकीला गांव में चौपाल लगा गांव के योग्य मतदाताओं को मतदान के बारे बताया गया.मौजूद सभी लोगों को मतदान करने तथा दुसरे को भी करवाने की शपथ दिलाई गई.मौके पर स्वीप कर्मी सुभम कुमार,रोतला मुखिया डा पंकज गुपता,बरांव मुखिया प्रतिनिधि राजू कुमार,ग्रामीण व अन्य कर्मी उपस्थित थे.

शराब साथ एक कारोबारी व दो शराबी गिरफ्तार

नासरीगंज /रोहतास। विधानसभा चुनाव एवं विधि-व्यवस्था को देखते हुए एफएसटी दंडाधिकारी के साथ एक विशेष टीम गठित कर शराब को लेकर छापेमारी की गई । उक्त दौरान पुलिस ने सलाउद्दीन मियां उम्र 47 वर्ष पिता तफज्जुल हुसैन साकिन नासरीगंज को 16.2 लीटर देसी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । साथ ही साथ पुलिस ने शराब सेवन में दो आरोपी को भी पकड़ लिया । जिसमें बुधन चौधरी एवं अनिल चौधरी को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार तीनों आरोपी नासरीगंज के ही रहने वाले है । इसकी जानकारी नासरीगंज थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने दी । बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

20 अक्टूबर को मनाया जाएगा दीपावली का पर्व

काराकाट / रोहतास । दीपावली का पर्व पूरे भारत वर्ष में बड़े ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाने वाला सबसे बड़ा त्योहार है । यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है और घर-परिवार में खुशियां, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आता है । लोग अपने घरों की सफाई करते हैं, दीपक जलाते हैं और मां लक्ष्मी तथा भगवान गणेश की पूजा करते हैं । मिठाइयां बांटी जाती हैं,रिश्तेदार और मित्र एक-दूसरे से मिलते हैं और बच्चों में उत्साह देखने लायक होता है । इस दिन को लेकर कई मान्यताएं और परंपराएं जुड़ी हैं,जैसे लक्ष्मी पूजन, धन-सम्पत्ति की वृद्धि और अंधकार पर प्रकाश की जीत का उत्सव । इस साल दीपावली को लेकर काफी भ्रम की स्थिति बनी हुई है । कुछ लोगों का कहना है कि 20 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी तो कुछ लोगों का कहना है कि 21 अक्टूबर को दीपावली मनाई जाएगी । जानकारों का कहना है कि 2025 में दीपावली 20 अक्टूबर दिन सोमवार को ही मनाई जाएगी । उस दिन प्रदोष काल में तिथि पूरी तरह व्याप्त है जो कि पूजा करने के लिए अनुकूल मानी जाती है । इसके अलावा 21 अक्टूबर को अमावस्या तिथि तो रहेगी लेकिन पूजा का शुभ मुहूर्त व्याप्त नहीं रहेगा । जिससे 21 अक्टूबर को लक्ष्मी पूजन का मुहूर्त नहीं है । जानकारों के अनुसार पूर्ण प्रदोष काल व्यापिनी तिथि 20 अक्टूबर को ही प्राप्त हो रही है । वहीं 21 अक्टूबर को तीन प्रहर से अधिक अमावस्या और साढ़े तीन प्रहर से अधिक वृद्धि गामिनी प्रतिपदा होने के कारण नक्त व्रत पारण का काल जो लक्ष्मी पूजन का आवश्यक अंग है, उस दिन उपलब्ध नहीं हो रहा है । इसी कारण से 20 अक्टूबर को ही दीपावली पर्व मनाने का निर्णय लिया गया है ।

रेलवे विभाग ने चलाया सघन टिकट चेकिंग अभियान,वसूला जुर्माना

बिक्रमगंज / रोहतास । मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के वरीय अधिकारी साथ अन्य मंडल के वरीय अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया । इस दौरान बिक्रमगंज रेलवे स्टेशन पर करीब 516 यात्री बिना टिकट को लेकर पकड़े गए । जिनसे रेलवे विभाग के अधिकारियों द्वारा लगभग दो लाख रुपया जुर्माना वसूला गया । टिकट जांच अभियान सुबह छह बजे से सासाराम जंक्शन से प्रारंभ हुआ था । वहीं बिक्रमगंज पहुंचने पर टीम ने स्टेशन परिसर में गहन जांच की ।

आगामी दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

बुधवार को जिला पदाधिकारी, रोहतास के द्वारा आगामी दीपावली / लक्ष्मीपूजा एवं छठ महापर्व - 2025 के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक की गयी। सर्वप्रथम अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास के द्वारा जिला स्तरीय आयोजित शांति समिति की बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों तथा जिला स्तरीय विभागीय पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। बैठक में अपर समाहर्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी, रोहतास के द्वारा बताया गया कि विगत दशहरा त्योहार बड़े ही सौहार्दपूर्ण एवं शांत वातावरण मनाया गया, जिसके लिए सभी का आभार व्यक्त किया गया और आगामी दीपावली / लक्ष्मीपूजा एवं छठ महापर्व - 2025 के अवसर पर शांत एवं सौहार्दपूर्ण वातारण में मनाये जाने की अपील किया गया तथा बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों से एक-एक करके सुझाव एवं मंतब्य की मांग किया गया। बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों के द्वारा निम्नांकित सुझाव दिया गया।

जो निम्न प्रकार है:- सासाराम नगर पूजा समिति के सदस्यों के द्वारा बताया गया कि दिनांक 18.10.2025 से दिनांक 31.10.2025 तक विभिन्न त्योहार यथा - धनतेरस, दीपावली, लक्ष्मीपूजा, गोवर्द्धन, नहाय / खाये छठव्रत, भैयादूज एवं गोपाष्टमी मनाये जायेगें, जिसमें शहर की सफाई, घाटों की सफाई, विद्युत प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति की नितान्त आवश्यकता बताते हुए उपलब्ध कराये जाने हेतु सुझाव दिया गया। उक्त त्योहारों के अवसर पर पेयजलापूर्ति एवं पर्याप्त संख्या में पुलिसबलों की प्रतिनियुक्ति करने हेतु अनुराध किया। डिहरी अनुमंडल के श्री धनंजय सिंह बाल के द्वारा बताया गया कि दीपावली के समय पठाखों के फोड़े जाने पर विशेष सर्तकता बरती जाय, छठव्रत में घाटों सोन में काफी पानी होने के कारण दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, इस लिए सोन में पानी बहाव को रोक लगाया जाय। सासाराम नगर में धर्मशाला रोड में धनतेरस, दीपावली एवं छठव्रत के दिन वन-वे कराया जाय, ताकि यातायात में कोई कठिनाई नहीं होने पाए। धर्मशाला रोड में नाला निर्माण हो रहा है, जिसके कारण आने-जाने में कठिनाई हो रही है। इसके साथ ही मोहल्ला कबीरगंज में तार टूट गया है, उसकी मरम्मती कराया जाय। बैठक में उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, नगर आयुक्त, नगर निगम, सासाराम एवं अन्य सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद / नगर पंचायतों से आगामी छठव्रत त्योहार 2025 के अवसर पर शांति एवं विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था तथा छठ घाटों पर किए जाने वाले प्रशासनिक तैयारियों आदि के बारे में बिन्दुवार समीक्षा की गयी।

समीक्षोपरान्त जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, रोहतास के द्वारा निम्नांकित बिन्दुओं पर अग्रेतर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं शांति समिति के सदस्यों को निदेशित किया गया। जो निम्नवत है:-

सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि वैसे सभी छठ घाटों की सूची यथा -वैसे छठ घाट जिस पर 5000 तक के छठव्रतियों की भीड़ होती है। वैसे छठ घाट जिन पर 5000 से 10000 तक छठव्रतियों की भीड़ होती है। वैसे छठ घाट जहां पर 10000 से अधिक छठव्रतियों की भीड़ होती है, की सूची तैयार करते हुए उसके अनुसार समुचित सुरक्षा व्यवस्था एवं वैकल्पिक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में वैसे सभी छठ घाटों जहां अधिक भीड़ होने की संभावना है, उन सभी घाटों का स्वयं भ्रमण कर सभी आवश्यक प्रशासनिक तैयारियों को करते हुए सुरक्षा व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखना सुनिश्चित करेंगें। संवेदनशील छठ घाटों पर यदि श्रद्धालुओं के द्वारा रात्रि विश्राम किया जाता है तो उनकी पूरी रात व्यक्तिगत रूप से ध्यान रखने हेतु उन सभी घाटों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी, पुलिस बल एवं महिला पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति अपने स्तर से करना सुनिश्चित करेंगें। सभी अनुमंडल पदाधिकारी को यह भी निदेश दिया गया कि सभी छठ घाटों के पूजा समितियों से समन्वय स्थापित करते हुए उनके द्वारा पब्लिक एड्रेस सिस्टम युक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित कराना तथा सभी छठ समितियों के लिए पहचान पत्र भी निर्गत कराना सुनिश्चित करेंगें। इसके साथ ही साथ सभी छठ घाटों का निरीक्षण करते हुए सभी आवश्यक सुविधाओं यथा- प्रकाश, साफ- सफाई, वस्त्र चेजिंग रुम, शौचालय आदि की व्यवस्था उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगें। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को निदेश दिया गया

कि छठ पर्व के अवसर पर नहाय-खाय से लेकर सुबह के अर्घ्य देने तक निजी वाहनों एवं अन्य वाहनों के आवागमन में सतत् निगरानी रखा जाय, ताकि छठ व्रतियों के रास्ते में किसी भी प्रकार के आने-जाने में कठिनाई नहीं हो। इसके लिए सभी छठ घाटों पर आवश्यकतानुसार दंडाधिकारी एवं पुलिसबल, चौकीदार आदि की तैनाती करना सुनिश्चित करेंगें।

सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में पटाखों के गोदामों तथा उसके आस-पास बिक्री किए जाने दुकानों की छापामारी कर गृह विभाग के द्वारा निर्गत मार्गदर्शिका के अनुसार नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। तथा अवैध गोदामों / दुकानों के द्वारा नियम के विरुद्ध कार्य करने वाले के दुकानों / गोदामों पर छापामारी कर सील करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही साथ छठ घाटों पर बच्चों के द्वारा फोड़े जाने वाले पटाखों पर विशेष निगरानी एवं सर्तकता बरतना सुनिश्चित कराएंगे। प्रभारी पदाधिकारी, आपदा प्रबंधन, रोहतास को निदेश दिया गया कि जिले के सभी छठ घाटों पर आपदा प्रबंधन, विभाग, बिहार पटना के द्वारा निर्देशित मार्गदर्शिका के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था हेतु सभी जानकारियों को होर्डिंग, पोस्टरों एवं माईक के द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार निश्चित रुप से करवाना सुनिश्चित करेंगें।

असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, रोहतास, सासाराम को निदेश दिया गया कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर चिकित्सा से संबंधित सभी सुविधाएं, चिकित्सकों एवं जलने से संबंधित दवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करेंगें। इसके साथ ही साथ सभी प्रमुख घाटों पर चिकित्सा दलों एवं दवाईयों के साथ एक-एक एम्बुलेंस की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगें। सभी अंचल अधिकारियों को निदेश दिया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सभी नदी घाटों एवं तालाबों पर प्रशिक्षित गोताखोरों तैराकों एवं बोट चालकों की प्रतिनियुक्ति लाईफ जैकेट / इन्फ्लैटेबल मोटरबोट / देशी नाव (जहां उपलब्ध हो) आदि के साथ व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अंचल अधिकारियों को निदेश दिया गया कि रेलवे लाईन के पास सभी छठ घाटों की पहचान कर उन घाटों पर विशेष पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही साथ रेलवे लाईन पार कर जाने वाले रास्तों को चिन्हित करते हुए उसके दोनों तरफ से बैरीकेटिंग कराते हुए उसी बैरिकेटिंग युक्त रास्ते से ही छठ व्रतियों एवं अन्य श्रद्धालुओं को आने-जाने दिया जाय तथा इसके अतिरिक्त नजदीक के रेलवे स्टेशन मास्टर से सम्पर्क कर ट्रेनों के आने-जाने वाले समय-सारणी को प्राप्त करते हुए उस समय पर विशेष निगरानी रखना सुनिश्चित करें।

अनुमंडल पदाधिकारी, डिहरी को निदेश दिया गया कि पिछले व्यवस्था के अनुसार इस वर्ष भी सोन नदी में आवश्यकतानुसार प्राईवेट नावों की प्रतिनियुक्ति कराया जाना सुनिश्चित करेंगें। सभी अंचल अधिकारियों एवं सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद / नगर पंचायतों को निदेश दिया गया कि छठ घाटों पर जाने वाले रास्तों की मरम्मती का कार्य कराना सुनिश्चित करेंगें। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अंचल अधिकारियों को निदेश दिया गया कि खतरनाक नदी घाटों / तालाबों को चिन्हित करते हुए उनका व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए तथा उनकी बैरिकेडिंग इस प्रकार की जाए कि लोग डुबकी न लगा सकें। सभी नदी घाटों / तालाबों पर सुरक्षाबल तथा अन्य स्वयं सेवकों की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित कराएंगे। सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, नगर आयुक्त, नगर निगम, सासाराम एवं सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सभी तालाबों / घाटों की साफ-सफाई तथा जिन घाटों पर अत्यधिक भीड-भाड़ होने की संभावना को देखते हुए ऐसे सभी छठ घाटों के किनारे एवं रास्तों में पर्याप्त रोशनी की सुरक्षित तरीके से व्यवस्था कराना सुनिश्चित करेंगें, ताकि किसी भी प्रकार के आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सकें। कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति सासाराम एवं डिहरी को निदेश दिया गया कि बिजली के जितने भी लटके एवं लूज तार है, उसे अविलंब ठीक करवाना सुनिश्चित करें, ताकि विद्युत करंट से दुर्घटना न हो इसके लिए भी सभी आवश्यक तैयारियों को कराना सुनिश्चित करें।

जिला अग्निशामन पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि अग्निशामक वाहनों एवं चालकों की अद्यतन सूची सभी अंचलाधिकारी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सभी अंचलाधिकारी को निदेशित किया गया कि संबंधित अग्निशमन चालक से समन्वय स्थापित कर वाहन को Ready Mode में अंचल / थाना में रखें। तथा अपना विभागीय मोबाइल नम्बर आम जनों को देना सुनिश्चित करें, ताकि उसका उपयोग आवश्कतानुसार/आपातकालीन की स्थिति में किया जा सके। शांति समिति के सदस्यों को निदेश दिया गया कि अपने-अपने छठ घाटों पर श्रद्धालुओ से बराबर अपील करते हुए सभी अभिभावक अपने-अपने छोटे-छोटे बच्चों का विशेष ध्यान दें, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं घट सके। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराते रहें। शांति समिति के सदस्यों को निदेश दिया गया कि अपने-अपने छठ घाटों / मूर्ति स्थापना स्थलों पर किसी भी राजनैतिक दलों के पोस्टर / प्रचार आदि नहीं करना सुनिश्चित करें। इस संबंध में निर्वाचन आयोग से निर्गत आर्दश आचार संहिता के नियमों का अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करें। यदि राजनैतिक दलों का पोस्टर/प्रचार प्रसार करना है तो उसके लिए सक्षम संचालनकर्ता / पदाधिकारियों से अनुमति प्राप्त करने के बाद ही लगाना सुनिश्चित करें।

210 दिनारा विधानसभा से बसपा प्रत्याशी मालती देवी ने दाखिल किया नामांकन

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन बुधवार को 210 दिनारा विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रत्याशी मालती देवी ने नामांकन पर्चा दाखिल किया । उन्होंने बिक्रमगंज अनुमंडल कार्यालय स्थित एलआरडीसी कक्ष में निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया । इस संबंध में 210 दिनारा विधानसभा क्षेत्र के निर्वाची पदाधिकारी सह भूमि सुधार उपसमाहर्ता (एलआरडीसी) संतोष कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को बहुजन समाज पार्टी की उम्मीदवार मालती देवी ने विधिवत रूप से नामांकन पर्चा दाखिल किया । उन्होंने बताया कि नामांकन की प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई । नामांकन के दौरान बसपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह देखा गया ।

विधान सभा निर्वाचन 2025 के मद्देनज़र जिले में मीडिया सह एम.सी.एम.सी. कोषांग पूर्ण रूप से संचालित

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

आगामी बिहार विधान सभा निर्वाचन 2025 के मद्देनज़र रोहतास जिले में गठित मीडिया सह एम.सी.एम.सी. कोषांग पूर्ण रूप से संचालित हो गया है। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सूचित बनाए रखने हेतु गठित इस कोषांग द्वारा फेक न्यूज एवं पेड न्यूज पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं मार्गदर्शिका के आलोक में, यह कोषांग प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने वाली भ्रामक एवं पेड सामग्री की सतत् निगरानी कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, रोहतास द्वारा प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा कोषांग का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। यह कोषांग 24×7 जिला जनसंपर्क कार्यालय, रोहतास में सक्रिय रूप से कार्यरत है, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनी रहे।

जिला परिवहन कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग रोहतास के द्वारा वाहन के माध्यम से चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

निज संवाददाता। सासाराम (रोहतास)

रोहतास जिला अंतर्गत बुधवार को जिला परिवहन कार्यालय एवं स्वास्थ्य विभाग, रोहतास के द्वारा वाहन के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत वाहनों पर बैनर, स्टीकर लगाया गया। जिले भर में प्रचार प्रसार के लिए यह मतदाता जागरूकता अभियान लगातार चलाया जाएगा, ताकि शत प्रतिशत मतदाता मतदान करें।

वहीं स्वास्थ्य विभाग ने RBSK के वाहन के माध्यम से जिले के सभी प्रखण्डों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया। वाहन में जिंगल बजाते हुए लोगों को मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा। जो लोगों को जागरूक करने में बहुत कारगर साबित होगा। उम्मीद है कि लोकतंत्र के इस त्योहार में रोहतास वासी 11 नवंबर को शत प्रतिशत मतदान करेंगे।

तीन एनबीडब्ल्यू वारंटी गए जेल

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

पुलिस ने तीन एनबीडब्ल्यू वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के जरलाही मठिया निवासी पवन सिंह,सोमनाथ उर्फ सुनील सिंह एवं सुजीत सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था ।

नगर पंचायत काराकाट के गोड़ारी में राष्ट्रीय पोषण माह पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता। काराकाट / रोहतास

15 अक्टूबर को माय भारत रोहतास सासाराम युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित की गई । कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों को पोषण संबंधी जानकारी दी गई तथा संतुलित आहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता माय भारत रोहतास के राष्ट्रीय स्वयंसेवक सह ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के संस्थापक शिवम कुमार ने की । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पोषण की कमी केवल स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं करती,बल्कि आने वाली पीढ़ियों के विकास पर भी असर डालती है । उन्होंने सभी से आह्वान किया कि अपने भोजन में सब्जी, फल,अनाज और दालों को संतुलित मात्रा में शामिल करें ।

कार्यक्रम के अंत में युवा पर्यावरण संरक्षण क्लब गोड़ारी एवं ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के सहयोग से बच्चों और महिलाओं के बीच पोषणयुक्त सामग्री का वितरण किया गया । मौके पर क्लब के सदस्य आकाश कुमार,अभिषेक कुमार, राहुल कुमार,आंगनबाड़ी केंद्र गोड़ारी की सेविका प्रभावती देवी व सहायिका निर्मला देवी तथा ग्रामीण महिलाएं शिवकुमारी देवी,सुमित्रा देवी,दुर्गा देवी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

प्रमंडलीय स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अररिया के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, कई का हुआ राज्य स्तर के लिए चयन

अररिया। प्रमंडलीय स्तरीय खेल प्रतियोगिता में अररिया जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। अंडर-14 बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में अररिया की टीम उपविजेता रही। इस वर्ग में जिले की प्रतिभावान खिलाड़ी चंदुला कुमारी और आरती कुमारी का चयन राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए किया गया है।इसी प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में भी अररिया के रणवीर कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर जगह बनाई है। वहीं, बॉलीवॉल प्रतियोगिता के अंडर-14 बालक वर्ग में अहमद फरज खान का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी अररिया के खिलाड़ियों ने शानदार सफलता हासिल की है। प्रतिभा कुमारी ने अंडर-19 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा काजल कुमारी (अंडर-17 बालिका वर्ग) और वाहिदा (अंडर-14 बालिका वर्ग) का चयन भी राज्य स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए किया गया है। जिले के खेल प्रेमियों और शिक्षकों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया है। जिला खेल पदाधिकारी सान्याल कुमार ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अररिया जिले के लिए गौरव की बात है और आशा व्यक्त की कि राज्य स्तर पर भी ये खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे।

बैठक में डीएम ने अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण तथा छात्रों में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर दिया जोर

अररिया। अररिया पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बुधवार को जिला पदाधिकारी सह विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार की अध्यक्षता में समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय के समग्र विकास, शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता व्यवस्था एवं आधारभूत संरचना से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने विद्यालय परिसर में अनुशासन, पर्यावरण संरक्षण तथा छात्रों में नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया पर ध्यान दिया जाए ताकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में विद्यालय प्रधानाचार्य द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। जिला पदाधिकारी ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन भी प्रदान किया।बैठक में समिति के सभी सदस्य, अभिभावक प्रतिनिधि एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पैसा कमाने में पत्नी के सामने विधायक फेल

बेगूसराय। साहेबपुर कमाल के वर्तमान विधायक और राजद से ही इस बार भी प्रत्याशी सत्तानंद सम्बुद्ध उर्फ ललन यादव है। इनके पास में पत्नी से तीन गुना अधिक पैसा है। लेकिन उनकी आमदनी पत्नी से आधे से भी कम है। करीब 13 बीघा जमीन और अपने विधायक की वेतन से 5 साल में इन्होंने 38 लाख 46 हजार 270 रुपए कमाए। जबकि, पत्नी चित्रिता ने फास्ट फूड की दुकान चला कर इनसे करीब 23 लाख रुपए अधिक, यानी 61 लाख 89 हजार 910 रुपए कमा लिए हैं। इसका खुलासा खुद विधायक ने नामांकन के लिए दाखिल किए गए शपथ पत्र में किया है। मगध विश्वविद्यालय से फिलॉस्फी की डिग्री लेने वाले ललन यादव के आय में भारी कमी आई है।

5 लाख 50 हजार रुपए ही कमाएं: 2020 में नामांकन के समय दाखिल किए गए शपथ पत्र में उन्होंने बताया था इनकम टैक्स रिटर्न देते हैं और 2015-16 में 12 लाख 19 हजार 220 रुपए, 2016-17 में 13 लाख 85 हजार 090 रुपए, 2017-18 में 14 लाख 4 हजार 280 रुपए, 2018-19 में 13 लाख 21 हजार 110 रुपए एवं 2019-20 में 14 लाख 88 हजार 615 अर्जित किए हैं। जबकि, अभी नामांकन पत्र दाखिल करते समय दिए गए शपथ पत्र में उन्होंने कहा है कि 2020-21 में 9 लाख 24 हजार 590 रुपए, 2021-22 में 9 लाख 56 हजार 990 रुपए, 2022-23 में 9 लाख 75 हजार 650 रुपए, 2023-24 में 4 लाख 38 हजार 370 रुपए व 2024-25 में 5 लाख 50 हजार 670 रुपया ही कमाएं हैं।

आय में डेढ़ गुणा से अधिक की वृद्धि: फास्ट फूड की दुकान चलाने वाली उनकी पत्नी की आय में डेढ़ गुणा से अधिक की वृद्धि हुई है। विधायक के पास अभी नगर 3 लाख 3 लाख 50 हजार रुपया व पत्नी के पास मात्र एक लाख 5 हजार रुपया ही है। विधायक के खाते में 1 लग 67 हजार 690 रुपए हैं, जबकि उनकी पत्नी के खाता में 10 गुना अधिक यानी 17 लाख 38 हजार 634 रुपए हैं। खुद का शेयर व फिक्स में डेढ़ लाख रुपए का निवेश है, जबकि पत्नी ने 49 लाख 19 हजार रुपए का निवेश कर रखा है। बीमा और डाकघर में विधायक का 48 लाख 34 हजार 264 है, जबकि पत्नी का 7 लाख 7 हजार 143 रुपए है। गाड़ी के मामले में पत्नी पति पर निर्भर है, जबकि विधायक के पास 60 लाख 55 हजार की गाड़ी हैं। ज्वेलरी के मामले में भी यह पत्नी के सामने फिसड्डी हैं, पत्नी के पास 857.14 ग्राम सोना और 1 किलो 800 ग्राम चांदी का आभूषण है। जबकि विधायक के पास मात्र 468.15 ग्राम सोने के आभूषण हैं। विधायक के पास गांव में 40 लाख रुपए की 12.875 बीघा जमीन है। जबकि पत्नी के 16 कट्ठा 14 धुर जमीन की कीमत 50 लाख रुपए है। विधायक की गांव में 8 कट्ठा में आवास है, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए है। लेकिन पत्नी ने दिल्ली में 500 स्क्वायर यार्ड जमीन खरीद रखी है, जिसकी कीमत करीब 97 लाख रुपए है। हालांकि पत्नी काफी होशियार है और उन्होंने कोई कर्ज नहीं ले रखा है, जबकि विधायक के नाम पर 16 लाख 51 हजार 700 रुपए का कर्ज भी है।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

मुंगेर। पुलिस अधीक्षक सैय्यद इमरान मसूद के निर्देश पर मुंगेर पुलिस ने सोमवार की रात अवैध हथियार के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सफियासराय को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति लखीसराय से ब्लू रंग की हीरो ग्लैमर बाइक से बांक की ओर जा रहा है। जिसके पास अवैध हथियार है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर अभिषेक आनंद के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। टीम ने शहीद स्मारक चौक के पास एनएच-80 पर वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का संकेत दिया गया। लेकिन वह भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक ने अपना नाम सुमित कुमार उर्फ भीम यादव, निवासी बांक, थाना मुफस्सिल बताया। तलाशी में उसके पास से एक देशी कट्टा, चार जिंदा कारतूस, एक मोबाइल और बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर सफिया सराय में मामला दर्ज किया।

विवि ने तय की सीनेट की आजीवन सदस्यता की राशि

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सीनेट की आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों से न्यूनतम पांच लाख रुपये दान लेने का निर्णय लिया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय की वित्तीय सुदृढ़ता और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम माना जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना में बताया गया है कि यह निर्णय बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के तहत लिया गया है। इस प्रस्ताव पर 10 सितंबर को आयोजित सिंडिकेट की बैठक तथा 12 सितंबर को हुई सीनेट बैठक में भी सहमति दी गई। जिसके उपरांत कुलपति की अनुमति से यह अधिसूचना जारी की गई। कुलसचिव डॉ. घनश्याम राय ने बताया कि सीनेट की आजीवन सदस्यता के लिए आवेदन करने वाले इच्छुक उम्मीदवारों को न्यूनतम पांच लाख रुपये का दान देना आवश्यक होगा। तथापि, संबंधित व्यक्ति को सीनेट का आजीवन सदस्य तभी घोषित किया जाएगा, जब उनके नाम को कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालय की सीनेट के आजीवन सदस्य के रूप में अनुमोदित किया जाएगा। यह कदम पहली बार विश्वविद्यालय को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, संसाधनों में वृद्धि करने और दीर्घकालीन विकास योजनाओं को साकार करने के उद्देश्य से उठाया गया है। विश्वविद्यालय का मानना है कि इस नीति से संस्थान की आर्थिक स्वायत्तता को मजबूती मिलेगी और दान राशि से मिलने वाले संसाधनों का उपयोग शैक्षणिक ढांचे, अनुसंधान सुविधाओं, छात्र कल्याण योजनाओं तथा आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण में किया जा सकेगा।

डीएम ने इलेक्शन, त्योहारों पर की रिव्यु मीटिंग

निज संवाददाता। बांका

बांका में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी नवदीप शुक्ला की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समाहरणालय सभागार में हुई इस बैठक का उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 तथा दीपावली और छठ पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना था। इसमें प्रशासनिक और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। DM नवदीप शुक्ला ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्वाचन अवधि और त्योहारी समय में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक और पुलिस विभाग के बीच पूर्ण समन्वय पर जोर दिया।

अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग को तैयारियां पूरी रखने के निर्देश: दीपावली के मद्देनजर DM ने अग्निशमन और स्वास्थ्य विभाग को सभी आवश्यक तैयारियां पूरी रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर DM नवदीप शुक्ला,पुलिस अधीक्षक का उपेंद्रनाथ वर्मा, SDPO अमर विश्वास इंद्रजीत बैठा आदि प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

"खतरनाक घाट" का सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश: छठ पर्व के लिए उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को खतरनाक घाटों की पहचान कर वहां "खतरनाक घाट" का सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने कानून-व्यवस्था पर सतत निगरानी रखने और किसी भी अप्रत्याशित परिस्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को चौकस रहने को कहा।

नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी: उन्होंने अधिकारियों से निष्ठा और ईमानदारी से कर्तव्य निर्वहन की अपेक्षा की, जिससे लोकतंत्र में जनता का विश्वास और मजबूत हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निर्वाचन और त्योहारी सीजन के दौरान नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिले में नियंत्रण और निगरानी की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाया जाएगा। इन दिशा-निर्देशों से जिले में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव की रूपरेखा स्पष्ट हुई है।

टिकट लेकर फारबिसगंज पहुंचने पर भाजपा विधायक का ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी पर पार्टी ने तीसरी बार भरोसा जताया है और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उसे अपना उम्मीदवार घोषित किया है। विद्यासागर केशरी को पार्टी का सिंबल भी मिल गया।जिसे लेकर बुधवार को पटना से फारबिसगंज पहुंचे।फारबिसगंज पहुंचने पर विधायक विद्यासागर केशरी का पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।ढोल नगाड़ों के साथ पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक सड़क एनएच 27 पर उनके आवागमन को लेकर जमे रहे और पहुंचने के बाद फूल माला से लाद दिया। कार्यकर्ताओं ने बुके देकर उनका स्वागत किया।मौके पर विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडल अध्यक्ष और पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सैकड़ों गाड़ी के साथ शहर में भाजपा और विधायक के पक्ष में नारेबाजी की और एक दूसरे को अबीर और गुलाल लगाकर बधाई दी।खुली गाड़ी में हाथ जोड़े विधायक विद्यासागर केशरी को नगर में भ्रमण कराया गया।इस दौरान जमकर नारेबाजी की गई।विधायक शुक्रवार को फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय स्थित निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडलाधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। मौके पर विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने कहा कि फारबिसगंज की जनता ने लगातार दो बार से मौका दिया है और तीसरी बार भी उन्हें मौका देंगे।उन्होंने जनता के सेवक के रूप में काम किया है,जिसका प्रतिफल क्षेत्र की जनता उन्हें जरूर देगी।

मानव श्रृंखला बनाकर मिसाइलमैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज प्रखंड के तिरसकुंड पंचायत अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय आदिवासी टोला मधुरा में देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को बुधवार को उनकी जयंती पर विश्व विद्यार्थी दिवस कार्यक्रम के तहत श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान शिक्षक मिथलेश कुमार सिंह ने किया और सभी विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाया। मौके पर विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक कुमार राजीव रंजन ने बताए कि मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को हुआ था। विद्यार्थियों की योगदान को सम्मान और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए आज विश्व विद्यार्थी दिवस मनाया जाता है।शिक्षक रंजीत कुमार मंडल ने भी डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बच्चों को बताया कि उनका वक्तव्य सपना वो नहीं होते जो सोते वक्त देखे जाते,सपना वो होते हैं जिसके लिए हम सोना छोड़ देते हैं,को बताते हुए सदा उसे जीवन में उतरने और उनकी जीवनी से सिख लेने को प्रेरित किया। विश्व हस्त प्रक्षालन दिवस पर बच्चों से साबुन से हाथ धुलवाए गए।साथ ही घरों में भी बच्चों से हाथ की सफाई को लेकर प्रोत्साहित किया गया।वहीं फोकल शिक्षक संजीत कुमार निगम ने बच्चों से एपीजे का मानव श्रृंखला बना कर उनके जीवन से मिलने वाली सिख को बच्चों से साझा किया।उपस्थित सैकड़ों बच्चों, विद्यालय रसोइया, अभिभावकगण व शिक्षकों ने श्रद्धेय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।

छात्रों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

निज संवाददाता। मुंगेर

- टाउन स्कूल के स्टूडेंट्स ने लगाई प्रभात फेरी,कहा- मतदान है जरूरी

मुंगेर में बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। बुधवार को जिला मुख्यालय के टाउन उच्च विद्यालय (+2) में प्रभात फेरी और साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करना और लोकतंत्र में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था।कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय परिसर से हुई, जहां शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सर्वप्रथम विद्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत किया गया और मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

"मेरा वोट, मेरा अधिकार": इसके बाद विद्यालय से प्रभात फेरी और साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसमें शामिल छात्रों ने "मेरा वोट, मेरा अधिकार", "पहले मतदान, फिर जलपान" और "लोकतंत्र की शान मतदाता की पहचान" जैसे नारों वाले पोस्टर ले रखे थे। सड़कों पर गूंजते इन नारों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें मतदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती मेघना और छात्र संसद अध्यक्ष शुभ कुमार ने कहा कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है जब प्रत्येक नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करता है। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से मतदान में आगे आकर देश के भविष्य निर्माण में भाग लेने का आह्वान किया।उन्होंने छात्रों को संदेश दिया कि वे अपने घर-परिवार और समाज के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

मतदान अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी: इसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक से अधिक लोग लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदार बन सकें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती मेघना ने कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर दिया कि जिस प्रकार हम अपने भविष्य की योजना बनाते हैं, उसी प्रकार मतदान कर हम देश और प्रदेश का भविष्य तय करते हैं। ऐसे जागरूकता अभियान विद्यार्थियों में नागरिक जिम्मेदारी की भावना जगाते हैं और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर करते हैं।

बोरी में मिली लड़की का शव, अफेयर में मर्डर का शक

- बेगूसराय में घर से 200 मीटर दूर मिली बॉडी, शिक्षक भर्ती की तैयारी कर रही थी

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय में बुधवार को बोरी के अंदर लड़की की लाश मिली है। लड़की बीएड करने के बाद पटना में रहकर शिक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रही थी। परिवार ने बताया कि वो शनिवार को पटना जाने का कहकर घर से निकली थी। आखिरी बार सोमवार को उससे फोन पर बात हुई। इसके बाद से वो संपर्क में नहीं थी। बुधवार सुबह घर से 200 मीटर दूर उसकी लाश मिली है। लड़की के शरीर पर चोट के निशान हैं। लड़की की पहचान खोरमपुर निवासी प्रमोद सिंह की बेटी भारती कुमारी (23) के तौर पर हुई है। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र की है। परिवार का आरोप है कि हत्या के बाद बॉडी को यहां फेंका गया है। गांव में अफेयर की भी चर्चा है। गांव के ही किसी लड़के से उसका अफेयर चल रहा था।

रस्सी से बंधी थी बोरी, हाथ बाहर था: लाश को पहली बार देखने वाले शख्स ने बताया, झाड़ियों में एक बोरी पड़ी थी। पास में कपड़ा था। बोरी से किसी इंसान का हाथ दिख रहा था। पास जाकर देखा तो लड़की की लाश थी। इसके बाद मैंने आसपास के लोगों को सूचना दी फिर पुलिस को बुलाया।

चाचा बोले- हमारी किसी से दुश्मनी नहीं: परिवार ने बताया कि बेटी दुर्गा पूजा में छुट्टी पर घर आई थी। बीच में एग्जाम देने के लिए पटना गई थी, फिर वापस घर लौट आई थी। 4 दिन पहले शनिवार को पटना जाने की बात कहकर घर से निकली थी, जिसके बाद से उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। हमने पटना में भी उसे ढूंढा, लेकिन वहां भी कुछ पता नहीं चला। लड़की के चाचा ने बताया कि भारती पटना में रहकर परीक्षा की तैयारी कर रही थी। पिता प्रमोद सिंह गांव में ही किराने की दुकान चलाते हैं। किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, फिर पता नहीं कैसे यह हो गया। बेटी के साथ जिसने भी ये किया है उसे पुलिस जल्द गिरफ्तार करे।

पुलिस बोली- आवेदन मिलने पर कार्रवाई करेंगे: लाश मिलने की सूचना पर सदर-1 DSP आनंद कुमार पांडेय भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि 'घटना के सभी पहलुओं पर जांच-पड़ताल की जा रही है। इस संबंध में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। परिजनों के आवेदन और अनुसंधान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।'

जन सुराज ने घोषित किए दो उम्मीदवार

निज संवाददाता। बेगूसराय

बेगूसराय के बछवाड़ा और साहेबपुर कमाल विधानसभा सीट से जन सुराज ने अपने प्रत्याशियों को सिंबल दिया है। बछवाड़ा से रामोद कुंवर और साहेबपुर कमाल से मो. अब्दुल्लाह को प्रत्याशी बनाया है। दोनों प्रत्याशी पटना से सिंबल लेकर क्षेत्र पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। 17 अक्टूबर को नामांकन दाखिल करेंगे।

पत्नी को निर्दलीय उतारा था: झमटिया गांव के रहने वाले रामोद कुंवर(50) कम्युनिस्ट के कद्दावर नेता रहे शहीद भासो कुंवर के पुत्र हैं। फिजिक्स से बीएससी करने के बाद पिता की राजनीतिक विरासत को संभाला। 1995 से सीपीएम पार्टी में सक्रिय थे। जिला कार्यकारिणी सदस्य बने। 2001 से 2006 तक रानी-एक से पंचायत समिति सदस्य रहे। 2011 से 2016 जिला पार्षद रहे। 2020 में सीपीएम से टिकट नहीं मिलने पर निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पत्नी को चुनावी मैदान में उतारा। बाद में सीताराम येचुरी और गणेश शंकर विद्यार्थी के कहने पर पत्नी का नामांकन वापस करा दिया। इसके बाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सीपीएम से इस्तीफा दे दिया। बाद में प्रशांत किशोर के साथ आ गए।

जेडीयू में रह चुके हैं मोहम्मद अब्दुल्लाह: वहीं, मोहम्मद अब्दुल्लाह(69) बलिया थाना क्षेत्र के लखमीनिया गांव के रहने हैं। मैट्रिक पास हैं। जदयू में प्रखंड एवं राज्य स्तर पर पार्टी के विभिन्न पदों पर रहे। प्रदेश महासचिव के रूप में पार्टी को मजबूती प्रदान किया। पंचायत का मुखिया बनने के साथ जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष और प्रदेश सचिव भी रहे। रेलवे भर्ती बोर्ड मुजफ्फरपुर के सदस्य, प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यान्वयन समिति के सदस्य और अल्पसंख्यक आयोग के भी सदस्य रह चुके हैं।

10 साल बाद स्विमिंग कॉम्पटीशन

- डिस्ट्रिक्ट लेवल स्पर्धा में 19 बच्चों ने किया पार्टिसिपेट, स्विमिंग का ट्रेनिंग भी दिया

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में जिला प्रशासन की ओर से मुंगेर में 3 दिवसीय जिला स्तरीय विद्याल खेल प्रतियोगिता 2025-26 आयोजन जिला में विभिन्न चल रहा हे। जिसमें विभिन्न तरह के खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत आज बुधवार को मुंगेर में खेल विभाग के द्वारा मुंगेर क्लब में स्वीमिंग प्रतियेगिता कराया गया। जिसमें जिला के विभिन्न प्रखंड क्षेत्र के स्कूली बच्चों ने भाग लिया। वहीं इस तैराकी प्रतियोगिता अंडर-14, अंडर17 और अंडर 19 के बालक और बालिका वर्ग के कुल 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तैराकी प्रतियोगिता में सबसे पहले बालक वर्ग का अंडर-14 अंडर-17 एवं अंडर 19 के बालक वर्ग का तैराकी प्रतियोगिता कराया गया।

बालिका वर्ग का तैराकी प्रतियोगिता कराया: जिसके बाद बालिका वर्ग का तैराकी प्रतियोगिता कराया गया। हलांकि इस तेराकी प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का रिजल्ट देर शाम तक जारी किया जाएगा। इधर तैराकी प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों को उनके साथ आए अभिवावक एवं सहयोगियों के द्वारा उत्साह वर्धन किया जा रहा था। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अभी बिहार में आचार संहिता लगा हुआ है इस कारण जिला प्रशासन की ओर से तैराकी खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का उद्घाटन बिना किए सादा तरीके से खेल प्रतियोगिता कराया जा रहा है।

छोटे-छोटे बच्चों को तैराकी का प्रशिक्षण दिया: हाल में ही आपदा विभाग की ओर से जिला के विभिन्न प्रखंड में बाढ से पूर्व छोटे-छोटे बच्चों को तैराकी का प्रशिक्षण दिया गया था, जिसमें स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया था। इसके बाद 2025 में पहली बार तेराकी प्रतियोगिता कराया गया। जिसमें कुल 19 बच्चों ने भाग लिया।

बच्चों में काफी उत्साह देखा: इससे पहले मुंगेर में साल 2015 में प्रमंडल स्तर पर तैराकी प्रतियोगिता कराया गया गया था, उसके10 साल बाद 2025 में जिला प्रशासन की ओर से यह तैराकी प्रतियोगिता कराया गया। तैराकी प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। वहीं इस तैराकी प्रतियोगिता में जिला खेल पदाधिकारी कमल किशोर, कुमारी शालनी, मनिष भेदिया, सुमीता कुमारी, रिषी कुमार सहित अन्य बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे मौजूद थे।

सिकटी प्लस टू प्रोजेक्ट हाई स्कूल में एसएसबी का स्वच्छता अभियान

निज संवाददाता। अररिया

एसएसबी 52वीं वाहिनी की बाह्य सीमा चौकी सिकटी के जवानों और कार्मिकों की ओर से बुधवार को स्वच्छता का विशेष अभियान के अंतर्गत सिकटी प्लस टू प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया। जिसमें एसएसबी के जवानों के साथ स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ शिक्षकों और अन्य कर्मियों ने भी हिस्सा लिया और पूरे स्कूल परिसर में सफाई की। स्कूल परिसर में पसरे कूड़े कचरों को हटाया गया और झाड़ू लगाकर पूरे परिसर को साफ सुंदर बनाया गया। मौके पर एसएसबी के अधिकारियों और जवानों ने बच्चों से अपने जीवन में सफाई रखने का मंत्र दिया और गंदगी के कारण होने वाली बीमारियों को लेकर जानकारी देते हुए सचेत किया। घरों के साथ अगल बगल के हिस्सों और गांव शहर को साफ सुथरा रखने पर बल दिया गया। कूड़ा कचरा को डस्टबिन में डालने और उसके निष्पादन को लेकर जानकारी दी गई।

बिहार सरकार

कार्यालय अधीक्षक मद्यनिषेध, औरंगाबाद

अति अल्पकालीन आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आगामी बिहार विधान सभा आम चुनाव 2025 एवं पर्व त्योहारों के अवसर पर अवैध शराब की बिक्री/ परिवहन/ भण्डारण एवं उपभोग पर पूर्ण रूपेण अंकुश लगाने हेतु अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गयी है, **जिसका मोबाईल नं0–8544433806 है।**

अतः अवैध शराब से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना उक्त मोबाईल नं0 पर दिया जा सकता है।

अधीक्षक मद्यनिषेध, औरंगाबाद

PR- 017084 (Excise) 2025-26

उक्त सूचना **state.bihar.gov.in/prdbihar** पर भी प्राप्त की जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग मामलों में 1000 आरोपी धराए

आरा| भोजपुर पुलिस ने आगामी विधान सभा चुनाव को शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए भोजपुर पुलिस ने लगातार करवाई करते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल अलग- अलग मामले में 1000 लोगों को गिरफ्तार करते हुए कुल देशी और अंग्रेजी 300 लीटर शराब को जब्त कर लिया। एसपी राज ने बताया की भोजपुर पुलिस विधान सभा चुनाव को लेकर जिले में भोजपुर पुलिस के अलावा बाहर से कुल 28 सीए और पीएफ की कंपनी आई है। सभी कंपनी को विधान सभा क्षेत्र वार तीन शिफ्ट में ड्यूटी में लगा दिया गया है। एसपी राज ने आगे बताया की वर्तमान में 140 लोगों पर सीसीए की करवाई की गई है।

एक सप्ताह में प्रखंड के मिले 23 कुष्ठ रोगी

गड़हनी| स्थानीय प्रखंड में राज्य स्वास्थ्य समिति के बैनर तले कुष्ठ खोजी अभियान चलाया जा रहा है। एक सप्ताह में अभी तक 23 कुष्ठ रोगियों का खोज किया जा चुका है। यह अभियान की शुरुआत 6 नवम्बर से हुआ है और 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान में 110 टीम बनाया गया है, एक टीम में दो कर्मी है यानी कुल 220 कर्मियों को लगाया गया है। 220 कर्मियों में आशा, ग्रामीण चिकित्सक, एएनएम, विकास मित्र, सेविका व सहायिका सहित सभी पंचायत प्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। पूरे टीम का नोडल पदाधिकारी बीसीएम प्रकाश कुमार रजक है। एक आशा के साथ एक ग्रामीण चिकित्सकों को लगाया गया है।

318 ली अंग्रेजी शराब बरामद, 1 तस्कर गिरफ्तार

आरा। आरा मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर कायमनगर ओवर ब्रिज के पास से 138 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ पटना जिले के एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी वाहन के चालक विजय कुमार पिता हरी लाल साव तुलसी मंडी वार्ड नंबर 57आलमगंज पटना के रहनेवाला बताया गया है। सहायक आयुक्त मद्यनिषेध रजनीश ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिला पदाधिकारी भोजपुर तनय सुल्तानिया के आदेश पर मद्यनिषेध विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के विरूद्ध लगातार छापेमारी एवं वाहन जाँच अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में गुप्त सूचना मिली की एक महिंद्रा कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब उत्तर प्रदेश से पटना ले जाया जा रहा है। निरीक्षक मद्यनिषेध प्रकाश चंद्र के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम बनायी गई। छापेमारी टीम ने बक्सर पटना फोरलेन पर कायमनगर ओवर ब्रिज के पास उक्त वाहन को रोक कर वाहन से शराब बरामद कर लिया। जब्त शराब का बाजार मूल्य करीब दो लाख के करीब आंका गया। बताया गया कि जब्त शराब को उत्तर प्रदेश से पटना ले जाया जा रहा था। छापेमारी दल में निरीक्षक प्रकाश चंद्र, अवर निरीक्षक शिवमं कुमार झा, सहायक अवर निरीक्षक रवि कुमार, सहायक अवर निरीक्षक राजकुमार राजा, के साथ-साथ मद्यनिषेध सिपाही, सैप और होमगार्ड के जवान शामिल थे।

हथियार में 315 बोर की 13 व 21 बंदूक की गोलियां जब्त, अपराधियों की तलाश जारी

कोईलवर। कोईलवर स्थानीय थाना क्षेत्र के सुरौधा टापू पर पुलिस ने सोमवार की देर रात कार्रवाई करते हुए राइफल और कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने बांसवाड़ी में छिपाकर रखे गए एक राइफल, 315 बोर की 13 गोलियां और 21 बंदूक की गोलियां जब्त की हैं। हालांकि, इस मामले में किसी अपराधी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार, भोजपुर एसपी राज को गुप्त सूचना मिली थी कि सुरौधा टापू पर कुछ अपराधी भारी मात्रा में हथियार के साथ जुटे हुए हैं। सूचना के बाद एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई। इसके बाद कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतम चंद्र, अपर थानाध्यक्ष सुभाष कुमार मंडल, एसटीएफ और थाना पुलिस बल के साथ देर रात सुरौधा टापू में छापेमारी की गई। पुलिस टीम ने इलाके को चारों ओर से घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान बांसवाड़ी में छिपाकर रखे गए एक राइफल और कारतूस बरामद हुआ। बरामद हथियार में एक रायफल जिसकी मैगजीन में दो जिंदा कारतूस लोड थे, साथ ही 315 बोर की कुल 13 गोलियां और 21 बंदूक की गोलियां शामिल है। पुलिस का मानना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल किसी बड़ी आपराधिक घटना में किए जाने की योजना थी। छापेमारी के दौरान अपराधी मौके से भागने में सफल रहे। पुलिस अब इस मामले में इलाके के संदिग्धों से पूछताछ कर रही है और तकनीकी सर्विलांस की मदद से अपराधियों की पहचान में जुटी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरौधा टापू का इलाका सोन नदी के किनारे घने जंगलों और बांसवाड़ियों एवं चारों तरफ से सोन नदी से घिरा होने के कारण संदिग्ध गतिविधियों की संभावना बनी रहती है। ऐसे में वहां लगातार निगरानी और छापेमारी की जाएगी। सुरौंधा टापू से बरामद हथियार के साथ पुलिस

जैन कॉलेज कैंपस में मतदान जागरूकता के लिए चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

आरा| हर प्रसाद दास जैन महाविद्यालय कैंपस में हस्ताक्षर अभियान का कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य–प्रो डॉ नरेन्द्र कुमार के सहमति से एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी–प्रो डॉ गुलनवाज उस्मानी एवं राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो डॉ तबस्सुम बानो की उपस्थिति में पूरी की गई। इसमें एनएसएस की गर्ल्स विंग टीम लीडर सह कैंपस एंबेसडर खुशी कुमारी एवं ब्वॉयज विंग टीम लीडर, सह कैंपस एंबेसडरविद्या निवास ने बेहतरीन भूमिका निभाई । अन्य सभी विभागों के शिक्षकों ने भी अपना बहुमूल्य समय दिया। एनएसएस के सभी स्वयंसेवकों ज्योति, पायल, खुशी, राज, अरमान, मुस्कान, छोटू, स्नेहा, जुली, संदीप, सबनम, जया, स्नेहा और वर्षा सहित अन्य ने कार्यक्रम को ठीक ढंग से पूरा करने में अपनी सहभागिता निभाई । आज महाविद्यालय के कैंपस में हस्ताक्षर अभियान को पूरा करके सभी शिक्षकों और बच्चों ने यह साबित कर दिया कि हम मतदान के लिए जागरूक हैं ।

21 को मनेगा भगवान महावीर स्वामी का पावन निर्वाण दिवस

आरा। आरा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का पावन निर्वाण दिवस (वीर निर्वाण संवत 2551 वां) इस वर्ष 21 अक्टूबर 2025 को धूमधाम से मनाया जाएगा। यह महोत्सव आरा के जल मंदिर में होगा। यह अनुष्ठान परम पूज्य मुनिश्री 108 विशल्य सागर महाराज संघ के मंगल सानिध्य और प्रतिष्ठाचार्य पं. शशिकांत जैन शास्त्री, ग्वालियर के मंगल निर्देशन में होगा। निर्वाण महोत्सव के मंगल कार्यक्रम प्रातः 5:00 बजे से आरंभ हो जाएंगे। प्रभात बेला में श्रद्धालु जलाभिषेक, मंगल कलशों से जलाभिषेक, भव्य पंचामृत अभिषेक, पूजन, मंगल आरती और वृहद शांतिधारा के साथ अपने आराध्य की वंदना करेंगे। इसके उपरांत, निर्वाण लाडू समर्पण का मुख्य कार्यक्रम होगा। जिसके बाद प्रवचन, प्रसाद वितरण और अल्पाहार आयोजित किया जाएगा। 11 किलो का विशेष निर्वाण लाडू एवं संध्या कार्यक्रमः महोत्सव का एक विशेष आकर्षण 11 किलोग्राम का शुद्ध देशी घी से निर्मित बूंदी कलश के आकार का निर्वाण लाडू रहेगा। यह लाडू समर्पित करने हेतु प्रथम सौभाग्यशाली पात्र का चयन ऑनलाइन बोली के माध्यम से सर्वोच्च राशि प्रेषितकर्त्ता परिवार द्वारा किया जाएगा। संध्या 6 बजे से सांस्कृतिक और भक्तिमय कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा। जिसमें सुंदर रंगोली का प्रदर्शन, 108 दीपकों से महाआरती, मनमोहक भजन-भक्ति संगीत, डांडिया का आयोजन, शास्त्र प्रवचन और पूरे मंदिर प्रांगण को दीपों से सजाने का कार्य शामिल है। पुण्यार्जक परिवारों ने लिया लाभः प्रसाद वितरण का पुण्यलाभ अशोक कुमार जैन, अंजू-निलेश कुमार जैन, नैतिक जैन, अतिशय जैन सपरिवार, आरा द्वारा अर्जित किया जा रहा है। अल्पाहार के पुण्यार्जक परिवार स्मृतिशेष शशिलता-ज्ञान चंद्र जैन जी की पुण्य स्मृति में शुचिता श्रेयांश जैन, सम्यक जैन परिवार हैं।

संदेश विधानसभा से राजद प्रत्याशी दीपू सिंह ने किया नामांकन

निज संवाददाता। आरा

बिहार विधानसभा चुनाव के तहत आज भोजपुर की संदेश विधानसभा सीट से राजद उम्मीदवार दीपू सिंह ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के दौरान उनके पिता पूर्व विधायक अरुण यादव और मां वर्तमान विधायक किरण देवी भी मौजूद रहीं। नामांकन से पहले दीपू सिंह ने अपने आवास अगिआंव से भव्य रोड शो की शुरुआत की। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में समर्थक झंडे-बैनर, ढोल-नगाड़े और नारेबाजी के साथ पूरे जोश में नजर आए। रोड शो अगिआंव से होते हुए जीरो माइल स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचा। वहां समर्थकों ने दीपू सिंह का फूल-मालाओं से गर्मजोशी से स्वागत किया। दीपू सिंह ने पार्टी कार्यालय में जनता से आशीर्वाद लिया और काफिले के साथ आरा समाहरणालय पहुंचे, जहां उन्होंने नामांकन पर्चा दाखिल किया। नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वे फिर से अपने समर्थकों के बीच पहुंचे और पार्टी कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया।

हजारों की संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता मौजूदः नामांकन के बाद आयोजित जनसभा में हजारों की संख्या में समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभा स्थल पर दीपू सिंह जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारों से माहौल गूंज उठा। मंच पर उपस्थित नेताओं ने कहा कि संदेश विधानसभा में जनता ने हमेशा विकास और जनसेवा को प्राथमिकता दी है, और यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी। सभा को संबोधित करते हुए दीपू सिंह ने कहा कि नामांकन सिर्फ मेरा नहीं,संदेश की जनता का नामांकन है। मैं अपने माता-पिता के अधूरे सपनों को पूरा करूंगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा दूंगा। युवाओं को रोजगार, किसानों को सहूलियत और गरीबों को सम्मान यही हमारी प्राथमिकता होगी।

मां विधायिक किरण देवी भावुकः इस दौरान मंच पर उपस्थित उनकी मां विधायिका किरण देवी भावुक नजर आईं। समर्थकों के अभूतपूर्व स्नेह और उत्साह को देखकर उनकी आंखें नम हो गईं। पिता अरुण यादव ने भी जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संदेश की जनता ने हमेशा हमारे परिवार को स्नेह दिया है,और हम इस भरोसे को कभी टूटने नहीं देंगे। उनके रास्ता पर हम लोग चलेंगे। बिहार के हर घरों में एक नौकरी होगा। हम अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानते हैं कि आज अपने माता-पिता के साथ नामांकन पर्चा दाखिल किया है। पिछले 10 सालों से मेरे माता-पिता में जनता की सेवा की है।

गिरे हुए शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करेंगेः जनता ने हमको भी सेवा करने का मौका दिया है। उसके लिए संदेश क्षेत्र के सभी भगवान तुल्य जनता को धन्यवाद देते हैं। चुनाव जीतने के बाद हमारी पहली प्राथमिकता युवाओं को रोजगार, बदहाल स्वास्थ्य सेवा को बहाल और गिरे हुए शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम करेंगे। विधायिका किरण देवी ने बताया कि यह जनता की जीत है। हमारे आंखों में खुशी के आंसू है, संदेश से कोने-कोने जनता के आशीर्वाद मेरे बेटे के सिर पर है। इस बार चुनाव में हम लोग अपने प्रतिद्वंद्वी को एक लाख वोट से हराकर अपने बेटे को विधानसभा भेजने का काम करेंगे।

संतोष कुमार निराला राजपुर से बने एनडीए प्रत्याशी

निज संवाददाता। बक्सर

बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने सोमवार को पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी का सिंबल प्रदान किया। सिंबल मिलने के बाद संतोष कुमार निराला ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह जनता के विश्वास और संगठन की निष्ठा के बल पर क्षेत्र में विकास कार्य करेंगे। सिंबल प्राप्त करने के बाद संतोष कुमार निराला बुधवार को बक्सर पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने जगह-जगह फूल-मालाओं से उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उन्होंने शहर के विभिन्न स्थलों पर स्थित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएम ने सौंपी जिम्मेदारीः इस दौरान निराला ने कहा कि राजपुर की जनता लंबे समय से उन्हें फिर से जनसेवा का अवसर मिलने की उम्मीद कर रही थी। मुख्यमंत्री ने जनता की भावना का सम्मान करते हुए उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह उनके लिए सम्मान की बात है।

एनडीए गठबंधन जीत करेगी हासिलः उन्होंने विश्वास जताया कि एनडीए गठबंधन पूरी मजबूती और एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरकर जीत सुनिश्चित करेगा। पूर्व मंत्री ने बताया कि राजपुर की जनता का समर्थन, संगठन का विश्वास और एनडीए की नीतियां ही उनकी ताकत हैं। वह विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र को नई दिशा देने का काम करेंगे। उन्होंने जनता से अपील की कि वे एनडीए के विजयी अभियान को सफल बनाएं ताकि राजपुर विधानसभा क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके।

आज चार घंटे तक शटडाउन

निज संवाददाता। आरा

आरा के अलग-अलग इलाकों में आज(बुधवार) चार घंटे तक शटडाउन रहेगा। मेंटेनेंस वर्क को लेकर धरहरा PSS और पूर्वी गुमटी PSS से 11 बजे से दोपहर 3 तक बिजली गुल रहेगी। शटडाउन के दौरान 33 हजार धरहरा लाइन और पूर्वी गुमटी PSS से निर्गत 11 KV आनंद नगर फीडर लाइन से सट रहे पेड़ों की छंटाई की जाएगी। जंफर मेंटेनेंस का काम होगा। साथ ही क्षेत्र में जर्जर तार-पोल को ठीक किया जाएगा। ताकि उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। बिजली विभाग के सहायक विद्युत अभियंता सौरभ कुमार ने सहयोग की अपील करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं के लिए अलर्ट जारी किया गया है। बिजली से जुड़ा कार्य समय से निपटा लें। पानी स्टोर करके रख लें। असुविधा के लिए खेद है। मेंटेनेंस वर्क पूरा होते ही बिजली सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

इन इलाकों में बिजली कटेगीः मोती टोला, बलुआही, कसाब टोला, दुध कटोरा, हनुमान टोला, वालीगंज चिकटोली, रामगढ़िया, काजी टोला, कबीरगंज, अबरपुल, मिल्की मोहल्ला, विश्राम नगर, इब्राहीम नगर, धनुपरा-आरा पटना बाई पास रोड, मिराचक, बेगमपुर, भलुहीपुर, अरण्य देवी, मीरगंज डोमटोली, भलुहीपुर कब्रिस्तान के इलाकों में बिजली कटेगी। भलुहीपुर बम पुलिस के आसपास के क्षेत्र सिंडिगेट, शीशमहल चौक, बघउतपुर, आनंद नगर, सपना सिनेमा रोड, नेहरू नगर , श्री टोला , बस स्टैंड, रस्सी बागन, जवाहर टोला, शिवपुर, करमन टोला, नवादा, मठिया, महादेवा रोड, जेल रोड, चरखंबा गली, सपना सिनेमा रोड, सदर हॉस्पिटल, पी मेहरा रोड, मिल रोड के आसपास के क्षेत्रों में सप्लाई ठप रहेगी।

मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा

- संचालक समेत चार गिरफ्तार, लेंथ मशीन, अर्द्धनिर्मित हथियार और कारतूस बरामद

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में इमादपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मिनी गन फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। मौके से संचालक समेत चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जिसकी पहचान धोकराहा निवासी अनुज कुमार, विशनुपरा निवासी प्रिंस कुमार पासवान, जगजीवनापुर गांव के दिलीप कुमार और इमादपुर के रमेश शर्मा के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, रमेश शर्मा अवैध मिनी गन फैक्ट्री का संचालक है। उसका पुराना आपराधिक इतिहास भी रहा है। जेल भी जा चुका है। एसपी राज ने बताया कि अनुज कुमार का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह अवैध देसी पिस्तौल लहराते नजर आ रहा था। इसी आधार पर इमादपुर थानाध्यक्ष सुनीत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

इनपुट के आधार पर टीम ने मारा छापाः टीम ने पहले अनुज कुमार को देसी पिस्तौल और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान अनुज ने बताया कि उसने यह हथियार रमेश शर्मा से खरीदा था। अनुज की निशानदेही पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए प्रिंस कुमार पासवान और दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार किया। हालांकि, छापेमारी के दौरान इनके पास से कोई हथियार नहीं मिला। इसके बाद टीम ने रमेश शर्मा के इमादपुर स्थित झोपड़ीनुमा घर में छापेमारी की। जहां से पुलिस को मिनी गन फैक्ट्री का पूरा सेटअप मिला।

नेटवर्क खंगाल रही है पुलिसः छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से एक अर्द्धनिर्मित पिस्तौल, देसी पिस्तौल, कारतूस, हथियार का बट, औजार और लेथ मशीन बरामद की। बरामद लेथ मशीन का इस्तेमाल पिस्तौल के पुर्जे तैयार करने में किया जा रहा था। एसपी राज ने बताया कि गिरफ्तार संचालक रमेश शर्मा से पूछताछ जारी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह कब से इस धंधे में सक्रिय था और किन-किन लोगों को अब तक अवैध हथियार बेचे गए हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित खरीदारों और सहयोगियों की पहचान में जुटी हुई है। पुलिस ने पूरे मामले में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एसपी ने कहा कि अवैध हथियार निर्माण और बिक्री में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और भोजपुर जिले में इस तरह के आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ अभियान तेज किया गया है।

चौसा के 50 गांवों में 2 दिन पावर कट

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के चौसा पावर हाउस से जुड़े 50 से अधिक गांवों में बुधवार और गुरुवार को बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह व्यवधान 33 केवी हाईटेंशन लाइन की मरम्मत और रखरखाव कार्य के कारण होगा, जिससे उपभोक्ताओं को तीन से चार घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। बुधवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक बिजली पूरी तरह बंद रहेगी। चौसा बिजली विभाग के कनीय अभियंता (जेई) अजय सिंह ने बताया कि सुरक्षा कारणों से चौसा पावर हाउस से जुड़े सभी चारों फीडरों को बंद रखा जाएगा।

50 से अधिक गांव में पावर कटः इससे चौसा नगर पंचायत के सभी वार्डों के साथ-साथ करहंसी, कृतपुरा, बलुआ, दानी कुटिया, कमरपुर, पवनी पंचायत के सभी गांव, चुन्नी पंचायत, बनारपुर पंचायत, रामपुर, सिकरौल, डिहरी और सोनापा सहित कुल 50 से अधिक गांव प्रभावित होंगे।

33 केवी लाइन में होगी मरम्मतः अधिकारी ने बताया कि मरम्मत कार्य के दौरान इटाढ़ी से चौसा तक जाने वाली 33 केवी लाइन को दुरुस्त किया जाएगा। कई जगहों पर तारों में ढील और खंभों की स्थिति कमजोर हो गई थी, जिसके कारण बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही थी। इन समस्याओं को स्थायी रूप से ठीक किया जा रहा है ताकि भविष्य में उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिल सके।

लोगों से संयम बरतने की अपीलः विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे इस दौरान संयम बरतें और अपने आवश्यक बिजली कार्यों को निर्धारित समय से पहले पूरा कर लें। मरम्मत टीम मौके पर तैनात है और कार्य में तेजी लाई जा रही है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि उनका प्रयास रहेगा कि निर्धारित समय से पहले ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाए।

कल भी 3 घंटे का पावर कटः जेई अजय सिंह ने स्पष्ट किया कि बिजली बंदी पूरी तरह तकनीकी आवश्यकता के तहत की जा रही है, जिसका उद्देश्य बिजली आपूर्ति को स्थायी रूप से बेहतर बनाना है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को भी इसी तरह सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक मरम्मत कार्य चलेगा, जिससे थोड़े समय के लिए आपूर्ति बाधित रहेगी। गौरतलब है कि हाल ही में आंधी-पानी और खराब मौसम के कारण कई स्थानों पर विद्युत तार टूटने और खंभे झुकने की घटनाएं सामने आई थीं, जिससे ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है ताकि मरम्मत कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके और भविष्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

तीन स्टेबलिंग लाइनों से चल रही हैं 6 ट्रेनें आउटर पर ही कट रही यात्रियों की रात

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर रेलवे स्टेशन पर वाशिंग पिट और स्टेबलिंग लाइन की कमी ने ट्रेनों के संचालन में गंभीर बाधा खड़ी कर दी है। इसके कारण यात्रियों को रातभर ट्रेनों के विलंब और प्लेटफॉर्म पर जाम जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। बक्सर रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन कई ट्रेनें रात में रुकती हैं, लेकिन पर्याप्त स्टेबलिंग लाइन न होने से इन गाड़ियों को या तो प्लेटफॉर्म पर ही खड़ा रखना पड़ता है या आउटर स्टेशन पर रोकना पड़ता है। वर्तमान में बक्सर रेलवे स्टेशन पर मात्र तीन स्टेबलिंग लाइनें हैं, जबकि यहां कम से कम छह ट्रेनों को हर रात स्टेबल करना होता है। इन तीन लाइनों पर फिलहाल 63263/64 पटना–बक्सर पैसेंजर, 53201/02 पटना–बक्सर फास्ट पैसेंजर, और 53261/62 फतुहा– बक्सर पैसेंजर जैसी गाड़ियां स्टेबल की जाती हैं। लेकिन इसके बाद आने वाली अन्य ट्रेनों के लिए जगह नहीं बचती। यात्रियों में आक्रोश, समिति ने जताया विरोधः गौरतलब है कि आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले रेलवे ने दो ट्रेनों में बदलाव किया था। 22843/44 बिलासपुर–पटना एक्सप्रेस को बक्सर तक बढ़ाया गया, जबकि 07419/20 चारपल्ली एक्सप्रेस को बक्सर तक सीमित कर दिया गया। इन दोनों गाड़ियों के एक साथ संचालन से स्टेशन पर रात के समय दबाव बढ़ गया है। रेल यात्री कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार सिंह, रेल यात्री तरुण कुमार और आरटीआई एक्टिविस्ट अभय कांत दुबे ने इस दुविधा को दुरुस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि रेलवे को बक्सर के यात्रियों की सुविधा से कोई मतलब नहीं है। स्टेशन के विस्तार और स्टेबलिंग लाइन निर्माण को लेकर वर्षों से मांग की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। अगर जल्द ही अतिरिक्त स्टेबलिंग लाइन और वाशिंग पिट का निर्माण नहीं हुआ, तो यात्रियों की परेशानियां और बढ़ सकती है। मेन लाइन पर खड़ी होती है पैसेंजर स्टेबलिंग लाइन की कमी के कारण प्रतिदिन 18183/84 टाटा–बक्सर एक्सप्रेस को पूरी रात प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर ही खड़ा रखा जाता है। इससे प्लेटफॉर्म लंबे समय तक ब्लॉक रहता है। वहीं 63235/36 बक्सर–डीडीयू पैसेंजर को भी रातभर मुख्य लाइन पर ही रोके रखने की मजबूरी होती है। ऐसे में थ्रू गुजरने वाली गाड़ियों को लूप लाइन से गुजरना पड़ता है। यह स्थिति यात्रियों और रेलकर्मियों दोनों के लिए असुविधाजनक है। लाइन की कमी के कारण न केवल ट्रेन संचालन प्रभावित हो रहा है बल्कि स्टेशन पर ट्रेनों की सफाई, जांच और तैयारी का काम भी प्रभावित हो रहा है। ट्रेनों को आउटर या पास के स्टेशनों जैसे चौसा या अन्य स्टेशनों पर खड़ा रखने से समय की बर्बादी होती है। ताज्जुब की बात तो यह है कि स्टेबलिंग लाइन की कमी को रेलवे मानने को तैयार भी नहीं है। बक्सर रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध तकनीकी सुविधा ट्रेनों के रख रखाव हेतु पर्याप्त है। यात्रियों में आक्रोश, समिति ने जताया विरोध गौरतलब है कि आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले रेलवे ने दो ट्रेनों में बदलाव किया था। 22843/44 बिलासपुर–पटना एक्सप्रेस को बक्सर तक बढ़ाया गया, जबकि 07419/20 चारपल्ली एक्सप्रेस को बक्सर तक सीमित कर दिया गया। इन दोनों गाड़ियों के एक साथ संचालन से स्टेशन पर रात के समय दबाव बढ़ गया है। रेल यात्री कल्याण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुधीर कुमार सिंह, रेल यात्री तरुण कुमार और आरटीआई एक्टिविस्ट अभय कांत दुबे ने इस दुविधा को दुरुस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि रेलवे को बक्सर के यात्रियों की सुविधा से कोई मतलब नहीं है।

संदेश में जन सुराज प्रत्याशी का विरोध

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में जन सुराज पार्टी में टिकट वितरण को लेकर मचा विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। संदेश विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के कई सक्रिय कार्यकर्ताओं ने टिकट आवंटन को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेतृत्व और प्रशांत किशोर पर पक्षपात, धनबल, पैराशूट उम्मीदवारों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि संदेश सीट से कुल सात योग्य लोगों ने दावेदारी पेश की थी, लेकिन सभी को दरकिनार कर आरा से रिजेक्ट किए गए राजीव रंजन सिंह, पुत्र सीरी कुमार सिंह को संदेश से टिकट दे दिया गया। कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया, क्या हमारे सातों उम्मीदवार अयोग्य थे। अगर हां, तो फिर राजीव रंजन सिंह को कौन सी विशेष योग्यता के आधार पर यहां से टिकट दिया गया, जो आरा के लिए अयोग्य साबित हुए।

भ्रष्ट व्यक्ति को टिकट नहीं देने की बात कही थीः कार्यकर्ताओं ने प्रशांत किशोर पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वे लगातार अपने भाषणों और पॉड कास्ट में कहते आए हैं। किसी भी माफिया या भ्रष्ट व्यक्ति को टिकट नहीं देंगे, लेकिन जिनके पिता पर कई गंभीर आरोप लगे हैं उनके पुत्र को टिकट देकर पार्टी ने अपने ही सिद्धांतों की धज्जियां उड़ा दी हैं। संदेश विधानसभा के नेता संजीव कुमार सिंह उर्फ मियां सिंह ने कहा कि गुड़ खाएंगे लेकिन गुलगुला से परहेज करेंगे। प्रशांत किशोर जी का यह दोहरा चरित्र बिहार की जनता के साथ ठगी है। उन्होंने हमें सपने दिखाए और अब वही सपने तोड़ दिए। पार्टी गरीब के बेटे को टिकट देने की बात करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि उम्मीदवार बनने के लिए आर्थिक बोझ इतना ज्यादा था कि कोई गरीब इसमें शामिल ही नहीं हो सकता। आवेदन शुल्क 21,000 रखा गया, साथ ही पार्टी द्वारा अनिवार्य किए गए टास्क में 7 कैंप लगाना, 30,000 पिक कार्ड बनाना, लगातार प्रचार अभियान चलाना, पद यात्रा कराना और प्रशांत किशोर की सभाओं में भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी शामिल थी। कर्जा लेकर हमलोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने का काम किया। लड़कों ने अपने पॉकेट से पैसा देकर पिक कार्ड बनवाया। बिहार में सभी काम पूरा होने के बाद अब नेताओं को टिकट नहीं दिया गया। हमलोग इतना पैसा कहां से देंगे। गरीब के बेटा को टिकट नहीं दिया गया।

किसी कार्यकर्ता से बात तक नहीं की गईः मियां सिंह ने आगे कहा कि पार्टी नेतृत्व ने यह दावा किया था कि टिकट वितरण ग्राउंड सर्वे के आधार पर होगा, लेकिन संदेश विधानसभा की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। जो व्यक्ति खुद को आरा विधानसभा का उम्मीदवार घोषित कर रहा था, वह अचानक संदेश की सर्वे रिपोर्ट में अव्वल कैसे हो गया। उम्मीदवारों के साथ कोई टेबल-टॉक चर्चा तक नहीं की गई, जबकि पार्टी के संविधान में आंतरिक लोकतंत्र की बात प्रमुखता से कही गई है। टिकट आवंटन में पारदर्शिता पूरी तरह नदारद रही। टिकट के लिए बड़े पैमाने पर घपला हुआ है। पार्टी के अंदर के भ्रष्टाचार पर नियंत्रण नहीं हो पाया, तो बिहार के स्तर पर संरचनात्मक भ्रष्टाचार को कैसे खत्म किया जाएगा। टिकट वितरण से नाराज भोजपुर जिले की कोर कमिटी, ब्लॉक प्रभारी, पंचायत प्रभारी, बूथ एजेंट और अन्य पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा देने की घोषणा की है। यही स्थिति नवादा और शाहाबाद क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी बन रही है। नाराज नेताओं ने कहा कि जन सुराज अब व्यक्ति विशेष पर निर्भर पार्टी बनकर रह गई है। जो पार्टी लोकतंत्र और ईमानदारी का दावा कर रही थी, आज वही अपनी बैठकों में तय नियमों की अनदेखी कर रही है। यहां तक कि जन सुराज पार्टी की उम्मीदवार सूची से अलग नाम घोषित किए गए।

संक्षिप्त समाचार

प्रगतिशील जनता पार्टी के अध्यक्ष मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव करेंगे दीघा से नामांकन दाखिल

पटना। दीघा विधानसभा क्षेत्र से प्रगतिशील जनता पार्टी (PJP) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव गुरुवार को अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। पार्टी कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई। मनोरंजन कुमार श्रीवास्तव, जो पेशे से पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हैं, ने कहा कि यह चुनाव जनता की आकांक्षाओं, विकास और क्षेत्रीय कल्याण के मुद्दों पर लड़ा जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि दीघा की जनता के आशीर्वाद से वे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि आदरणीय लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल और प्रगतिशील जनता पार्टी (PJP) का आपसी गठबंधन है। दोनों दल सामाजिक न्याय, विकास और समानता की विचारधारा को साझा करते हुए क्षेत्र में काम करेंगे। पार्टी ने "सभी जाति, सभी धर्म के साथ – प्रगतिशील जनता पार्टी" का नारा देते हुए दीघा विधानसभा क्षेत्र की जनता से समर्थन और आशीर्वाद की अपील की है।

भाजपा के पूर्व विधायक अनिल सिंह को टिकट मिलने पर समर्थकों में उत्साह

नरहट (नवादा)। हिसुआ विधानसभा सीट से भाजपा के पूर्व विधायक अनिल सिंह को टिकट मिलने पर भाजपाईयों में खुशी की लहर है। समर्थक टिकट मिलने पर काफी उत्साहित दिख रहे हैं। पूर्व विधायक अनिल सिंह ने हिसुआ विधानसभा से एक बार पुनः उम्मीदवार बनाये जाने पर और विश्वास जताने पर भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति कोटि कोटि आभार जताया है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर एनडीए का हिसुआ विधानसभा सीट लोजपा (आर) के खाते में जाने की चर्चा ने राजनीति गलियारों में हलचल मचा दिया था। इस खबर से भाजपा समर्थकों में निराशा और आक्रोश देखने को मिल रहा था। भाजपा से हिसुआ सीट पर पूर्व विधायक अनिक सिंह को टिकट की घोषणा पर समर्थकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। भाजपा पूर्व विधायक अनिल सिंह को टिकट मिलने पर नरहट मंडल अध्यक्ष नवीन सिंह, शेखपुरा मंडल अध्यक्ष अनिल राजबंशी, भाजपा नेता विवेकानंद, धर्मेंद्र सिंह, मुरारी मनोहर, राजो सिंह, संजय उर्फ मांगो सिंह, सुरेश सिंह, संजय सिंह आदि भाजपाईयों ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार जताया है।

शराब के साथ एक महिला समेत तीन धराया

नरहट (नवादा)। थाना क्षेत्र के अलग अलग जगहों से पुलिस ने छापेमारी कर 15 लीटर शराब बरामद किया है। इस मामले में एक महिला समेत तीन लोगों को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष अंगद कुमार ने बताया कि पुनौल गांव से 5 लीटर देशी शराब के साथ कौशल्या देवी को गिरफ्तार किया गया है। दरगाहीबिगहा गांव से सोहन चौधरी उर्फ साहेब को 5 लोटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। हजरतपुर गांव से लालकेश्वर चौधरी को 5 लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई मंगलवार की शाम की गई थी। तीनों आरोपी घर में देशी शराब बनाने का कारोबार कर रहा था। तीनों के ऊपर शराब बंदी कानून के अंतर्गत केस दर्ज कर बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

युवक के घर से पिस्टल व पांच जिंदा कारतूस बरामद

नौबतपुर, पटना विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने अवैध हथियारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में पटना जिले के पिपलावां थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव में मंगलवार देर रात पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी सागर कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि जैतीपुर गांव निवासी प्रेमजीत सिंह के घर में अवैध हथियार रखा गया है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को जानकारी दी गई और एक विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की गई। टीम ने प्रेमजीत सिंह के घर पर छापा मारा, जहां वह सोया हुआ मिला। तलाशी के दौरान उसके कमरे से एक देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस (7.65 एमएम) और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बरामद हथियारों की जब्ती सूची तैयार की और आरोपी से पूछताछ शुरू की है। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी से यह जानकारी ली जा रही है कि हथियार कहां से लाया गया था और इसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से होना था। सिटी एसपी वेस्ट भानु प्रताप ने बताया कि यह कार्रवाई पुलिस की सतर्कता और त्वरित प्रतिक्रिया का नतीजा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए अभियान जारी रहेगा और अवैध हथियार रखने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

देसी पिस्टल के साथ युवक गिरफ्तार, साथी पर लगाया हथियार छिपाने का आरोप

पटना। राजधानी पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र से पुलिस ने मंगलवार देर शाम एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए युवक की पहचान बेऊर मुसहरी निवासी अमित कुमार उर्फ अमित मेहता (40 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी पिस्टल, दो मैगजीन, पांच जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पटना सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि भिखना पहाड़ी स्थित मुसल्लहपुर हाट के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना के आधार पर पीरबहोर थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और अमित कुमार को हथियार समेत गिरफ्तार कर लिया। बरामद पिस्टल पर "USA" अंकित है, जिसकी जांच की जा रही है। पूछताछ में आरोपी अमित ने पुलिस को बताया कि यह हथियार उसका नहीं, बल्कि उसके रूम पार्टनर भीम का है। भीम ने ही उसे कुछ समय के लिए हथियार छिपाने को कहा था। अमित का कहना है कि वह हथियार को किसी दूसरी जगह रखने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार और कारतूस आखिर कहां से लाए गए थे और इसका मकसद क्या था। फिलहाल पुलिस के मुताबिक आरोपी का कोई पूर्व आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। पूछताछ के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेनिंग में जा रहे दो शिक्षकों को पिकअप वैन ने मारी टक्कर, एक की मौत

दूसरा गंभीर रूप से घायल

निज संवाददाता। जहानाबाद

घोसी थाना क्षेत्र के धामापुर मोड़ के पास एक भीषण सड़क हादसे में शिक्षा विभाग से जुड़े दो शिक्षक बुरी तरह घायल हो गए, जिनमें से एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि दोनों शिक्षक पोलिंग अफसर की ट्रेनिंग में भाग लेने के लिए जहानाबाद जा रहे थे। मृतक शिक्षक की पहचान नालंदा जिले के हिलसा निवासी दीपक कुमार के रूप में की गई है, जबकि घायल शिक्षक प्रशांत कुमार बताए जा रहे हैं। दोनों ओकरी स्थित रामानंद शर्मा स्मारक प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में पदस्थापित थे। दीपक कुमार अपने सरल स्वभाव और विद्यार्थियों के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते थे। उनके निधन की खबर से विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों में गहरा शोक व्याप्त है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, जब दोनों शिक्षक अपनी बाइक से धामापुर-हबलीपुर मोड़ के पास पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने उनकी बाइक में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों कई फीट दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। ग्रामीणों की मदद से दोनों शिक्षकों को काको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PSC) ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जहानाबाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने दीपक कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल प्रशांत कुमार को बेहतर इलाज के लिए पटना PMCH रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। दीपक कुमार परिवार के इकलौते कमाऊ सदस्य थे। उनके अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं ओकरी विद्यालय के शिक्षकों ने दीपक कुमार की मौत को शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति बताया है। घटना की सूचना मिलते ही घोसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि पिकअप चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

निज संवाददाता। फतुहा

दानापुर रेल मंडल के फतुहा स्टेशन के पास मंगलवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया। ट्रेन से गिरकर 30 वर्षीय राधेश्याम कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मृतक की पहचान पीतांबरपुरा गांव निवासी स्व. वासू राय के बेटे राधेश्याम कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि राधेश्याम मंगलवार सुबह किसी जरूरी काम से पटना गया था। शाम को लौटते वक्त बाजार समिति के पास किसी अज्ञात ट्रेन से गिर पड़ा। हादसा इतना भीषण था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बुधवार सुबह जब ग्रामीणों की नजर पुलिया के अप लाइन किनारे पड़े शव पर पड़ी, तो उन्होंने तत्काल इसकी सूचना फतुहा रेल थाना को दी। सूचना मिलते ही रेल थानाध्यक्ष मनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर थाना लाया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा। राधेश्याम पेशे से राजमिस्त्री था और उसी के सहारे परिवार का भरण-पोषण होता था। उसके पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चे हैं। अचानक हुई इस मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजन लगातार रो-रोकर बेहाल हैं। परिजनों ने कहा कि अब घर की आर्थिक स्थिति संकट में पड़ गई है और बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता

निज संवाददाता। नवादा

नवादा जिले के वारिसलीगंज विधानसभा क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगी रंगोलियों के जरिए छात्रों ने लोकतंत्र की सुंदर झलक प्रस्तुत की और मतदाताओं को मतदान के महत्व का संदेश दिया। रंगोलियों में लोकतंत्र, मतदान और नागरिक जिम्मेदारी से जुड़े आकर्षक संदेश लिखे गए, जिनमें प्रमुख नारा रहा — "हमारा वोट, हमारी जिम्मेदारी — सही समय पर मतदान करें और लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।" इस अवसर पर शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की रचनात्मक पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होती हैं। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से आगामी विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

जहानाबाद में नदी से मिला युवक का शव परिवार ने मुआवजे की मांग को लेकर किया सड़क जाम

निज संवाददाता। जहानाबाद

घोसी थाना क्षेत्र के चुनुपुर गांव में बुधवार सुबह फल्गु नदी से एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान गांव के ही कौशल कुमार के रूप में की गई है, जो सोमवार की रात से लापता था। शव मिलने के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर जहानाबाद-एकंगरसराय मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। करीब दो घंटे तक सड़क पूरी तरह ठप रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मृतक के पिता वीरेंद्र कुमार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सोमवार की रात घोसी थाना की पुलिस गांव में एक अभियुक्त को पकड़ने आई थी। इस दौरान उनके बेटे समेत आठ युवकों को हिरासत में लिया गया था। सात लोगों को थाने से छोड़ दिया गया, लेकिन उनका बेटा कौशल वापस नहीं लौटा। इसके बाद से ही वह लापता था।

बुधवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने फल्गु नदी में एक शव तैरता देखा और इसकी सूचना परिवार को दी। परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान कौशल कुमार के रूप में की। इसके बाद पूरे गांव में गुस्सा फैल गया। लोगों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सोमवार को छापेमारी के दौरान घरों में घुसकर मारपीट की थी और कौशल की पीट-पीटकर हत्या की गई है।

उन्होंने कहा कि यह साफ तौर पर पुलिस की लापरवाही और क्रूरता का मामला है। वहीं, सूचना मिलते ही SDPO संजीव कुमार और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने लोगों को समझाने का प्रयास किया और जांच का भरोसा दिया, जिसके बाद करीब दो घंटे बाद सड़क जाम समाप्त कराया गया। SDPO संजीव कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला डूबने से हुई मौत का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा किसी तरह की मारपीट या दुर्व्यवहार की बात पूरी तरह निराधार है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

अपहरण मामले में 8 घंटे में सन्नी कुमार की सकुशल बरामदगी, 6 गिरफ्तार

निज संवाददाता। पटना

गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के आनंद विहार कॉलोनी रोड नंबर 2 में रहने वाले सन्नी कुमार का मंगलवार को अपहरण कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, सन्नी शॉपिंग के लिए घर से निकले थे कि तभी अपहरणकारी उनके पीछे पड़ गए। अपहरणकर्ताओं ने उनकी पत्नी रूबी देवी से 5 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। पत्नी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तकनीकी इनपुट और त्वरित छानबीन के आधार पर अपहरण के केवल 8 घंटे के भीतर सन्नी कुमार को सकुशल बरामद कर लिया। इस कार्रवाई में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सन्नी ने पूछताछ में बताया कि अपहरण का कारण पहले की जमीन की खरीद-बिक्री में 5 लाख रुपए की लेन-देन थी। उन्होंने पैसे भी चुका दिए थे, लेकिन आरोपियों को और रकम चाहिए थी। इसलिए उन्होंने सन्नी का बलपूर्वक अपहरण किया। अपहरण के दौरान सन्नी को शहर के अलग-अलग हिस्सों में घुमाया गया और अंततः जीरो माइल बाईपास के पास अपने दोस्त के कमरे में रखा गया, जहां से उनकी बरामदगी हुई। रूबी देवी ने आरोपियों के साथ हुई फोन बातचीत और फिरौती की लोकेशन पुलिस के साथ साझा की। पुलिस ने लोकेशन पर गोपनीय तरीके से आरोपियों की निगरानी की। जैसे ही दो आरोपी लोकेशन पर पहुंचे, पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवानंद कुमार (28) जहानाबाद और रमेश कुमार (33) चित्रगुप्त नगर के रूप में हुई। इनकी निशानदेही पर अन्य चार आरोपियों—विकास कुमार (18), मनोज कुमार (22), दीपक कुमार (27), और पवन कुमार (26)— को भी गिरफ्तार किया गया। सेंट्रल SP दीक्षा ने बताया कि अपहृत सन्नी कुमार को 8 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया गया है। घटनास्थल से आरोपियों की बाइक भी बरामद की गई है। रूबी देवी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और मामले की जांच जारी है।

रकारी स्कूलों में अंतर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस पर बच्चों में स्वच्छता की जागरूकता

निज संवाददाता। गयाजी

जिले के सभी सरकारी स्कूलों में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय हाथ धुलाई दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व और नियमित हाथ धोने के फायदे बताए। प्राइमरी स्कूल कोरमथु एस.सी. में बच्चों के बीच हाथ धोने का मॉकड्रिल भी आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना था। शिक्षक इमरोज़ अली ने सबसे पहले बच्चों को हाथ धोने का सही तरीका सिखाया और उसका अभ्यास कराया। इसके बाद बच्चों ने भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोने की शपथ ली।

इमरोज़ अली ने बताया कि नियमित रूप से हाथ धोने से बच्चों को दस्त, डायरिया, पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव होता है, जो उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। उन्होंने बच्चों को साफ-सफाई का महत्व समझाते हुए कहा कि स्वच्छता ही स्वास्थ्य की पहली सीढ़ी है। इस अवसर पर एचटी सुरेश चौधरी, शिक्षिका ख़ालिदा परवीन, शिक्ष सेवक उपेंद्र कुमार और कई स्कूली बच्चे उपस्थित रहे। बच्चों ने उत्साहपूर्वक हाथ धोने का अभ्यास किया और शपथ लेकर स्वच्छता अपनाने का संकल्प लिया।

डॉ॰ कलाम ने अपना अधिकतर जीवन युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिये किया समर्पित-मधु

मध्य विद्यालय दखिनगांव में श्रद्धा पूर्वक पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन डॉ॰ एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती मनी

निज संवाददाता। वज़ीरगंज

प्रखंड के मध्य विद्यालय दखिनगांव में बुधवार को भारत के महान वैज्ञानिक मिसाईल मैन व 11वें राष्ट्रपति डॉ॰ एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती विद्यालय प्रधान शिक्षिका मधु के देखरेख में श्रद्धा पूर्वक मनाई गई |समारोह में उपस्थित शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने इनकी तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्जवलित किया एवं इनकी जीवनी पर चर्चा करते हुए इनके पदचिन्हों पर चलने का आह्वान किया |विद्यालय प्रभारी शिक्षिका मधु ने कहा कि डॉ॰ कलाम अपना अधिकतर जीवन युवा पीढ़ी को प्रेरित करने और गाईड करने के लिये समर्पित कर दिया था |उनका मानना था कि युवा पीढ़ी यानि स्टूडेंट्स ही हैं जो दुनिया में बड़े बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं |डॉ॰ अब्दुल कलाम ने कहा था कि "सपने सच होने से पहले आपको सपने देखने होंगे" |उन्होंने साईंस और टेक्नोलॉजी विशेषकर मिसाइल और अंतरिक्ष अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया |इनके जन्म दिन पर 15अक्टूबर को विश्व छात्र दिवस के रूप में भी मनाया जाता है|इस दौरान विद्यालय की छात्रा अनुष्का ,चांदनी ,सलोनी ,दूज रानी ने भी गीत संगीत एवं भाषण के द्वारा इनकी जीवनी पर प्रकाश डाला एवं नमन किया |इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक उपेन्द्रनाथ कौशल ,प्रभाकर कुमार रविरंजन कुमार सहित विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं मौजूद थे |

एनडीए प्रत्याशी अरुण मांझी नामांकन दाखिल के बाद किया सभा का आयोजन

निज संवाददाता। मसौढ़ी

विधानसभा सीट से जदयू नेता एनडीए प्रत्याशी अरुण मांझी ने बुधवार को एसडीएम अभिषेक कुमार के समक्ष अपना नामांकण किया है. अनुमंडल कार्यालय के गेट के बाहर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं की भीड़ लगी हुई थी।वही, नामांकन दाखिल के बाद एनडीए प्रत्याशी अरुण मांझी सीधे सभा को संबोधित करने के लिए मधुर मिलन उत्सव हॉल में पहुंचे।जहां पर

पूर्व सांसद अरुण कुमार विधान पार्षद गुलाम गौस नरेन्द्र चंद्रवंशी रमेश ठाकुर खुशबू रानी अरुण चंद्रवंशी शत्रुध्न पासवान बंटी चंद्रवंशी पटना जिला प्रभारी मनोरंजन गिरी राजेश कुमार उर्फ पिंटू रजक सहित एनडीए के कई नेता मंच पर दिखे। एनडीए प्रत्याशी सह जदयू नेता अरुण मांझी ने बताया कि मसौढ़ी विधानसभा का नेता नहीं बेटा बन कर काम करूंगा, 2010में भी मै मसौढ़ी विधानसभा से निर्वाचित होकर इस क्षेत्र में कार्य किया था,अगर जनता उन्हें पुनःमौका देती है तो मसौढ़ी विधानसभा में सबसे पहले डिग्री कॉलेज बनवाने का काम करूंगा।उन्होंने कहा कि अरुण मांझी टिकट के लिए चुनाव नहीं रहता है।पार्टी का सच्चा सिपाही बनकर काम करते हैं। नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के द्वारा जो विकास कार्य बिहार के लिए किया गया है,एनडीए की नीति है सबका साथ सबका विकास, यह मेरे द्वारा किया भी जाएगा.

संक्षिप्त समाचार

रांची के विभिन्न इलाकों में 16 अक्टूबर को बिजली रहेगी गुल

रांची। राजधानी रांची में गुरुवार को विद्युत शक्ति उपकेंद्र (पावर सब स्टेशन) पॉलीटेक्निक में मीटरिंग यूनिट लगाने से संबंधित कार्य किया जाएगा, जिसकी वजह से विद्युत शक्ति उपकेंद्र पॉलीटेक्निक से निकलने वाले 11 केवी के सभी फीडर की विद्युत आपूर्ति अलग-अलग समय में डेढ़ घंटे के लिए बाधित रहेगी। यह जानकारी बुधवार को बिजली विभाग की ओर से दी गई। बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रांची के जिन इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी, उनमें 11 केवी मेन रोड में सुबह आठ बजे से 9.30 बजे तक, 11 केवी बासरटोली में सुबह 9.30 बजे से 11.00 बजे तक, 11 केवी सुजाता में सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक, 11 केवी चर्च रोड में दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 2:00 तक और 11 केवी पथलकुदवा में दोपहर दो बजे से दोपहर 3.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने विभिन्न कोषांगों का किया निरीक्षण, दिया निर्देश

पूर्वी सिंहभूम। जिले के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के सुचारू और निष्पक्ष संचालन के लिए गठित विभिन्न कोषांगों का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने बुधवार को किया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन कोषांग, व्यय कोषांग, पोस्टल बैलेट के लिए चिन्हित स्ट्रांग रूम, सामग्री कोषांग, ईवीएम कोषांग और परिवहन कोषांग का निरीक्षण कर कार्यों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि सभी कोषांग निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अपने कार्यों को पूर्ण तत्परता से करें। प्रत्येक कोषांग की भूमिका और जिम्मेदारी स्पष्ट है। उन्होने निर्वाचन कोषांग के निरीक्षण में मतदान केंद्रों की तैयारी, कार्मिकों की तैनाती, प्रशिक्षण कार्यक्रम और लॉजिस्टिक को लेकर परस्पर समन्वय पर बल दिया। व्यय कोषांग की ओर से प्रत्याशियों के व्यय लेखा की सतत निगरानी की जा रही है, जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने पार्टी/ प्रत्याशी और समर्थकों ने निर्वाचन कार्य के निमित्त किए जा रहे व्यय पर निगरानी रखे जाने और किसी भी संदिग्ध लेनदेन पर तत्क्षण रिपोर्ट करने के निर्देश दिया। पोस्टल बैलेट के लिए स्ट्रांग रूम जिला उद्योग केन्द्र में चिन्हित किया गया है । परिसर की सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने अधिकारियों निर्देश दिया। वहीं सामग्री कोषांग के प्रभारी से चुनाव सामग्रियों का सुरक्षित संधारण और वितरण की तैयारी की जानकारी ली। ताकि मतदान दल को सुगमता से मतदान सामग्री दिया जा सके। ईवीएम कोषांग को मशीनों का रख-रखाव, परिवहन कोषांग को मतदान कर्मियों और सामग्रियों के सुरक्षित एवं समयबद्ध परिवहन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी कोषांग समन्वय बनाकर कार्य करें, किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसे पूर्ण निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराना सभी कोषांगों की सामूहिक जिम्मेदारी है । मौके पर उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान और सभी संबंधित कोषांगों के प्रभारी एवं सहायक प्रभारी पदाधिकारी उपस्थित थे।

घाटशिला उपचुनाव में शामिल मतदान और सुरक्षा कर्मियों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा: उपायुक्त

पूर्वी सिंहभूम। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिले के सरकारी और निजी अस्पतालों के प्रबंधकों के साथ बुधवार को समाहरणालय सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि घाटशिला उपचुनाव में शामिल प्रत्येक मतदान और सुरक्षा कर्मियों की स्वास्थ्य सुरक्षा जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अस्पताल यह सुनिश्चित करें कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में बिना विलंब के कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए, चाहे वह सरकारी हो या निजी अस्पताल। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सकीय संसाधन, दवाइयां एवं चिकित्सक दल की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों को निर्वाचन अवधि में 24 घंटे सातों दिन आपातकालीन सेवा के लिए अलर्ट मोड पर रखा जाए। सभी अस्पताल जिला नियंत्रण कक्ष एवं स्वास्थ्य विभाग से सीधा समन्वय बनाए रखें। कैशलेस उपचार के उपरांत संबंधित बिल- विपत्र जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया जाए, जिसपर विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर भुगतान किया जाएगा। इस सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता पाए जाने पर संबंधित पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी । बैठक में ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, उप विकास आयुक्त नागेन्द्र पासवान, सिविल सर्जन डॉ साहिर पाल, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, जिला स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारी, अनुमंडल अस्पताल और सीएचसी प्रभारी एवं निजी अस्पतालों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

भाई की विधवा से अवैध संबंध का विरोध करने पर हमला

पूर्वी सिंहभूम। परसुडीह थाना क्षेत्र के सरजमदा लुपुग टोला में घर की इज्जत बचाने की कोशिश एक युवक को भारी पड़ गई। बताया जाता है कि जब बुधान मार्डी ने अपने भाई की विधवा पत्नी के साथ चल रहे अवैध संबंध का विरोध किया, तो आरोपित ने उस पर जानलेवा हमला कर दिया। यह घटना सोमवार की रात को हुई, जब बुधान ड्यूटी से घर लौट रहा था।वही पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, रास्ते में राहरगोड़ा क्रिश्चियन बस्ती निवासी विजय टोपनो ने बुधान को रोक लिया और गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसने अपने पास रखे थर्मोकोल कटर से बुधान के जबड़े के पास वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। खून से लथपथ हालत में बुधान किसी तरह परसुडीह थाना पहुंचा और पूरे मामले की लिखित शिकायत दी। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तत्काल छापेमारी कर आरोपित विजय टोपनो को गिरफ्तार कर लिया। परसुडीह थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि आरोपित को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। वहीं घायल बुधान मार्डी का इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

हमर अधिकार मंच (हम) का हुआ गठन, दीपेश निराला बने अध्यक्ष

एजेंसी। रांची

रांची में बुधवार को आम लोगों के अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 में विस्तृत अधिकारों पर जागरूकता और उनके क्रियान्वयन एवं आम लोगों को न्याय प्राप्त करने में सुविधा देने के उद्देश्यसे हमर अधिकार मंच (हम) का गठन किया गया। हमर अधिकार मंच के गठन और पंजीकरण की प्रक्रिया भीम जिला अवर निबंधक कार्यालय में संपन्न हुई। हमर अधिकार मंच के अध्यक्ष दीपेश निराला ने बताया कि हमर अधिकार मंच का गठन का मुख्य उद्देश्य नागरिक अधिकारों पर चर्चा, संवाद और जागरूकता प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि संविधान के भाग-3 हमें मौलिक अधिकार देता है और मानव अधिकार के लिए मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 लागू है। पूरे भारतवर्ष से सदस्यों को आमंत्रित कर 51 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति का गठन कर जल्द हमर अधिकार मंच का विस्तार किया जाएगा। हमर अधिकार मंच के गठन कार्यक्रम में रांची सहित गढ़वा, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, गिरिडीह, धनबाद सहित झारखंड के 24 जिलों से कुल 25 सदस्यों ने भाग लिया।

इसमें अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष रेणुका तिवारी, महासचिव उमाशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी और सचिव अंकित अग्रवाल शामिल हुए। इस दौरान पूर्वी सिंहभूम से अनूप श्रीवास्तव, सरायकेला-खरसावां से रश्मि भेंगरा, लोहरदगा से शकील अख्तर और प्रदीप राणा, गिरिडीह से चंद्रदेव बरनवाल चंदू, गढ़वा से पवन कुमार केसरी, पलामू से प्रियब्रत प्रसाद, धनबाद से सूर्य प्रकाश, लातेहार से नवल किशोर लाल, रांची से मीना कुमारी, जूही चौधरी, दिलीप कुमार, अरविंद कुमार मिश्रा, दीनबंधु कुमार, मनीष बक्शी, संतोष मृदुला, आशीष जायसवाल, बिरेंद्र नगड़ूवार, ओमप्रकाश उपाध्याय, शोहिद आलम, राजकुमार, दलबीर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डीएवी बरियातु के विद्यार्थियों ने किया खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन

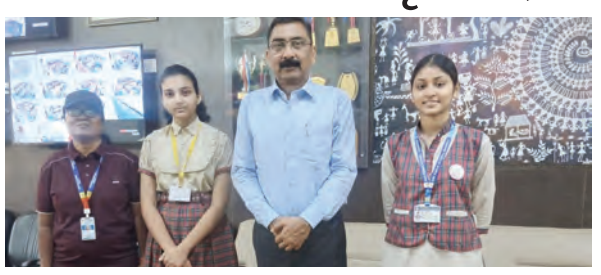

एजेंसी। रांची

खेलो झारखंड के तत्वावधान में राज्यस्तरीय विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में परचम लहराकर डीएवी बरियातु की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए पात्रता हासिल की है। सातवीं कक्षा की अक्षरा ने अंडर-17 शतरंज और 11वीं कक्षा की नंदिता सेन ने अंडर-17 बैडमिंटन प्रतियोगिता जीतकर स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने की पात्रता हासिल की है। प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्रदर्शन के आधार पर इनके राष्ट्रीय स्तर पर शामिल होने की प्रबल संभावना है। विद्यालय की इस सफलता में चार चांद लगाने का कार्य प्री-प्राइमरी के विद्यार्थियों ने किया। चिन्मय मिशन की ओर से आयोजित गीता पाठ प्रतियोगिता में यूकेजी के प्रभाकर कुमार ने ग्रुप ए में और पहली कक्षा के दीक्षांत त्रिपाठी ने ग्रुप बी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने विजेता और उनके अभिभावक और शिक्षकों को बधाई दी और अगले चरण में उनकी सफलता के लिए उन्हें प्रेरित किया।

झारखंड के 14 जिलों में 16 से छाए रहेंगे बादल

एजेंसी। रांची

झारखंड के 16 जिलों में गुरुवार और शुक्रवार से आंशिक बादल छाए रहेंगे। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में आंशिक बादल छाए रहेंगे उनमें राज्य के मध्यवर्ती जिले रांची, रामगढ़, खूंटी, हजारीबाग, बोकारो, गुमला, धनबाद, कोडरमा और लोहरदगा के अलावा राज्य के पश्चिमी जिले गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार शामिल हैं। 18 अक्टूबर को मौसम साफ रहेगा। इसके बाद 19 और 20 अक्टूबर को फिर से राज्य के कई जिलों में बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा और बारिश की संभावना नहीं है। वहीं विभाग ने अगले पांच दवर्ष नों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी प्रकार के बड़े बदलाव की संभावना से इंकार किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान झारखंड में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 34 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 17.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बुधवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा। सुबह में हल्की ठंड रही दोपहर में धूप में तल्खी महसूस की गई। रांची में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री, जमशेदपुर में 33.8 डिग्री, डाल्टनगंज में 31.6, बोकारो में 32.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

भाजपा ने घाटशिला उपचुनाव के लिए बाबूलाल सोरेन को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी। रांची

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्रीय चुनाव समिति ने बाबूलाल सोरेन को झारखंड के घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के लिए होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है। इस संबंध में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने पत्र जारी कर दिया है। बाबूलाल सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र हैं और इससे पहले भी वे घाटशिला सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं। भाजपा की स्थानीय इकाई ने उनके नाम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में इस बार भी भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। पिछली बार 2019 के विधानसभा चुनाव में बाबूलाल सोरेन को झामुमो के रामदास सोरेन ने पराजित किया था। उस चुनाव में रामदास सोरेन को 98,356 वोट मिले थे, जबकि बाबूलाल सोरेन को 75,910 वोट प्राप्त हुए थे। चुनाव आयोग ने घाटशिला विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की तिथि की घोषणा कर दी है। यहां मतदान 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होनी है, जबकि नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर है। चुनाव आयोग की ओर से यहां कुल 300 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदाताओं की संख्या और क्षेत्र का विवरणघाटशिला विधानसभा क्षेत्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित है। इस क्षेत्र में कुल 2,55,823 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 1,24,899 और महिला मतदाता 1,30,921 हैं, जबकि ट्रांसजेंडर मतदाता की संख्या तीन है। उल्लेखनीय है हाल ही में झामुमो विधायक रामदास सोरेन के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। अब उपचुनाव की घोषणा के साथ ही घाटशिला में सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को फिर से मैदान में उतारकर यह साफ संकेत दिया है कि पार्टी इस सीट को झामुमो से छीनने के लिए पूरी ताकत लगाएगी। झामुमो ने अभी तक अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है।

झारखंड में अपराधियों का तांडव पुलिस बनी है मूकदर्शक : बाबूलाल

एजेंसी। रांची

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में लगातार बढ़ते आपराधिक घटनाओं को लेकर राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम रहने और पुलिस पर वसूली में व्यस्त रहने का आरोप लगाया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर दिनदहाड़े सीमेंट कारोबारी राधेश्याम साहू पर हुई गोलीबारी ने यह साबित कर दिया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। अपराधी खुलेआम तांडव मचा रहे हैं, जानलेवा हमले और गोलीबारी कर व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं, लेकिन हमारा पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। मरांडी ने कहा कि लगातार कारोबारियों पर हो रहे हमलों से व्यावसायिक समुदाय में भय और असुरक्षा का माहौल गहराता जा रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि झारखंड में अब कारोबार करना खतरे से खाली नहीं रहा है। जब राजधानी ही असुरक्षित है, तो प्रदेश के बाकी हिस्सों की स्थिति का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनबाद, बोकारो, हजारीबाग और जमशेदपुर जैसे शहरों में अपराधी भयादोहन करने लिये फायरिंग कर आतंक फैलाए हुए हैं। व्यवसायी से लेकर डॉक्टर और इंजीनियर तक भयादोहन के शिकार बनाये जा रहे हैं। ऐसा लगता है इस धंधें का हिस्सेदार भी पुलिस और सत्ता में बैठे लोग हैं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार जनता को सुरक्षा प्रदान करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। कानून-व्यवस्था संभालने के बजाय पुलिस वसूली में व्यस्त है। अपराधियों को कांड करने की खुली छूट मिली हुई है, जिससे आम जनता और व्यापारी वर्ग भयभीत है। मरांडी ने राज्य सरकार से तत्काल अपराधियों की गिरफ्तारी और प्रदेश में सुरक्षा-व्यवस्था को दुरुस्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार और प्रशासन ने अब भी होश नहीं संभाला, तो झारखंड में व्यवसाय करना दूभर हो जाएगा।

अपराधियों ने दिनदहाड़े कारोबारी को मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची के कटहल मोड़ पर अपराधियों ने दिनदहाड़े एक कारोबारी को गोली मार दी। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घायल कारोबारी राधेश्याम साहू को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि राधेश्याम साहू हर दिन की तरह अपनी दुकान शांभवी इंटरप्राइजेज के पास खड़े थे। इसी दौरान बाइक सवार दो अपराधियों ने उन पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। दिनदहाड़े फायरिंग होने की वजह से थोड़ी देर के लिए कटहल मोड़ के पास अफरा-तफरी मच गई। राधेश्याम साहू को गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायल राधेश्याम को अस्पताल पहुंचाया। राधेश्याम साहू कटहल मोड़ पर छड़ और सीमेंट का कारोबार करते हैं।

एचईसी मजदूरों को भड़काने में लगे हैं कुछ नेता : भवन

एजेंसी। रांची

हटिया मजदूर यूनियन के तत्वावधान में बुधवार को एफएफपी बिल्डिंग शेड में बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में स्थायी और सप्लाई मजदूर शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष भवन सिंह ने की और संचालन महामंत्री हरिराम रजवार ने किया। बैठक में भवन सिंह ने कहा कि सप्लाई मजदूर संघर्ष समिति न तो निबंधित संस्था है और न ही मान्यता प्राप्त संगठन है। इनके नेता मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने के बजाय मजदूरों को भड़काने में लगे हैं। यदि वे वास्तव में मजदूरों का भला चाहते, तो झारखंड में डीए लागू कराने, एएल छुट्टी और बोनस दिलाने जैसी मजदूरों की समस्याओं को दूर करने की पहल करते। उन्होंने कहा कि कुछ नौसिखिए नेता मजदूरों की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं, जबकि जीत केवल एकता और हटिया मजदूर यूनियन के अनुभवी नेतृत्व के तहत संघर्ष से ही संभव है। उन्होंने कहा कि सप्लाई मजदूरों की सात सूत्री मांगें, जिनका समझौता 2010 एवं 2011 में हुआ था, तत्काल प्रभाव से पुनः लागू की जाएं। ये लाभ वर्षों से मिलते रहे हैं, पर संघर्ष समिति के कुछ नेताओं ने प्रबंधन से मिलीभगत कर इन्हें बंद करा दिया है। यूनियन इन्हें पुनर्स्थापित करने के लिए कार्रवाई करेगी। महामंत्री हरिराम रजवार और वरिष्ठ नेता हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि सभी मांगों को लेकर त्योहरों के बाद एचईसी परिसर में आमसभा कर आंदोलन की घोषणा की जाएगी। बैठक में 18 बैच प्रमोशन, पीएफ, पे-स्लीप, डीए और बोनस की सुविधा दिलाने सहित अन्य मांगों को पूरा कराने की दिशा में कार्रवाई करने पर सहमति बनी। बैठक में भवन सिंह के अलावे हरिराम रजवार, हरेंद्र प्रसाद सहित कई मजदूर मौजूद थे।

स्वामी नारायण मंदिर की थीम पर हो रहा पंडाल का निर्माण

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची में काली पूजा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। शहर के अलग-अलग स्थानों पर पंडाल निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसी क्रम में श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति इस वर्ष स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने पर भव्य काली पूजा का आयोजन कर रही है। समिति के उपाध्यक्ष प्रदीप पांडे ने बुधवार को बताया कि इस वर्ष का पंडाल अमेरिका के स्वामी नारायण मंदिर की थीम पर तैयार किया जा रहा है। पंडाल की ऊंचाई 90 फीट और चौड़ाई 100 फीट होगी। इसके निर्माण में बंगाल से आए लगभग 250 कारीगर जुटे हुए हैं। कारीगर तीन शिफ्ट में काम कर रहे हैं। पूजा और पंडाल निर्माण में लगभग 50 लाख रुपये लगेंगे, जिसमें से 25 लाख रुपये केवल पंडाल निर्माण पर खर्च किए जा रहे हैं। 23 फीट ऊंची मां काली की मूर्ति तैयार की गई है, जिसकी लागत एक लाख रुपये है।

प्रदीप पांडे ने बताया कि पंडाल को कोलकाता के चंदननगर से लाई गई लाइटों से सजाया जाएगा,जो इसे और भी आकर्षक बनाएंगी। मेला परिसर में विभिन्न प्रकार के झूले और फूड स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। उन्होंने बताया कि पूजा का शुभारंभ 20 अक्टूबर को होगा। पांच पंडितों विधिवत पूजा कर पंडाल का उद्घाटन करेंगे। पंडाल की भव्यता के कारण यहां दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। प्रतिदिन मां को विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। भोग में खिचड़ी, सब्जी, चटनी और पांच प्रकार के भाजा शामिल होंगे। भोग वितरण के लिए 10 हजार मिट्टी के बर्तन और एक लाख दोने मंगाए गए हैं। 25 अक्टूबर को विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

बनारस में लाल मिर्च, बुंदेलखंड में मूंगफली, बाराबंकी से आजमगढ़ तक केले का क्लस्टर तैयार होगा:योगी

बनारस, एजेंसी।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 'कमोडिटी क्लस्टर' दृष्टिकोण के तहत बुंदेलखंड में मूंगफली, वाराणसी में लाल मिर्च व सब्जी, बाराबंकी से आज़मगढ़ के बीच केला, कालानमक चावल, हरी मटर, उड़द और आलू आदि के क्लस्टर विकसित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केले की खेती को बढ़ावा देने के लिए 'टिशू कल्चर' को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सेक्टोरल विशेषज्ञों की नियुक्ति पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री मंगलवार को उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग प्रोजेक्ट (यूपी एग्रीज) की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर, टिकाऊ और डिजिटल रूप से सशक्त बनाना शामिल है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में 'डिजिटल एग्रीकल्चर इकोसिस्टम' के निर्माण की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि फसल, मौसम, बीज, सिंचाई, उर्वरक, बीमा, बाजार, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत सेवाओं से संबंधित सभी सूचनाएं एकीकृत प्लेटफॉर्म पर रियल टाइम उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डिजिटल कृषि नीति तैयार की जाए, जो राष्ट्रीय तकनीकी मानकों पर आधारित हो और सुरक्षित साइबर अवसंरचना तथा नवाचार आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित करे। उन्होंने कहा कि बीज से लेकर बाजार तक की प्रक्रिया को समग्र दृष्टिकोण से जोड़ते हुए यह परियोजना किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और राज्य के कृषि क्षेत्र को तकनीकी रूप से उन्नत एवं डिजिटल टिकाऊ कृषि तंत्र की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'कृषि से उद्योग तक' की सोच के साथ कार्य करते हुए मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जाए। निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश विविध कृषि सहायता परियोजना (यूपी डास्प) के समन्वयन में यूपी एग्रीज का क्रियान्वयन करते हुए कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों और किसान उत्पादक संगठनों को भी परियोजना से जोड़ा जाए।

बैठक में बताया गया कि यह परियोजना लगभग 4000 करोड़ (यूएस 500 मिलियन) की लागत से विश्व बैंक के सहयोग से छह वर्षों की अवधि के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश और बुंदेलखंड के 28 जनपदों में लागू की जा रही है। इसका उद्देश्य बदलते जलवायु परिदृश्य के अनुरूप कृषि उत्पादन में सतत वृद्धि करना और किसानों को बाजार से बेहतर रूप में जोड़ना है। परियोजना में उत्पादकता वृद्धि, संसाधनों के कुशल उपयोग, कृषि आधारित उद्योगों के विकास और कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कृषि वित्तीय प्रणाली को सुदृढ़ बनाना अत्यंत आवश्यक है। इसके अंतर्गत छोटे एवं सीमांत किसानों तथा कृषि आधारित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को ऋण सुविधा, जोखिम प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था और निजी निवेश को प्रोत्साहन पर बल दिया जाए। बैठक में बताया गया कि परियोजना से संबंधित संस्थागत तैयारियों में ठोस प्रगति हुई है। सामाजिक एवं पर्यावरणीय मूल्यांकन का कार्य पूरा हो चुका है। मॉनिटरिंग, लर्निंग एवं इवैल्यूएशन एजेंसी तथा तकनीकी सहायता एजेंसी का चयन किया जा चुका है।

अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (इर्री) के साथ छह वर्षीय उत्पादकता कार्यक्रम के लिए अनुबंध स्वीकृत हो चुका है। किसान उत्पादक संगठनों की क्षमता निर्माण के लिए तकनीकी सहायता एजेंसी का चयन शीघ्र किया जाएगा, जबकि तकनीकी परामर्शी एजेंसी का चयन अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य केवल कृषि उत्पादन बढ़ाना नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक घटक के परिणामों की नियमित समीक्षा की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि इसका सीधा लाभ किसानों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यूपी एग्रीज की सतत मॉनिटरिंग के लिए आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश भी दिए।

संक्षिप्त समाचार

जबलपुर में बढ़ रहे अचानक हार्ट अटैक के मामले

जबलपुर। डॉ. आर.एस. शर्मा, एमडी मेडिसिन, डीएम कार्डियोलॉजी (एम्स नई दिल्ली) ने बताया, शादी समारोहों, गरबा नाइट्स, जिम और सार्वजनिक कार्यक्रमों में नाचते या व्यायाम करते हुए अचानक गिरने वाले युवाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जबलपुर शहर में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां पूरी तरह स्वस्थ दिखने वाले लोग कुछ ही सेकंड में बेहोश होकर गिर पड़े और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल संयोग नहीं बल्कि सडन कार्डियक अरेस्ट (अचानक हृदय रुक जाना) का बढ़ता खतरा है। शलबी हॉस्पिटल और एस.एस. मेडिकल कॉलेज,जबलपुर के कार्डियोलॉजिस्ट के अनुसार ऐसे मरीजों के दिल में अक्सर पहले से ब्लॉकेज या इलेक्ट्रिकल गड़बड़ी होती है, जो समय पर जांच न होने से पता नहीं चलती। जब वे अचानक नाचते या व्यायाम करते हैं तो हृदय पर ज्यादा दबाव पड़ता है और ऑक्सीजन की कमी के कारण दिल रुक जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि जबलपुर की बदलती जीवनशैली ने स्थिति को और खराब कर दिया है। पौष्टिक घर का खाना अब तैलीय और पैकेटबंद फास्ट फूड ने ले लिया है। जरूरत से ज्यादा खाना, बार-बार स्नैकिंग, और फल-सब्जियों की कमी ने शरीर में पोषण असंतुलन पैदा कर दिया है। धूम्रपान, तनाव और नींद की कमी ने दिल को और कमजोर बना दिया है। डॉ. आर.एस. शर्मा, एमडी मेडिसिन, डीएम कार्डियोलॉजी (एम्स नई दिल्ली) के अनुसार चिंता की बात यह भी है कि कई लोग वर्षों तक निष्क्रिय रहने के बाद अचानक भारी व्यायाम या जिम शुरू कर देते हैं। डॉ. शर्मा ने कहा, बिना जांच कराए अचानक भारी एक्सरसाइज करना खतरनाक है।

रोमांस बनेगा मैक्स का स्पॉटलाइट!

भोपाल, एजेंसी। संगीतमय प्रेम कहानियाँ सिनेमा की दुनिया में बेहद दुर्लभ होती हैं – जो दिल को छू जाने वाले रोमांस को आत्मा को झंकृत कर देने वाले संगीत से इस तरह जोड़ती हैं कि फिल्म ख़त्म होने के बाद भी उसके एहसास मन में गूंजते रहते हैं। अनुराग बसु के निर्देशन में यह फिल्म सिर्फ़ प्रेम कहानियाँ नहीं सुनाती, बल्कि उन्हें महसूस करवाती है – और इसी वजह से यह अपने जॉनर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में शुमार हो चुकी है। सोनी मैक्स लेकर आ रहा है यह अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव – मेट्रोज इन दिनों का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर – रविवार, 19 अक्टूबर रात 8 बजे। मेट्रोज इन दिनों अनुराग बसु की लाइफ इन अज मेट्रो का सीक्वल है, जो हाइपरलिंक नैरेटिव के ज़रिए भारत के शहरी जीवन में रिश्तों की पेचीदगियों को बारीकी से दिखाती है। फिल्म को इसके संवेदनशील लेखन, शानदार एंसेंबल कास्ट और भावनाओं से भरे संगीत के लिए जबरदस्त सराहना मिली है। आलोचकों ने पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फज़ल, फातिमा सना शेख, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के अभिनय की खूब तारीफ़ की है – सभी ने प्रेम, वियोग और मोक्ष की जुड़ी हुई कहानियों को सच्चाई और गहराई से पेश किया है। अनुराग बसु का निर्देशन और प्रीतम का आत्मीय संगीत फिल्म की इमोशनल हार्टबीट कहलाया है, जो दर्शकों के दिल में लंबे समय तक गूंजता रहता है। यह फिल्म आज के दौर के मुद्दों – जैसे डेटिंग ऐप कल्चर, करियर का दबाव और रिश्तों में समझौते – पर रोशनी डालती है और दिखाती है कि तेज़ रफ़्तार शहरी जीवन में लोग प्रेम और अव्यवस्था के बीच कैसे संतुलन बनाते हैं।

आईआरईई 2025 और आईआरसी 2025 का उद्घाटन

विशेष संवाददाता (दिल्ली)

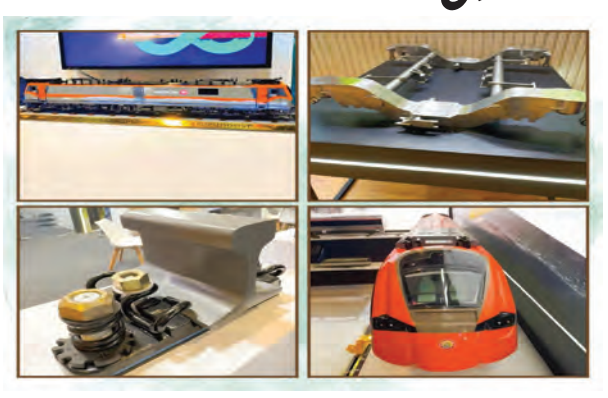

केंद्रीय रेल, सूचना और प्रसारण, और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना टेक्नोलॉजी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा रेल मंत्रालय के सहयोग से आयोजित 16वीं इंटरनेशनल रेल इक्विपमेंट प्रदर्शनी (आईआरईई) 2025 और इंटरनेशनल रेल कॉन्फ्रेंस (आईआरस) 2025 का उद्घाटन किया। आईआरईई रेलवे और ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रदर्शनी है, जो दुनिया भर के इंडस्ट्री लीडर्स, इनोवेटर्स और स्टेकहोल्डर्स को एक साथ लाती है। इस मौके पर, माननीय मंत्री ने कहा कि पिछले 11 सालों में, हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे के मॉडर्नाइजेशन पर बहुत ध्यान दिया है, और इसके नतीजे साफ दिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान लगभग 35,000 km नए ट्रैक बनाए गए हैं और 46,000 km रेलवे लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि अब हमारे पास 156 वंदे भारत एक्सप्रेस, 30 अमृत भारत और 4 नमो भारत सर्विस हैं, जो पूरे देश में बहुत पॉपुलर हैं। हमारा प्रोडक्शन लेवल भी काफी बढ़ गया है, हर साल 7,000 कोच बन रहे हैं। एग्जिबिशन के बारे में बात करते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि यह रेलवे टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन में भारत की तरक्की को दिखाने के लिए एक बड़ा प्लेटफॉर्म है, साथ ही पार्टनरशिप, इन्वेस्टमेंट और ग्रोथ के नए रास्ते भी खोलता है। इस मौके पर कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीईई) और गति शक्ति यूनिवर्सिटी के बीच एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर भी साइन हुए, जिससे इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन और मजबूत होगा। यह एग्जिबिशन और कॉन्फ्रेंस तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें इंडस्ट्री डिस्कशन, इंटरनेशनल पार्टिसिपेशन, बिजनेस मीटिंग और टेक्नोलॉजी शोकेस होंगे, जिससे रेल ट्रांसपोर्टेशन के भविष्य को बनाने में भारत की भूमिका और मजबूत होगी। आईआरईई 2025 में ऑस्ट्रिया, फ्रांस, जर्मनी, जापान, नीदरलैंड, साउथ कोरिया, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट्स और दूसरे 14+ देशों के 20,000 से ज़्यादा इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स और 450 से ज़्यादा एग्जिबिटर्स एक साथ आ रहे हैं। इंडियन रेलवे अपना अब तक का सबसे बड़ा पवेलियन पेश कर रहा है, जिसमें मॉडर्नाइजेशन, डिजिटल इनिशिएटिव्स और भविष्य की जरूरतों पर रोशनी डाली जाएगी। आईआरसी 2025 में लगभग 500 डेलीगेट्स "फ्यूचर रेडी रेलवेः इनोवेशन, इंटीग्रेशन और ग्लोबल पार्टनरशिप्स" थीम पर चर्चा करने के लिए आ रहे हैं, जो टेक्नोलॉजी में तरक्की, सहयोग और ग्लोबल कनेक्टिविटी पर फोकस करेगा। इस कॉन्फ्रेंस को बायर-सेलर और इंडस्ट्री-गवर्नमेंट इंटरैक्शन से सपोर्ट मिल रहा है ताकि नई पार्टनरशिप्स और बिजनेस के मौकों को बढ़ावा दिया जा सके।

नोएडा में देर रात आग का गोला बनी कार, चालक ने कूदकर बचाई जान

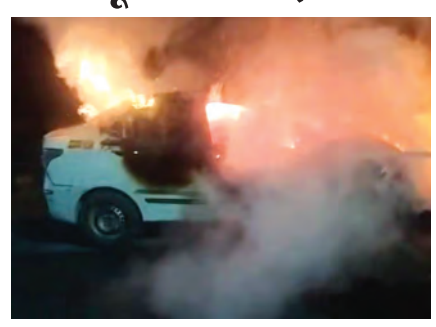

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में मंगलवार रात एक कार में भयंकर आग लगने की घटना सामने आई है। आग इतनी भयानक थी कि इसकी लपटें दूर तक देखी गईं। गनीमत रही कि कार के अंदर बैठे चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचा ली। लोगों की सूझबूझ के चलते आग पर 20 मिनट में काबू भी पा लिया गया। घटना नोएडा के छपरौली गांव के पास की है। क्रेन की मदद से कार को साइड किया गया। इस दौरान कार पूरी तरह से जलकर राख हो गई। कार में आग लगने की सूचना खुद कार चालक और वहां मौजूद लोगों ने पुलिस और दमकल विभाग को दी थी। मौके पर दमकल की एक गाड़ी को भेजा गया और 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग की चपेट में आकर कार का एक भी अंश नहीं बचा।

सीएफओ ने बताया कि कार ओमेंद्रा प्रधान रिया ट्रैवल कंपनी के नाम रजिस्टर्ड है। इसे विजेंद्र सिंह चला रहे थे। मंगलवार रात को कार में आग लगी। आग की वजह शॉट सर्किट हो सकती है। आग लगते ही आग इंजन की ओर बढ़ी बताया गया कि आग डीजल टैंक तक पहुंच गई थी। जिसके बाद आग और तेजी से फैल गई। आग लगते ही चालक ने कार को रोका और कूद गया। जिससे उसकी जान बची। आग से कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि कार पूरी तरह से जल गई। इस दौरान यातायात को रोका गया। आग बुझाने के बाद यातायात को सुचारु कर दिया गया। फिलहाल आग को बुझाने में दमकल विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

महाराष्ट्र में जनवरी 2026 तक ना हो एसआईआर, ईसीआई के पास पहुंची अर्जी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एमईसी) ने हाल ही में चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव को देखते हुए राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया जाए। एमईसी ने कहा है कि इस अगर आयोग की ऐसी कोई योजना है तो उसे जनवरी 2026 तक स्थगित किया दिया जाए। राज्य निर्वाचन आयोग बीते 9 सितंबर को आयोग को भेजे गए अपने पत्र में कहा है कि राज्य के अधिकारी स्थानीय निकाय चुनाव में व्यस्त रहेंगे और इसीलिए एसआईआर की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। एमईसी ने कहा, ''भारत के माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई 2025 के अपने आदेश के माध्यम से राज्य निर्वाचन आयोग को महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनाव चार महीने की अवधि के भीतर संपन्न कराने का प्रयास करने का निर्देश दिया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग को उचित मामलों में समय विस्तार की मांग करने की स्वतंत्रता भी प्रदान की है।'' राज्य निर्वाचन आयोग ने यह भी बताया कि स्ढ्ढक्र और स्थानीय निकाय चुनाव कराने वाले अधिकारी एक ही होंगे। बता दें कि महाराष्ट्र में सभी 29 नगर निगमों के 247 नगर परिषदों, 147 नगर परिषदों में से 42 नगर पंचायतों, 34 जिला परिषदों में से 32 और 351 पंचायत समितियों में से 336 के लिए चुनाव होने हैं। इन सभी निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया अस्थायी रूप से जनवरी 2026 तक जारी रहने की संभावना है। इस दौरान राज्य के अधिकतर उप जिलाधिकारी और तहसीलदार (जिन्हें स्थानीय निकाय चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी और सहायक निर्वाचन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है) इन चुनावों में व्यस्त रहेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने अपनी अर्जी में कहा, ''चूंकि उप जिलाधिकारी और तहसीलदार सहित क्षेत्रीय कर्मचारी स्थानीय निकाय चुनाव और विधानसभा मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए एक ही अधिकारी हैं, इसलिए अनुरोध है कि अगर आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू करने की कोई योजना है तो उसे कम से कम जनवरी 2026 के अंत तक स्थगित कर दिया जाए।''

इससे पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने सितंबर के पहले सप्ताह में जनवरी 2026 तक एसआईआर आयोजित करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी।

पुलिस का एक्शन, एनकाउंटर के बाद चेन स्नैचर नौशाद गिरफ्तार

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद चेन स्नैचर नौशाद उर्फ बादशाह को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसके पास से दो सोने की चेन, 48 हजार रुपये नकद, एक तमंचा और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। यह घटना ईस्टर्न पेरिफेरल अंडरपास के नीचे हुई, जहां मुरादनगर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। दुहाई गांव की तरफ से आ रही बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन सवार युवक नहीं रुका और कच्चे रास्ते की ओर मुड़ गया। गड्ढों के कारण मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ा और वह फिसलकर गिर गई। पुलिस द्वारा पकड़े जाने का प्रयास करने पर युवक ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें बदमाश नौशाद उर्फ बादशाह (उम्र करीब 31 वर्ष, निवासी फरुखनगर, थाना टीला मोड़, गाजियाबाद) के पैर में गोली लग गई। पूछताछ में सामने आया कि नौशाद अपने एक साथी के साथ मिलकर कुछ महीने पहले मोदीनगर से एक फ्लैट से ज्वेलरी और नकदी चोरी कर चुका है। उसने सितंबर माह में मुरादनगर क्षेत्र से और भगवान महावीर मार्ग, बड़ौत, बागपत से भी चेन स्नैचिंग की वारदातों को अंजाम दिया था। बरामद मोटरसाइकिल भी कुछ साल पहले साहिबाबाद थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। गिरफ्तार बदमाश डासना की तरफ बरामद सामान बेचने की फिराक में जा रहा था।

शहर के 852 पेट्रोल पंपों पर लगेंगे एएनपीआर कैमरे, पुरानी गाड़ियों की होगी निगरानी

गुरुग्राम , एजेंसी।
मिलेनियम सिटी गुरुग्राम के 852 पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर कैमरे लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। हरियाणा सरकार की ओर से पहले चरण में चार जिलों के पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर और सोनीपत शामिल हैं। उसके बाद दूसरे और तीसरे चरण में एनसीआर में आने वाले सभी जिलों में यह काम शुरू होगा। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर कैमरे से 10 साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों की पहचान होगी। एएनपीआर कैमरे लगने के बाद 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पैट्रोल के वाहन की पहचान पंप के प्रवेश पाइंट पर होगी। सॉफ्टवेयर की मदद से संबंधित वाहन की पूरी जानकारी मिलेगी। यदि वाहन 10 व 15 साल पुराने हो गए हैं तो उन्हें पेट्रोल-डीजल से इनकार कर दिया जाएगा। पंपों पर ऐसे काम करेगा कैमरा : कैमरे वाहनों के नंबर प्लेटों को ऑटोमैटिक रूप से पहचानने और पढ़ने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह कैमरे ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन तकनीक का उपयोग कर नंबर प्लेट की छवियों को डिजिटल टैक्स्ट में बदलते हैं, जिससे वाहनों की आवाजाही को ट्रैक करने, यातायात प्रबंधन, कानून प्रवर्तन और अन्य उद्देश्यों के लिए जानकारी एकत्र होगी। कैमरे में लगा सॉफ्टवेयर, जिसे ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन कहा जाता है, तस्वीरों से नंबर प्लेट के अल्फान्यूमेरिक टैक्स्ट (अक्षर और संख्याएं) को पहचनेगा। पहचाने गए नंबर प्लेट डेटा को एक डेटाबेस से मिलाया जाता है, जिसमें वाहन के मालिक, रजिस्ट्रेशन और अन्य जानकारी होती है। इस डेटा का उपयोग कर ट्रैफिक मैनेजमेंट, लॉ इन्फोर्समेंट, टोल कलेक्शन और क्राइम का पता लगाया जाएगा। जिला परिवहन विभाग के अनुसार, हरियाणा सरकार की ओर से ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरा (एएनपीआर) खरीदने की हो चुकी है। कैमरों की खरीद प्रक्रिया को पूरा करने के लिए फाइल मुख्यमंत्री ऑफिस में भेजी है। सीएम की मंजूरी मिलने के बाद ही परिवहन विभाग एएनपीआर कैमरों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

गाजियाबाद में गैंगस्टर ने बेटी के सामने की पत्नी की हत्या

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसाइटी में मंगलवार सुबह गैंगस्टर ने पारिवारिक विवाद में पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी ने 11 वर्षीय बेटी के सामने घटना को अंजाम दिया और फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक मृतका भी पति के साथ हत्या के मामले में जेल जा चुकी थी।

मूलरूप से मोदीनगर के तिबड़ा गांव की रहने वाली गैंगस्टर रूबी राजनगर एक्सटेंशन स्थित अजनारा इंटीग्रिटी सोसाइटी में दो बेटियों 15 वर्षीय काव्या और 11 नव्या के साथ खुद के फ्लैट में रहती थी। काव्या 10वीं और नव्या 5वीं क्लास की छात्रा है। सूत्रों के अनुसार, रूबी का गैंगस्टर पति विकास सहरावत से झगड़ा चल रहा था, जिसके चलते बीते कुछ माह से विकास पत्नी और बेटियों से अलग दूसरे स्थान पर रहने लगा। हालांकि, विकास का पत्नी और बेटियों के पास आना-जाना लगा रहता था, लेकिन जब भी वह आता था तो दंपती के बीच झगड़ा होता था। पारिवारिक विवाद में वारदात को अंजाम दिया : पुलिस की मानें तो विकास मंगलवार सुबह करीब 8 बजे रूबी के फ्लैट पर पहुंचा, जहां पारिवारिक विवाद को लेकर उनका झगड़ा हो गया। इसी दौरान विकास ने पिस्टल से गोली मारकर रूबी की हत्या कर दी और फरार हो गया। हत्या की सूचना पाकर डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय और एसएचओ नंदग्राम उमेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी जुटाई। पुलिस लहूलुहान हालत में रूबी को अस्पताल ले गई, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, विकास सहरावत ने जिस वक्त पत्नी की हत्या की, उस वक्त घर में छोटी बेटी नव्या मौजूद थी। पुलिस ने नव्या से पूछताछ की तो उसने बताया कि मम्मी-पापा के बीच अक्सर झगड़ा होता था। वारदात से पूर्व भी दोनों के बीच पारिवारिक मामले को लेकर झगड़ा हुआ था। वारदात के वक्त वह घर में मौजूद थी, जबकि उसकी बड़ी बहन काव्या स्कूल गई हुई थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सूचना पाकर मृतका के परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। परिजनों ने रूबी और विकास के बीच आए दिन होने वाले झगड़े की जानकारी दी। रूबी की बड़ी बेटी काव्या ने नानी के साथ आकर पिता विकास सहरावत के खिलाफ शिकायत दी, जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

नोएडा में 2.67 करोड़ की लागत से बनेगी यह 3किमी सड़क

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में दनकौर-सिकंद्राबाद मार्ग से जुनैदपुर की मढैया तक की सड़क 2.67 करोड़ रुपये की लागत से फिर बनेगी। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने मंगलवार को सड़क के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। सड़क जल्दी खराब न हो इसके लिए दोनों तरफ इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएंगी। सुगम आवागमन के लिए सड़क को चौड़ा भी किया जाएगा। पौने 3 किलोमीटर लंबी इस सड़क को दोबारा बनाया जा रहा है।

पहले लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्माण किया गया था। सड़क के शुभारंभ के मौके पर धीरेंद्र सिंह ने कहा कि इस मार्ग के तैयार हो जाने से आसपास के गांवों के लोगों को आने-जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी। किसानों और स्कूली बच्चे अब बेहतर सड़क का लाभ उठा सकेंगे। विकास कार्य के शुभारंभ से पहले विधायक ने जनसंवाद के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। लोगों ने पेयजल, सफाई, बिजली और नाली से संबंधित समस्याएं रखीं। दरअसल गांवों को जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा वर्षों पहले बनाई गई ज्यादातर सड़कों की स्थिति खस्ताहाल हो चुकी है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परेशानी होती है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक सर्वे कर उन संपर्क मार्गों को चिन्हित कर लिया गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

डिजिटल धोखाधड़ी बनती जा रही है हमारे लिए एक गंभीर समस्या

तेजी से बदलते दौर में नई तकनीकों के उपयोग को वक्त की जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। इसी क्रम में आम जिंदगी में संवाद से लेकर पढ़ाई-लिखाई और लेन-देन जैसे तमाम मामले अगर डिजिटल तकनीक के दायरे में आ रहे हैं तो यह स्वाभाविक है। इसी के मद्देनजर 'डिजिटल इंडिया' का नारा भी दिया गया, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इंटरनेट आधारित तकनीकों के उपयोग के प्रति आकर्षित हों। विडंबना यह है कि जिस तेजी के साथ डिजिटल यंत्रों का उपयोग बढ़ा है, उसी अनुपात में इसमें सुरक्षित गतिविधियों का ढांचा विकसित नहीं हुआ है।इससे उपजने वाले जोखिम रोज नए और जटिल स्वरूप में सामने आ रहे हैं। अमूमन हर रोज देश के किसी हिस्से से डिजिटल धोखाधड़ी की खबरें आती हैं और उसमें किसी की मेहनत की कमाई के लाखों रुपए अलग-अलग तरीके से लूट या उड़ा लिए जाते हैं। ऐसे मामले आम हैं, जिनमें सिर्फ किसी को फोन पर की जाने वाली बातचीत में उलझा कर उसे धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया। सवाल है कि अगर देश में आधुनिक तकनीकों का विस्तार किया जा रहा है तो क्या इससे बचाव के इंतजामों को भी उतना ही अहम माना जा रहा है।गौरतलब है कि बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी हमारे लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, इसलिए इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। हालांकि डिजिटल फर्जीवाड़े के मामलों में कोई अचानक उफान नहीं आया है, बल्कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह साफ है कि आधुनिक तकनीक जितनी सुविधाजनक है, उतना ही यह जोखिम का वाहक भी बन रही है। किसी के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आता है और वह व्यक्ति बातों के जाल में इस कदर फंस जाता है कि अपने बैंक खाते से खुद ही लाखों रुपए भेज देता है।इसके कुछ ही पल बाद जब उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी के बारे में पता चलता है, तब तक देर हो चुकी होती है।

दुनिया को मिला शांति का संदेश

वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार देने का एलान न केवल शांति के पक्ष में उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है, बल्कि महिला सशक्तीकरण की दृष्टि से भी इसे एक मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है। शांति का अर्थ व्यापक है, इसमें संघर्ष और हिंसा से दूर रहना, समाज में सद्भाव एवं समानता, मानवाधिकारों की रक्षा, समृद्धि और न्याय जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और विपक्ष को एकजुट कर संपूर्ण व्यवस्था में सुधार लाने के वास्ते शांतिपूर्ण प्रयासों के लिए यह पुरस्कार मिला है।उन्हें एक ऐसी शख्सियत के तौर पर देखा जा रहा है, जिन्होंने तमाम मुश्किलों और बाधाओं को अपने साहस एवं जज्बे से मात देकर शांति की राह पर आगे बढ़ने की सीख दी है। उन्हें एक ऐसी महिला के रूप में भी मान्यता मिली है, जो व्यवस्थागत अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखने में सक्षम हैं। इससे पहले उन्हें यूरोपीय संघ के सर्वोच्च मानवाधिकार पुरस्कार 'सखारोव' से भी सम्मानित किया जा चुका है।मारिया मचाडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार थीं, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के दौरान उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। इससे पहले उन्होंने गहन तौर पर विभाजित रहे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक ऐसा विपक्ष खड़ा किया, जिसने स्वतंत्र चुनाव और प्रतिनिधि सरकार की मांग को समान रूप से उठाया। बाद में उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए गए। उनकी जान को गंभीर खतरा था, इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहीं।यह सच है कि किसी भी पुरस्कार का असली हकदार वही होता है, जिनके अभूतपूर्व कार्यों और उनके प्रभाव की तस्वीर धरातल पर साफ नजर आती हो। सिर्फ दावों का डंका बजाकर किसी समाज, राष्ट्र या दुनिया में धारणा का एक अस्थिर ढांचा खड़ा करने की कोशिश करने वालों की सच्चाई छिप नहीं पाती है। मचाडो को मिला यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वास्तव में महिलाओं को हर परिस्थिति में संघर्ष करते रहने की प्रेरणा भी देता है।

गहरी जड़ें जमाए हुए लैंगिक पूर्वाग्रह और विशाल जनसंख्या घनत्व का मतलब है कि अघोषित अपराधों का एक छोटा सा प्रतिशत भी बहुत बड़ी संख्या में तब्दील हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों की तुलना इस बात पर ज़ोर देती है कि समाधानों में हर देश की हिस्सेदारी है अंतरराष्ट्रीय समझौतों को लागू करने से लेकर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने तक। कानूनों और जागरूकता के मामले में भारत में हाल ही में हुए सुधार सकारात्मक हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अभी भी कई समकक्षों से पीछे है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तरक्की को मुंह चिढ़ा रहे हैं महिला अपराधों के आंकड़े

(योगेंद्र योगी)

डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वर्ष 2023 के महिला अपराधों के आंकड़े देश की तरक्की के आंकड़ों को मुंह चिढ़ा रहे हैं। देश एक तरफ जहां रक्षा, विज्ञान–तकनीकी, चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में जहां लगातार आगे बढ़ रहा है वहीं महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के मामलों में शर्मसार हो रहा है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में उससे पिछले दो सालों की तुलना में महिलाओं के खिलाफ अपराध के ज्यादा मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा केस उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। उसके बाद महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2023 में पूरे देश में ऐसे करीब 4.5 लाख मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में 4,45,256 और 2021 में 4,28,278 मामले थे। उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्यप्रदेश में 32,342 मामले दर्ज किए गए। तेलंगाना प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 124.9 अपराध दर के साथ शीर्ष पर रहा, जबकि इसके बाद राजस्थान 114.8, ओडिशा 112.4, हरियाणा 110.3 और केरल में 86.1 अपराध दर दर्ज की गई। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले सबसे ज्यादा थे, जिनमें 133,676 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 19.7 रही। महिलाओं के अपहरण और बंधक बनाने के 88,605 मामले दर्ज किए गए और इनकी दर 13.1 रही। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से हमला करने के 83,891 मामले आए जबकि बलात्कार के 29,670 मामले दर्ज किए गए। अठारह वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं से बलात्कार के 28,821 मामले आए और 18 वर्ष से कम आयु की लड़कियों से बलात्कार के 849 मामले आए। बलात्कार के प्रयास के 2,796 मामले दर्ज किए गए। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत बच्चों से बलात्कार के 40,046 मामले, यौन उत्पीड़न के 22,149 मामले, यौन प्रताड़ना के लिए 2,778 मामले, पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने के 698 मामले और कानून के अन्य प्रावधानों के तहत 513 मामले दर्ज किए गए। पुलिस के निपटारा आंकड़ों से पता चला कि पिछले वर्षों से 185,961 मामले जांच के लिए लंबित थे, जबकि 4,48,211 नए मामले दर्ज किए गए और 987 स्थानांतरित किए गए। इस तरह कुल 635,159 मामले थे। एसिड अटैक के 113 मामले दर्ज किए गए। साल 2012 में दिल्ली में निर्भया के बलात्कार और हत्या के बाद जमीन पर ज्यादा कुछ बदला नहीं दिखता। कठोर कानून मौजूद हैं, पर वे कितने प्रभावी हैं? साल 2022 के लिए उपलब्ध आंकड़े दिखाते हैं कि 'महिलाओं के खिलाफ अपराध' के कुल 4,45,256 मामले दर्ज किये गये, जो साल 2021 से चार फीसदी ज्यादा थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध का सबसे बड़ा हिस्सा 'पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता' (31.4 फीसदी) के तहत दर्ज हुआ, जबकि सभी अपराधों में 'शील हनन की नीयत से महिलाओं पर हमले' का हिस्सा 18.7 फीसदी था, और 'बलात्कार' 7.1 फीसदी पर रहा। डब्ल्यूपीएस इंडेक्स (महिला शांति और सुरक्षा सूचकांक) की 2023 की रिपोर्ट में भारत की रैंकिंग साल 2023 में 128वें स्थान पर रही। डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और स्वीडन शीर्ष पर रहे, जबकि अफगानिस्तान, यमन और मध्य अफ्रीकी गणराज्य सबसे निचले स्थान पर रहे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2022 में महिलाओं को निशाना बनाकर की जाने वाली राजनीतिक हिंसा के मामले में भारत शीर्ष 10 सबसे खराब देशों में शामिल है। मेक्सिको 537 ऐसी घटनाओं के साथ इस सूची में शीर्ष पर है, उसके बाद ब्राज़ील (327) का स्थान है, जबकि भारत इस सूची में 125 घटनाओं (प्रति 100,000 महिलाओं पर) के साथ सातवें स्थान पर है, जहाँ विशेष रूप से राजनीतिक हिंसा के लिए महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) में पाया गया कि 18-49 वर्ष की आयु की 29.3 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में पति द्वारा हिंसा का अनुभव किया है। अगर अपराध दर्ज भी हो जाते हैं, तो न्याय धीमा हो सकता है; पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण अक्सर पीड़ितों को ही दोषी ठहराते हैं या उनकी गवाही को हतोत्साहित करते हैं। परिणामस्वरूप, कई मामले आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज ही नहीं होते। विशेषज्ञों का कहना है कि सांस्कृतिक शर्मिंदगी और प्रतिशोध का डर रिपोर्ट दर्ज कराने में बड़ी बाधाएँ हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का कारण पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक रूढ़िवादिता, शिक्षा और जागरूकता की कमी, कानूनों का कम प्रभावी कार्यान्वयन और महिलाओं के प्रति समाज की घटती संवेदनशीलता जैसे सामाजिक-आर्थिक और संरचनात्मक कारक हैं। भारत की चुनौती वैश्विक रुझानों के समान और उनसे भी बदतर है। कई देशों की तरह, भारत भी कम रिपोर्टिंग और कलंक से जूझ रहा है।

तालिबान-पाकिस्तान में दोस्ती कराने चला था चीन, उल्टी पड़ गई जिनपिंग की चाल

पाकिस्तान और तालिबान के बीच सैन्य संघर्ष के बाद चीन का बयान आया है। चीन ने दोनों पक्षों के बीच शांति की अपील की है और अपने निवेश की सुरक्षा करने को कहा है। चीन ने यह भी कहा है कि वह पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों को बेहतर बनाने और विकसित करने में रचनात्मक भूमिका निभाना जारी रखने को तैयार है। चीन की अफगान तालिबान और पाकिस्तान में दोस्ती कराने की कोशिश नाकाम होती दिख रही है। रविवार को दोनों ही पक्षों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 58 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। काबुल में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों पड़ोसियों के बीच सबसे गंभीर लड़ाई है। इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से लगी सीमा चौकियों को बंद कर दिया है। इससे अफगानिस्तान से होने वाला निर्यात ठप पड़ गया है। इस बीच चीन ने कहा है कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर बेहद परेशान है और दोनों देशों से शांति की अपील करता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हालिया संघर्षों को लेकर चिंतित है। उसने दोनों देशों से क्षेत्र में अपने नागरिकों और निवेशों की सुरक्षा करने का आग्रह किया है। चीन अपने पश्चिमी क्षेत्र में अफगानिस्तान और अवैध रूप से पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है।

रेयर अर्थ को लेकर चाइना का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी

(नीरज कुमार दुबे)

भारत सरकार दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्व नहीं रहे बिल्क् ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खासियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं– इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहां तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी। इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत की यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है। हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि देश में रेयर अर्थ मैग्नेट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है।

सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों– जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं।

हालांकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5884

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5883

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन मेष राशि के जातकों का योजनाओं और तैयारियों में बीत सकता है। मेष राशि के स्वामी तुला राशि में होकर सप्तम भाव में स्थित हैं, जिससे व्यक्तिगत और पारिवारिक योजनाओं की तैयारियों में बीत सकता है। आज आपका सोचने का तरीका थोड़ा बदलता हुआ सा दिखेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं के प्रति झुकाव बढ़ेगा।

वृष

आज का दिन वृषभ राशि वालों के लिए सफलता और सम्मान लेकर आने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शुक्र इस समय कन्या राशि में विराजमान हैं और मीन राशि पर अपनी शुभ दृष्टि डाल रहे हैं। ऐसे में व्यक्ति का मान-सम्मान बढ़ता है और आर्थिक उन्नति प्राप्त होती है। इस दौरान कार्यक्षेत्र में नई संभावनाएं बनेंगी और आपको कुछ भरोसेमंद सहयोगी मिल सकते हैं।

मिथुन

आज का दिन थोड़ा भागदौड़ भरा रह सकता है। राशि स्वामी बुध पंचम भाव में सूर्य के साथ होने से कुछ तनावपूर्ण स्थितियां बनती हुई दिख रही हैं। ऐसे में आपके लिए काम के दबाव और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना जरूरी होगा।

तुला

आज का दिन शुभ संकेत लेकर आया है। चंद्रमा आपकी ही राशि में विराजमान होकर संपत्ति और समृद्धि की ओर इशारा कर रहा है। इस दौरान लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कुछ खर्चे भी बढ़ सकते हैं। संतान पक्ष से कोई खुशखबरी मिलने के संकेत भी नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक

आज का दिन धन और भाग्य वृद्धि के योग बन रहे हैं। बुध के साथ युति कार्यस्थल में नए अवसर की संभावना दिख रही है। व्यवसाय में साझेदारी और सहयोग से आपको लाभ मिलेगा। आप अपनी मधुर वाणी और सच्ची निष्ठा से लोगों का दिल जीतेंगे। परिवार और सामाजिक जीवन में सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष भी आपका आज के दिन मजबूत होता दिख रहा है।

धनु

आज का दिन कई लोग आपकी सलाह के लिए आपके पास आएंगे। सूझबूझ और संयम से काम लेना आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगा। आपके गुण आगे चलकर आपके लिए लाभदायक रहेंगे। कार्यस्थल पर चुप रहकर काम करना आज आपके लिए बेहतर रहेगा। बेवजह की बहस या विवाद से बचने की कोशिश करें। धैर्य से लिए गए निर्णय सफलता दिलाएंगे।

कर्क

आज का दिन आपके लिए उन्नति का संदेश लेकर आया है। कुंभ राशि के स्वामी शनि द्वितीय भाव में रहकर धन, कीर्ति और आत्मविश्वास में वृद्धि कर रहे हैं। इस दौरान कठिन परिस्थितियों में भी आप अपनी सूझबूझ से विजय प्राप्त करेंगे। विरोधियों की चालें कमजोर पड़ेगी और आपकी मेहनत का उचित फल मिलेगा।

सिंह

आज के दिन में सुख और मनोरथ सिद्धि के योग बना रहे हैं। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बन सकती है। घर के बुजुर्गों का आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। इस दौरान धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिरता रहेगी और सहयोगियों से मदद प्राप्त होगी। शाम का समय परिवार के साथ बिताने के लिए उत्तम रहेगा।

कन्या

आज का दिन व्यस्तताओं से भरा रहने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शनि तृतीय भाव में और चंद्रमा सप्तम भाव में हैं, जो कार्यक्षेत्र में स्थिरता और मेहनत का संकेत दे रहा है। इस दौरान व्यापार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं।

मकर

आज का दिन जातकों के लिए सफलता के नए द्वार खुलने वाले हैं। आपकी राशि के स्वामी मंगल द्वादश भाव में और चंद्रमा नवम भाव में स्थित होकर विजय और प्रगति के संकेत दे रहे हैं। इस दौरान लंबे समय से रुके हुए कार्यों में सुधार होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और समर्पण की सराहना होगी।

कुंभ

आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आ रहा है। आपकी राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति सप्तम भाव में और चंद्रमा अष्टम भाव में रहकर अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। आपको किसी अप्रत्याशित स्रोत से धन या शुभ समाचार प्राप्त हो। इस दौरान अपने निर्णयों में जल्दबाजी न करें। कार्यक्षेत्र में आत्मनिर्भरता आपको स्थायी सफलता दिलाएगी। आज किसी नई योजना की शुरुआत करने से पहले परिवार की राय लेना उचित रहेगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए आनंद से भरा रहने वाला है। आपकी राशि के स्वामी शुक्र द्वादश भाव में रहते हुए आपको मानसिक शांति देंगे। सप्तम भाव में स्थित चंद्रमा से उत्तम चंद्र श्री योग बन रहा है, जो सौंदर्य और आकर्षण में वृद्धि का संकेत देता है। आज के दिन किसी निकट मित्र की सलाह से अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

वर्ग पहेली 5884

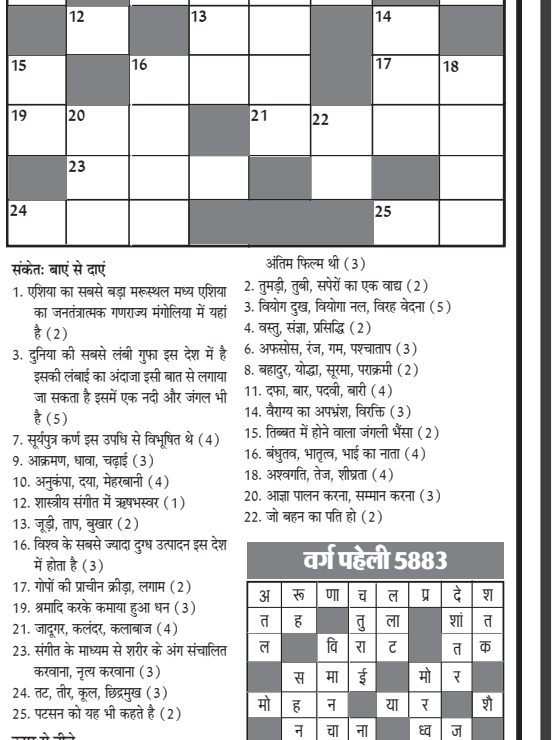

संकेत: बाएं से दाएं

1. एशिया का सबसे बड़ा मरूस्थल मध्य एशिया का जनतंत्रात्मक गणराज्य मंगोलिया में यहां है (2)
3. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
7. सूर्यपुत्र कर्ण इस उपधि से विभूषित थे (4)
9. आक्रमण, धावा, चढ़ाई (3)
10. अनुकंपा, दया, मेहरबानी (4)
12. शास्त्रीय संगीत में ऋषभस्वर (1)
13. जूड़ी, ताप, बुखार (2)
16. विश्व के सबसे ज्यादा दुग्ध उत्पादन इस देश में होता है (3)
17. गोपों की प्राचीन क्रीड़ा, लगाम (2)
19. श्रमादि करके कमाया हुआ धन (3)
21. जादूगर, कलंदर, कलाबाज (4)
23. संगीत के माध्यम से शरीर के अंग संचालित करवाना, नृत्य करवाना (3)
24. तट, तीर, कूल, छिद्रमुख (3)
25. पटसन को यह भी कहते है (2)

ऊपर से नीचे

1. मुंशी प्रेमचंद की एक साहित्यिक कृति अभिनेत्री कामिनी कौशल की बतौर नायिका अंतिम फिल्म थी (3)
2. तुमड़ी, तुबी, सपेरों का एक वाद्य (2)
3. वियोग दुख, वियोगा नल, विरह वेदना (5)
4. वस्तु, संज्ञा, प्रसिद्धि (2)
6. अफसोस, रंज, गम, पश्चाताप (3)
8. बहादुर, योद्धा, सूरमा, पराक्रमी (2)
11. दफा, बार, पदवी, बारी (4)
14. वैराग्य का अपभ्रंश, विरक्ति (3)
15. तिब्बत में होने वाला जंगली भैंसा (2)
16. बंधुतव, भातृत्व, भाई का नाता (4)
18. अश्वगति, तेज, शीघ्रता (4)
20. आज्ञा पालन करना, सम्मान करना (3)
22. जो बहन का पति हो (2)

वर्ग पहेली 5883

अ	रू	णा	च	ल	प्र	दे	श
त	ह		तु	ला		शां	त
ल		वि	रा	ट		त	क
	स	मा	ई		मो	र	
मो	ह	न		या	र		शै
	न	चा	ना		ध्व	ज	
सु	शी	ल		का	ज	ल	
	ल	क	ल	क		ज	री

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

87 रन बनाना काफी नहीं!

पूर्व चयनकर्ता ने साई सुदर्शन को दिया गंभीर संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व चयनकर्ता अध्यक्ष कृष्णमाचारी श्रीकांत ने तमिलनाडु के युवा बल्लेबाज़ साई सुदर्शन को आगामी सीरीज में टेस्ट टीम में तीसरे नंबर पर चुनने को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है। श्रीकांत के अनुसार, सुदर्शन ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दिल्ली में समाप्त हुई श्रृंखला के दौरान मिले अवसरों को पूरी तरह भुनाया नहीं।

यशस्वी जायसवाल की तारीफ

श्रीकांत ने यशस्वी जायसवाल की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने मुंबई के इस बल्लेबाज़ को तीनों प्रारूपों में खेलने वाला खिलाड़ी बताया। श्रीकांत ने कहा, ÷टी20 में उनका रिकॉर्ड शानदार है, वनडे में भी वह अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उनका खेल स्वाभाविक है और वह बिना किसी बदलाव के अपना खेल खेलते हैं। मध्यम गति के गेंदबाज़ों पर भी वह आक्रमण करते हैं और कई बार उनकी धज्जियाँ उड़ाते हैं। जायसवाल ने दिल्ली टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी काबिलियत साबित की है, लेकिन उन्हें अब तक वनडे और टी20 में पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं। उनकी औसत 36+ और स्ट्राइक रेट 164+ ने उनकी क्षमताओं को उजागर किया है।

मिला-जुला प्रदर्शन, शतक से चूक

दिल्ली टेस्ट में सुदर्शन ने तीन पारियों में क्रमशः 3, 87 और 39 रन बनाए। सात पारियों में केवल एक अर्धशतक के साथ उन्होंने शुरुआत में प्रभाव दिखाया, लेकिन शतक न बना पाने से उनकी विश्वसनीयता पर असर पड़ सकता है। श्रीकांत ने कहा, 87, 99 और 100 के बीच बहुत बड़ा अंतर होता है। एक बार जब आप शतक बना लेते हैं, तो यह एक अलग ही स्तर होता है। यही सुदर्शन के लिए फिलहाल कमी साबित हुई।

आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरा

23 वर्षीय सुदर्शन और जायसवाल दोनों ही भारतीय टीम के लिए आगामी श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की कोशिश करेंगे। सुदर्शन को टेस्ट टीम में जगह पाने के लिए अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनानी होगी। वहीं, जायसवाल रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की ऑस्ट्रेलिया वनडे श्रृंखला में अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेंगे।

एएफसी एशियन कप 2027 से भारत हुआ बाहर

सिंगापुर ने 2-1 से हराया

गोवा, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम का स्वप्न एशियन कप 2027 में क्वालीफाई करने का सपना सिंगापुर के हाथों टूट गया। गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए ग्रुप सी के रोमांचक मुकाबले में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी। मैच की शुरुआत भारत ने जोश के साथ की और 14वें मिनट में लालियानजुआला छांगते ने लगभग 30 गज की दूरी से शानदार गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह गोल देखने लायक था और दर्शकों में जोश भर गया। हालांकि, इसके बाद भारत कई मौकों

को भुना नहीं सका। सुनील छेत्री, महेश नाओरेम और लिस्टन कोलाको ने अच्छे मौके गंवाए, जिससे टीम बढ़त नहीं बढ़ा सकी। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में भारत की रक्षात्मक चूक का फायदा सिंगापुर ने उठाया। राहुल भेके की गलती से मिले मौके पर ग्लेन क्रेह ने बॉल सॉन्ग यूई-यंग को पास की, जिन्होंने शानदार फिनिश करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही निखिल प्रभु की चूक से सिंगापुर को एक और मौका मिला, जिसे यूई-यंग ने गोल में तब्दील करते हुए टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। भारत ने इसके बाद बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया। साहल अब्दुल समद, ब्रैंडन फर्नांडिस, फरुख चौधरी और उदंता सिंह को उतारकर कोच खालिद जमील ने आक्रमण तेज किया, लेकिन सिंगापुर की रक्षापंक्ति ने हर हमले को नाकाम कर दिया। भारत अब ग्रुप सी में चार मैचों में सिर्फ दो अंकों के साथ सबसे नीचे है। टीम ने बांग्लादेश (0-0) और सिंगापुर (1-1) से ड्रॉ खेले, जबकि हांगकांग चीन (0-1) और अब सिंगापुर से हार गई। इस हार के साथ भारत का एएफसी एशियन कप 2027 का सफर यहीं समाप्त हो गया।

आर्चरी प्रीमियर लीग

भारतीय तीरंदाजी में एक नया अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन भारतीय तीरंदाजी संघ ने किया, जिसमें दुनियाभर के कई सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों ने अपनी चमक बिखेरी। इस लीग में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें कुल 48 तीरंदाज शामिल थे। इनमें 36 भारतीय और 12 विदेशी थे। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक साथ खेले, जिसमें युवा तीरंदाजों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिला। इनमें कुछ विदेशी दिग्गज भी शामिल थे, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मुकाबलों का अनुभव मिला। इसने यकीनन उनके प्रदर्शन और मानसिक मजबूती को बेहतर बनाने में मदद की। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का पहला राउंड-रॉबिन चरण 2-6 अक्टूबर और दूसरा 7-11 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया। इस दौरान प्रत्येक प्लेइंग लाइनअप में कम से कम एक विदेशी तीरंदाज को शामिल किया गया था, जिन्होंने मिश्रित रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 में दो राउंड-रॉबिन चरण हुए, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिनमें सेमीफाइनल और फाइनल शामिल थे।

राउंड-रॉबिन चरण में रोजाना तीन मुकाबलों का आयोजन हुआ। फ्लडलाइट में खेली गई प्रत्येक प्रतियोगिता 20 मिनट की हुई। इसमें प्रत्येक तीरंदाजी के लिए 15 सेकंड का समय दिया गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यह समय 20 सेकंड होता है।

इस लीग में एरो शूटिंग की दूरी ओलंपिक मानक के अनुरूप ही थी। रिकर्व के लिए 70 मीटर, जबकि कंपाउंड के लिए 50 मीटर के लिए दूरी तय की गई। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में इन छह टीमों ने राउंड-रॉबिन चरण में एक-दूसरे का सामना किया। दोनों राउंड-रॉबिन चरणों के बाद शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण में पहुंची, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए। राजस्थान की टीम राजपूताना रॉयल्स ने दिल्ली की पृथ्वीराज योद्धा को हराकर गोल्डन ट्रॉफी अपने नाम की। तीरंदाजी की जड़े बहुत पुरानी हैं। मध्य पाषाण युग के उत्तरार्ध से धनुष-बाण का प्रयोग होता था, लेकिन ओलंपिक ने इसे आधुनिक खेल के रूप में लोकप्रिय बनाया। 1900, 1904, 1908 और 1920 के ओलंपिक में तीरंदाजी को शामिल किया गया। ओलंपिक 1904 में यह महिलाओं की स्पर्धाओं को शामिल करने वाले पहले खेलों में से एक था। लेकिन तीरंदाजी के प्रारूप असंगत थे।

द. अफ्रीका, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, कतर और सऊदी अरब ने क्वलिफाई किया

यूरोप से इंग्लैंड बनी पहली टीम

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 की बड़ी जीत के साथ विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया और इस तरह यूरोप का पहला देश बना जिसने टूर्नामेंट में जगह पक्की की। अफ्रीका से विश्व कप 2026 के लिए तीन बड़ी टीमें- दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अपना टिकट पक्का कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को रवांडा को 3-0 से हराकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह 2010 के बाद पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप में हिस्सा लेगा। इस जीत के साथ ही नाइजीरिया को अपने ग्रुप में दूसरा स्थान मिला और उसे अब प्लेऑफ के जरिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। हालांकि नाइजीरिया ने बेनिन को उसके घरेलू मैदान पर विक्टर ओसिमेन की हैट्रिक की बदौलत 4-0 से हराया। उधर, आइवरी

कोस्ट ने कीनिया पर 3-0 की जीत दर्ज कर सीधा क्वालिफिकेशन हासिल किया, जबकि सेनेगल ने मॉरिटानिया को 4-0 से हराकर लगातार तीसरी बार विश्व कप में जगह बनाई।

एशिया से कतर और सऊदी अरब का टिकट पक्का- एशियाई क्वालिफायर के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप 2026 में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। कतर ने दोहा में खेले गए मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 2-1 से हराया, जबकि सऊदी अरब ने जेद्दा में इराक के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमें अब एशिया से विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सातवीं और आठवीं टीम बन गई हैं। कतर दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा लेगा। पिछली बार वह मेजबान देश के रूप में खेला था। लेकिन इस बार कतर ने अपने दम पर क्वालीफिकेशन हासिल किया, जो उसके फुटबॉल इतिहास में एक नया अध्याय है। सऊदी अरब अब तक सातवीं बार विश्व कप में हिस्सा लेने जा रहा है। इससे पहले जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन एशिया से जून में ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

मोहम्मद सिराज को मिला मेहनत का फल

खास अवॉर्ड के साथ रवाना हुए ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इम्पैक्ट प्लेयर मेडल से सम्मानित किया गया है। सिराज ने इस सीरीज में कुल 10 विकेट हासिल किए, जो सभी तेज गेंदबाजों में सबसे अधिक थे। वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन सिराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-0 से जीती गई टेस्ट सीरीज में अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित

किया। अहमदाबाद में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने हरी पिच का भरपूर फायदा उठाते हुए 7 विकेट झटके, जिसकी मदद से भारत ने पारी और 140 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी। हालांकि, दिल्ली में हुए दूसरे टेस्ट में पिच तेज गेंदबाजों के लिए कम मददगार थी, लेकिन सिराज ने कड़ी मेहनत जारी रखी। उन्होंने पूरी सीरीज में 49 ओवर गेंदबाजी की जो कि जसप्रीत बुमराह के 51.5 ओवरों से थोड़ा ही कम था। ड्रेसिंग रूम में उन्हें यह इम्पैक्ट प्लेयर मेडल विकेटकीपर-बल्लेबाज एन जगदीशन ने दिया। इस सम्मान पर सिराज ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह सीरीज बहुत अच्छी रही... यहां दिल्ली में एक विकेट लेना भी पांच विकेट लेने जैसा महसूस हो रहा था। क्योंकि एक तेज गेंदबाज के तौर पर जब आपको आपकी मेहनत का फल मिलता है, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप खुश भी होते हैं।

महिला वर्ल्ड कप

भारत को लगा दोहरा झटका

ऑस्ट्रेलिया से मैच हारने के बाद 'जेब भी कटी'

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला वनडे वर्ल्ड कप में रविवार (12 अक्टूबर) को विशाखापत्तनम में भारतीय टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस के पांच प्रतिशत का जुर्माना लगाया गया। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने भारत के 330 रनों का लक्ष्य एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया था।

भारतीय निर्धारित समय से एक ओवर पीछे पाया गया। यह जुर्माना आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। प्लेयर एंड प्लेयर स्पोर्ट स्टाफ के लिए न्यूनतम ओवर रेट से संबंधित आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट की आर्टिकल 2.22 के तहत खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

हरमनप्रीत कौर ने गलती मानी

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गलती और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया। ऐसे में औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली पेरेरा के साथ-साथ तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स ने भारतीय टीम पर चार्ज लगाया। भारतीय टीम लगातार 2 मैच हारकर दिक्कत में
भारतीय टीम लगातार 2 मैच हारकर दिक्कत में है। उसके 4 मैचों में 4 अंक हैं। इंग्लैंड से 19 अक्टूबर को भिड़ना है। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद यह मैच न जीतने पर भारत के लिए सेमीफाइनल राह काफी कठिन हो जाएगी। इंग्लैंड के बाद भारत को न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से भिड़ना है।

इब्राहिम जदरान कोहली और रोहित से आगे निकले

जायसवाल और कुलदीप को आईसीसी रैंकिंग में बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ताजा रैंकिंग अपडेट में भारतीय और अफगान खिलाड़ियों ने शानदार छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जदरान ने वनडे बल्लेबाजों की सूची में विराट कोहली और रोहित शर्मा को पछाड़ दिया है, जबकि भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही कुलदीप यादव और राशिद खान जैसे स्पिनरों ने भी अपनी रैंकिंग में बड़ा सुधार किया है।

जायसवाल ने साबित किया क्लास, बने भारत के नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज- वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले यशस्वी जायसवाल भारत की बल्लेबाजी लाइन-अप में नई पहचान बनते जा रहे हैं। दिल्ली टेस्ट में पहली पारी में खेले गए 175 रनों की शानदार पारी ने उन्हें टेस्ट रैंकिंग में दो स्थान ऊपर पहुंचाया है। अब जायसवाल पांचवें स्थान पर हैं, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लिए इस समय सर्वश्रेष्ठ पोजीशन है। युवा बल्लेबाज का यह लगातार प्रदर्शन दर्शाता है कि भारत को भविष्य के लिए एक लंबी रेस का धावक मिल चुका है।

इब्राहिम ज़दरान की ऐतिहासिक छलांग, कोहली-रोहित से आगे निकले

अफगानिस्तान के उभरते हुए बल्लेबाज इब्राहिम जदरान ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार 213 रनों की पारी खेलकर वनडे रैंकिंग में नया इतिहास रचा। उन्होंने आठ स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा कर लिया है। इब्राहिम के अब 764 रेटिंग अंक हैं, जो विराट कोहली (736) और रोहित शर्मा (756) दोनों से ज्यादा हैं। यह पहली बार है जब किसी अफगान बल्लेबाज ने वनडे रैंकिंग में इतना ऊँचा स्थान हासिल किया है। **राशिद खान बने नंबर-1 गेंदबाज, उमरजई ने भी मारी बाजी-** स्पिन के जादूगर राशिद खान ने एक बार फिर साबित किया कि वह सीमित ओवरों के बेताज बादशाह हैं। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों में 11 विकेट लेकर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज को पछाड़ते हुए वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। इसके साथ ही ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी रैंकिंग में इतिहास रच दिया है।

भारतीय खिलाड़ी डरते हैं... अजिंक्य रहाणे ने बीसीसीआई सेलेक्टर्स पर साधा निशाना!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम सेलेक्शन पर बड़ा बयान दिया है. रहाणे ने कहा कि भारत में खिलाड़ियों के सेलेक्शन प्रोसेस में बड़े बदलाव की जरूरत है. रहाणे ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी सेलेक्टर्स के डर से खुलकर नहीं खेल पाते और इससे टैलेंट दब जाता है. टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने भारतीय क्रिकेट में सेलेक्शन सिस्टम को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी है. रहाणे का मानना है कि सेलेक्टर्स की नियुक्ति में बुनियादी सुधारों की जरूरत है. खासकर डोमेस्ट लेवल पर... उन्होंने कहा कि टीम चुनने की जिम्मेदारी केवल हाल ही में रिटायर हुए फर्स्ट क्लास खिलाड़ियों को दी जानी चाहिए, क्योंकि वे मॉडर्न क्रिकेट की डि?मांड और खिलाड़ियों की क्षमता को बेहतर समझते हैं. ध्यान रहे रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में मुंबई टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया था. रहाणे के इस बयान से यह भी संकेत मिलता है कि कई खिलाड़ी वर्तमान सेलेक्टर्स के डर से खुलकर प्रदर्शन नहीं कर पाते, और इसलिए सिस्टम में बदलाव बेहद जरूरी है.

न्यूज बाइट्स

पोस्टर पेंटिंग से छात्रों ने दिया मतदान का संदेश

कुटुंबा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। विधानसभा चुनाव को लेकर युवाओं में जागरूकता की लहर चल रही है। इसी कड़ी में उत्क्रमित उच्च विद्यालय, महसू (कुटुम्बा) में ईएलसीके बैनर तले स्वीप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने रंग और रचनात्मकता के माध्यम से लोकतंत्र का संदेश दिया। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपने चित्रों के जरिए मतदान की महत्ता, नागरिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक भागीदारी को रेखांकित किया। कई पोस्टरों में "हर वोट जरूरी है", "लोकतंत्र का उत्सव – मतदान करें अवश्य" जैसे प्रेरक संदेश नजर आए। विद्यालय के शिक्षकों ने छात्रों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां युवाओं में मतदान के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना पैदा करती हैं।

तिसरे दिन द्वितीय चरण के नामांकन में तीन उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

कुटुम्बा से जन सुराज के श्यामबलि व औरंगाबाद से दो निर्दलीयों ने भरा पर्चा

- श्यामबलि ने समर्थकों के साथ समाहरणालय पहुंचकर डॉ. भीमराव अंबेडकर, महात्मा गांधी और अन्य प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के द्वितीय चरण के नामांकन के तीसरे दिन बुधवार को औरंगाबाद जिले की छः विधानसभा सीटों में से तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस कड़ी में कुटुम्बा(सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज प्रत्याशी श्यामबलि पासवान और औरंगाबाद से दो निर्दलीय प्रत्याशी अजीत कुमार और धीरेंद्र कुमार सिंह शामिल हैं। इससे जिले में अब तक नामांकन करने वाले प्रत्याशियों की संख्या छह हो गई है। मंगलवार को नबीनगर से जन सुराज की अर्चना चंद्र, औरंगाबाद से निर्दलीय सत्येंद्र प्रसाद और गोह से निर्दलीय अमित कुमार ने नामांकन दाखिल किया था। कुटुम्बा से जन सुराज प्रत्याशी श्यामबलि पासवान ने समर्थकों के साथ दर्जनों वाहनों के काफिले में समाहरणालय पहुंचकर नामांकन परचा दाखिल किया। इस अवसर पर उन्होंने समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर और महात्मा गांधी की प्रतिमा तथा पूर्व सांसद रमेश प्रसाद सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। समर्थकों ने उन्हें फूलों की माला पहनाकर उत्साहपूर्वक स्वागत किया और जोरदार नारे लगाए। नामांकन के बाद श्यामबलि ने कहा कि वे अपने प्रतिद्वंदी और पिछले दो विधानसभा चुनाव जीतने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार को शिकस्त देंगे। उन्होंने बताया कि जन सुराज में आने से पहले वे कांग्रेस में थे, लेकिन पार्टी में समर्पित कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा और पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार के लोकसभा टिकट मामले से वे आहत थे। जन सुराज में शामिल होकर उन्हें उम्मीदवार बनाया गया, इसके लिए वे पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर, राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और जन सुराज की विचारधारा एक जैसी होने के कारण जन सुराज उन्हें पुराना घर जैसा लगता है।

वहीं, औरंगाबाद से निर्दलीय प्रत्याशी अजीत कुमार और धीरेंद्र कुमार सिंह ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। दोनों ने निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह के कक्ष में दस्तावेज जमा किए। उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. गजाली ने बताया कि नामांकन के तीसरे दिन कुल तीन उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है।

दिनदहाड़े अपराधियों ने हथियार के बल पर लूटे 3.80 लाख रूपए, इलाके में मचा हड़कंप

- पुलिस ने सभी रास्तों को सील कर सर्च अभियान शुरू किया
- घटना स्थल से कारतूस बरामद, जांच जारी
- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

रफीगंज के पचार स्थित पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) में बुधवार को दिनदहाड़े एक बड़ी लूट की वारदात सामने आई। चार अज्ञात अपराधियों ने बंदूक के बल पर सीएसपी संचालक से 3 लाख 80 हजार नकद और एक लैपटॉप लूट लिया। घटना के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। सीएसपी संचालक, ढोसिला खुर्द निवासी राजू रंजन ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे जब वह अपने सेंटर पर पहुंचे, तब दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार लोग रफीगंज की ओर से आए। अपराधियों ने आते ही बंदूक तान दी और उनके बैग में रखे नकद और लैपटॉप लूट लिए। इसके बाद वे कासमा की ओर भाग निकले।

घटना की जानकारी मिलते ही रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार और सर्किल इंस्पेक्टर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान घटनास्थल से एक कारतूस भी बरामद किया गया है, जो अपराधियों की पहचान में अहम सुराग साबित हो सकता है। पीड़ित का बयान दर्ज कर पुलिस ने अपराधियों की धर-पकड़ के लिए अभियान तेज कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चरकावां पंचायत की पंचायत समिति सदस्य बसंती देवी ने बताया कि उन्होंने कुछ महिलाओं को भागते देखा, जिन्होंने बताया कि बदमाशों ने बैंक वाले को बंदूक के भय में लूट लिया। बसंती देवी जब अपराधियों की तस्वीर मोबाइल से लेने की कोशिश कर रही थीं, तब तक वे बाइक पर पिस्तौल लहराते हुए फरार हो चुके थे।

रफीगंज थाना अध्यक्ष ने बताया कि अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए सभी रास्तों को सील कर सघन सर्च अभियान जारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि पुलिस बल जल्द ही चारों अपराधियों को धर दबोचेगा और लूटी गई संपत्ति बरामद की जाएगी। अपराधियों की पहचान के लिए कानूनी कार्रवाई भी जारी है।

समावेशी शिक्षा पर तीन दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण हुआ संपन्न

- डईओ ने कहा कि प्रशिक्षण को रूटीन गतिविधि न मानते हुए इसे गंभीरता से अपनाएं

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में समावेशी शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम का समापन किया। डीईओ ने कहा कि प्रशिक्षण को रूटीन गतिविधि न मानते हुए इसे गंभीरता से अपनाएं। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि प्रशिक्षण में सीखे गए सिद्धांतों और तकनीकों को व्यवहार में लाएं और दिव्यांग बच्चों को प्राथमिक शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल करने का सार्थक प्रयास करें।कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षक राकेश कुमार ने दृष्टिबाधित बच्चों को ब्रेल लिपि से समयबद्ध पढ़ना-लिखना सिखाने की जिम्मेदारी पर जोर दिया।

वहीं, विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षित करने का अवसर मिलना एक सौभाग्य है और इसे सेवा का माध्यम मानकर बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए। प्रशिक्षण के समापन पर प्रशिक्षक राकेश कुमार ने सभी शिक्षकों और कार्यक्रम आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रफीगंज से प्रमोद कुमार सिंह को मिला जदयू का सिंबल 20 साल की सेवा और संघर्ष को मिला सम्मान

- थक कर भी न रुका हो जो, वो कर्मवीर कहलाता है, बीस बरस की धूप-छांव में, जो साथ निभाए – वो नेता

रफीगंज की राजनीति में उम्मीदों ने एक बार फिर करवट ली है। दो दशकों से संघर्ष और जनसंपर्क की ज़मीन पर अपनी पहचान गढ़ चुके प्रमोद कुमार सिंह को आखिरकार नीतीश कुमार की पार्टी जदयू ने रफीगंज विधानसभा से आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया है। संघर्ष, सेवा और समर्पण की जिस कहानी को दो दशकों से प्रमोद कुमार सिंह अपने कंधों पर ढोते रहे, आज वही संघर्ष उन्हें जनता दल (यू) की औपचारिक पहचान के साथ सम्मानित कर गया। रफीगंज की धरती ने इस बार अपने 'लौटा हुआ बेटा' नहीं बल्कि 'वापस पहचाना गया नेता' पाया है। प्रमोद कुमार सिंह उन नेताओं में रहे हैं जो कुर्सी नहीं, ज़मीन पर खड़े रहकर राजनीति करते हैं। पिछले बीस वर्षों में उन्होंने गांव-गांव घूमकर, खेत-खलिहानों की धूल खाकर और चौपालों की आवाज़ सुनकर एक रिश्ते की खेती की है। लोग उन्हें नेता से पहले 'अपना आदमी' मानते हैं क्योंकि उन्होंने बेनाम गलियों में बिजली की मांग उठाई, किसानों की परेशानियाँ सुनीं, गरीबों की लड़ाई अपनी लड़ाई की तरह लड़ी, और हर सामाजिक-सांस्कृतिक मौके पर बिना झंडा-डंडा, सिर्फ सादे कपड़ों में हाज़िरी लगाई। 2020 में जब उन्होंने बिना किसी राजनीतिक दल के प्रतीक के चुनावी मैदान में बाजी लगाई, तो 53,896 लोगों ने उन्हें अपना विश्वास सौंपा। ये वोट सिर्फ संख्या नहीं थे, ये वो आवाज़ें थीं जिनके घरों के दरवाज़े वे सालों से खटखटाते आए थे।

प्रमोद कुमार सिंह की सबसे बड़ी पूंजी हमेशा यह रही कि वे बोलने से पहले सुनते हैं। जब जनता किसी नेता को अपने दरवाज़े पर खड़ा देखती है, तो सवाल उठने बंद हो जाते हैं। यही वजह है कि अब जब वे जदयू के सिंबल के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो जनता को लग रहा है कि संघर्ष के शक्ल वाले नेता को अब संगठन का सहारा मिला है। इस फैसले के बाद माहौल में तीन प्रमुख भावनाएँ दिख रही हैं: संतोष – कि वर्षों की मेहनत को मंज़िल मिली, आशा – कि संसाधनों और संगठन के साथ अब लड़ाई आसान होगी, विश्वास – कि ये वही व्यक्ति है जो चुनाव जीतकर भी गायब नहीं होगा।

टिकट की नहीं, सेवा की विरासत की जीत

एनडीए की सीटों के बंटवारे में जब रफीगंज जदयू के हिस्से आई, तो राजनीतिक गलियारों में यह मान लिया गया था कि किसी स्थापित चेहरे को उम्मीदवार बनाया जाएगा। चर्चा पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह के नाम की थी। मगर पटना की फाइलों में इस बार कलम ने इतिहास लिखा और टिकट मिला उस आदमी को जिसने सत्ता के मोह से ज़्यादा जनता की मोहब्बत को चुना था। लोगों के बीच यह भावना तेज़ी से गूँज रही है कि यह फैसला राजनीतिक नहीं, भावनात्मक है। 'बीस साल की निःस्वार्थ सेवा का इनाम' यही लहजा गांवों में सुनाई दे रहा है।

इस बार समीकरण नहीं, शख्सियत होगी निर्णायक

रफीगंज की सीट लंबे समय से आरजेडी, जेडीयू और प्रमोद सिंह जैसे स्वतंत्र विकल्पों के त्रिकोणीय मुकाबलों का गवाह रही है। मगर इस बार एक महत्वपूर्ण फ़र्क है, प्रमोद कुमार सिंह अब संगठनयुक्त उम्मीदवार हैं। जातीय गणित, मुस्लिम वोटों का बंटवारा, और क्षेत्रीय वफादारियों के बीच उनकी व्यक्तिगत पहुँच सबसे बड़ा फैक्टर मानी जा रही है। चुनाव का मौसम चाहे जितना सियासी हो, इस बार चर्चा टिकट की नहीं, उस इंसान की है जिसने बिना सत्ता के भी बीस साल तक सेवक की तरह काम किया। रफीगंज की गलियों में एक ही वाक्य गूँज रहा है – 'ये जीत की शुरुआत नहीं, संघर्ष की पहचान का सम्मान है।

जीविका दीदियों ने घर-घर जाकर किया मतदाताओं को प्रेरित

- 11 नवंबर को मतदान में भाग लेने की अपील की गई।
- महिलाओं ने दिया संदेश – "हर वोट से मजबूत होगा लोकतंत्र।"
- ग्रामीण घरों तक पहुंचकर दीदियों ने बढ़ाया मतदान के प्रति उत्साह।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में विधानसभा आम चुनाव 2025 को लेकर मतदाता जागरूकता अभियान जोर पकड़ रहा है। प्रखंड नवीनगर के ग्रामीण इलाकों में बुधवार को जीविका दीदियों ने स्वीप गतिविधि के तहत मतदाताओं को जागरूक किया। इस दौरान महिलाओं ने लोगों से 11 नवंबर को मतदान केंद्र पर पहुंचकर वोट देने की अपील की। ग्रामीण क्षेत्रों में जीविका समूह से जुड़ी महिलाएं घर-घर जाकर मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने मतदान को अधिकार और जिम्मेदारी दोनों बताया। दीदियों ने कहा कि देश और राज्य के भविष्य के लिए हर नागरिक का वोट जरूरी है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को विशेष रूप से मतदान केंद्र तक पहुंचने का आग्रह किया ताकि महिला मतदान प्रतिशत में वृद्धि हो सके।

सतीश कुमार सिंह ने निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया ऐलान

सैकड़ों समर्थकों के साथ छोड़ा भाजपा का दामन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद विधानसभा सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद सतीश कुमार सिंह ने समर्थकों की मांग पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। शहर के एक निजी रिज़ॉर्ट में आयोजित बैठक में उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि जनता की अपेक्षाओं और भावनाओं का सम्मान करते हुए वे अब स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगे। जैसे ही उन्होंने यह घोषणा की, समर्थकों ने "सतीश कुमार सिंह जिंदाबाद" के नारे लगाते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। इसी बैठक में सतीश कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़ने का ऐलान भी कर दिया। सतीश कुमार सिंह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी औरंगाबाद के चेयरमैन हैं और जिला मुख्यालय में एक चर्चित व सम्मानित नाम माने जाते हैं। सामाजिक कार्यों से लेकर जनसंपर्क तक, उन्होंने वर्षों से लोगों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। वे लंबे समय तक भाजपा से जुड़े रहे और बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन को मजबूत करने में सक्रिय भूमिका निभाई। कोरोना काल में राहत कार्यों से लेकर आम जनता की समस्याओं के समाधान तक, उनका योगदान लगातार चर्चा में रहा। लोगों से सहज संपर्क, सबको सम्मान देना और सामाजिक सरोकारों में भागीदारी उनकी विशेष छवि का हिस्सा है। शहर के कई सामुदायिक भवनों के निर्माण, स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाओं की स्थापना और शहरी सौंदर्यीकरण में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। औरंगाबाद नगर परिषद क्षेत्र को स्वच्छ, आकर्षक और सुव्यवस्थित बनाने में उनका सहयोग हमेशा रेखांकित किया जाता है।

आगामी विधानसभा चुनाव में वे एनडीए के प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। भाजपा से टिकट पाने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की थी और आम जनता तक उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही थी। स्थानीय स्तर पर यह धारणा थी कि इस बार भाजपा उन्हें उम्मीदवार बनाएगी। लेकिन एनडीए ने त्रिविक्रम नारायण सिंह को अपना आधिकारिक प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसी के बाद आज सतीश कुमार सिंह ने जनता से राय लेकर निर्णायक कदम उठाया। बैठक में उन्होंने कहा, "मुझे पता है टिकट नहीं मिलने से मेरे समर्थकों और कार्यकर्ताओं को पीड़ा हुई है। आप सबने मुझसे उम्मीदें जोड़ी थीं कि मैं औरंगाबाद से चुनाव लड़ूं। मैं आपके भरोसे को टूटने नहीं दूंगा और निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा।"

उनकी यह घोषणा होते ही वहां मौजूद सैकड़ों लोगों ने समर्थन जताया और भाजपा छोड़ने का सामूहिक एलान कर दिया। अब औरंगाबाद सीट पर सतीश कुमार सिंह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरेंगे और चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने के आसार बन गए हैं।

करंट लगने से युवक की हुई मौत, परिवार में छाया मातम

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह प्रखंड के गोपालपुर गांव में बुधवार को एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। खेत में सिंचाई के लिए जा रहे 30 वर्षीय मुन्ना कुमार अचानक हाई टेंशन तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। आसपास के लोग, जिनमें सिकेंद्र पासवान, निरंजन कुमार गुप्ता, राहुल, रमेश साव, दिनेश चंद्रवंशी, श्रवण और पिंटू जैसे ग्रामीण शामिल थे, ने उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोह तक पहुंचाया। चिकित्सकों ने सभी प्रयासों के बावजूद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुन्ना कुमार अपने पीछे पत्नी मधु देवी, एक वर्षीय पुत्र रघु कुमार और तीन वर्षीय पुत्री अदिति कुमारी को छोड़ गए हैं। उनके परिवार में मातम का माहौल है। पत्नी, मां प्रमिला देवी और पिता रामप्रवेश साव लगातार रोते-बिलखते हुए अपने प्रियजन की मौत का शोक मना रहे हैं। पूरे गांव में गहरे शोक का माहौल है।

घटना के बाद पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि ईश्वर दयाल सिंह ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और राज्य सरकार से उचित मुआवजे की मांग की। ग्रामीणों ने भी घटना की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने के लिए हाई टेंशन तारों की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की जरूरत है।

चार बच्चों संग लापता महिला की खोज में भटका परिवार, नहीं मिला कोई सुराग

- फेसर थाना क्षेत्र के गोसया गांव की रीना देवी 28 सितंबर से लापता, पति ने दर्ज कराई प्राथमिकी
- पति गणेश यादव ने फेसर थाना में आवेदन देकर पत्नी और बच्चों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई।

निज संवाददाता | फेसर (औरंगाबाद)

जिले के फेसर थाना क्षेत्र के गोसया गांव से एक महिला अपने चार बच्चों के साथ पिछले 16 दिनों से लापता है। परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। परिवार के लोग गहरे तनाव और अनिष्ट की आशंका में दिन काट रहे हैं। जानकारी के अनुसार, लापता महिला का नाम रीना देवी (30 वर्ष) है। उसके साथ बच्चे अंशु कुमार, लक्ष्मी कुमारी, सुष्मित कुमारी और प्रिंशु कुमारी भी गायब हैं। रीना देवी के पति गणेश यादव ने बताया कि 28 सितंबर की दोपहर करीब 2 बजे पत्नी बच्चों के साथ घर से निकली थी। उसने अपनी सास से कहा कि वह हजारीबाग स्थित अपने मायके जा रही है। लेकिन जब गणेश यादव घर लौटे और जानकारी ली, तो पता चला कि वह अपने मायके नहीं पहुंची। शाम तक जब कोई संपर्क नहीं हुआ तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। खोजबीन के बावजूद महिला और उसके बच्चों का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद गणेश यादव ने फेसर थाना में आवेदन देकर पत्नी और बच्चों की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई।

थानाध्यक्ष वर्षा कुमारी ने बताया कि आवेदन प्राप्त होते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिकी दर्ज कर महिला और बच्चों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस ने उनकी तस्वीरें आसपास के थानों और सोशल मीडिया पर जारी की हैं। लोगों से अपील की गई है कि यदि किसी को इनके संबंध में जानकारी मिले तो वह 9031826339 नंबर पर संपर्क करें।

यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की शिकायतें

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर यातायात पुलिस उपाधीक्षक द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दरबार में बड़ी संख्या में आमजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। लोगों ने सड़क सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, चालान प्रक्रिया और वाहन जप्ती जैसी विभिन्न समस्याओं को सामने रखा।

यातायात पुलिस उपाधीक्षक ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और कई मामलों में मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दिए। जिन मामलों में तत्काल समाधान संभव नहीं था, उनके लिए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि जल्द से जल्द निपटारा किया जा सके।

अधिकारी ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम लोगों और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने जनता से भी अपील की कि यातायात नियमों का पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

एक दर्जन टिकटार्थियों को पछाड़कर भाजपा के प्रत्याशी बने त्रिविक्रम, कहा

टिकट के सभी दावेदार रहे नेता मुझे मिलकर जिताएंगे, किसी से गिला शिकवा नहीं

- क्षेत्र के विकास और समस्याओं के त्वरित समाधान का वादा
- सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से सहयोग की अपील

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार की राजनीति में चितौड़गढ़ कही जाने वाली औरंगाबाद विधानसभा सीट से भाजपा ने मगध प्रमंडल के क्षेत्रीय प्रभारी त्रिविक्रम नारायण सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सिंह ने इस सीट से टिकट के लिए दावेदारी करने वाले एक दर्जन से अधिक दिग्गज नेताओं को पछाड़कर पार्टी का समर्थन हासिल किया। बुधवार को चुनावी सिंबल लेकर औरंगाबाद आने पर उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता में त्रिविक्रम सिंह ने कहा कि टिकट के दावेदारों में कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी नेता और पार्टी कार्यकर्ता उनके साथ मिलकर चुनाव जीतने में योगदान देंगे। सिंह ने कहा कि यदि कोई थोड़ी बहुत नाराजगी भी होगी, तो उनसे मुलाकात कर उन्हें सम्मान देंगे और साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने भाजपा को अनुशासित पार्टी बताते हुए कहा कि पार्टी में हमें किसी साथी का विरोध करने के बजाय सभी को साथ लेकर चलना सिखाया जाता है।

सिंह ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि बिहार में फिर से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी कार्यकर्ताओं, अभिभावकों और माताओं-बहनों से समर्थन की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यदि वे चुनाव जीतते हैं, तो इलाके की सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जाएगा और जिले के विकास के लिए वे और उनका नेतृत्व हमेशा तत्पर रहेगा।

अवैध शराब के निर्माण और भंडारण पर पुलिस ने किया कार्रवाई

औरंगाबाद (एसवीवी सं.)। अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, सेवन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए औरंगाबाद पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सलैया थाना क्षेत्र के ग्राम बरियावां स्थित चाल्हो पहाड़ पर छापामारी की, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने का संदेश गया। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 105 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा लगभग 2000 लीटर महुआ जावा को यथास्थल नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब का कारोबार न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे समाज में कई गंभीर समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। इसी कारण पुलिस लगातार ऐसे कृत्यों पर निगरानी रख रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। सलैया थाना के प्रभारी ने बताया कि इस छापामारी में स्थानीय ग्रामीणों और गुप्त सूचना देने वालों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस ने चेक पोस्टों का किया निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बुधवार को विधानसभा चुनाव-2025 की तैयारी के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक, औरंगाबाद ने अम्बा, कुटुंबा, टंडवा, नबीनगर, नरारीकला खुर्द और बारुण थानांतर्गत स्थित अंतर्जिला एवं अंतर्राज्यीय चेक पोस्टों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने वहां तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और चुनावी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सभी चेक पोस्टों पर वाहनों की जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और चुनावी कानूनों के अनुपालन की पूरी तैयारी सुनिश्चित की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है, ताकि मतदान केंद्रों तक नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।